वार्षिक रिपोर्ट

2001-2002

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट

2001-2002

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg.
New Delhi-110016
DOC, No .....
Date .....

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के लिए कुलसचिव, नीपा द्वारा प्रकाशित तथा ड्रीम सिस्टम्स कंप्यूटर सेंटर, नई दिल्ली 110 016 द्वारा टाईपसेट होकर अनिल आफसेट एण्ड पैकेजिंग प्रा.लि., जवाहर नगर, नई दिल्ली में नीपा के प्रकाशन एकक द्वारा मुद्रित।

विषय सूची

1.	विहंगावलोकन	1
2.	प्रशिक्षण	9
3.	अनुसंधान	20
4.	प्रकाशन	22
5.	पुस्तकालय / प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली	25
6.	सूचना प्रौद्योगिकी समर्थन प्रणाली	31
7.	संगठन, प्रशासन और वित्त	33

अनुलग्नक

I.	प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन	37
II.	संकाय का अकादमिक योगदान	44

परिशिष्ट

I.	नीपा परिषद्	75
II.	नीपा कार्यकारी समिति	78
III.	वित्त समिति	79
IV.	योजना और कार्यक्रम समिति	80
V.	संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ	82
VI.	वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट	85

मिशन और उद्देश्य

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में उत्कृष्टता का ऐसा राष्ट्रीय केंद्र विकसित करना जो योजना और प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार लाए और इसके लिए अध्ययन, नए विचारों और तकनीकों के सृजन का रास्ता अपनाए तथा कार्यनीतिक समूहों के साथ विचार-विमर्श कर और प्रशिक्षण के माध्यम से इनका प्रचार-प्रसार करे;
- केंद्र, राज्यों और संघ राज्यों की सरकारों के वरिष्ठ शिक्षाधिकारियों के लिए सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, बैठकों, संगोष्ठियों तथा परिचय-सत्रों का आयोजन करना;
- महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र से संबद्ध प्रशासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन करना;
- संस्थान के समान कार्यों से संबद्ध संस्थानों का नेटवर्क विकसित करना और ऐसी समर्थनकारी तथा साहयोगिक भूमिका अदा करना जिससे राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों और प्रादेशिक क्षेत्रों का क्रमिक विकास हो सके;
- केंद्र और राज्य सरकारों में शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी नीति-निर्माण से जुड़े विधिनिर्माताओं समेत राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, संगोष्ठी और सामूहिक परिचर्चा का आयोजन करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न पक्षों पर शोधकार्य करना, उन्हें सहायता और प्रोत्साहन देना और उनका समन्वय करना, इनमें भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में प्रयुक्त योजनाकारी तकनीकों और प्रशासनिक कार्यप्रणालियों के तुलनात्मक अध्ययन भी शामिल हैं;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों, संस्थानों और एजेंसियों का अकादमिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन करना;
- राज्य सरकारों और शिक्षा संस्थानों के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों, संस्थानों और एजेंसियों का अकादमिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन करना;
- राज्य सरकारों और शिक्षा संस्थाओं के अनुरोध पर सलाहाकारी सेवाएं प्रदान करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार कार्य से संबंधित विचारों और सूचनाओं के लिए वितरण-केंद्र के रूप में कार्य करना;
- इन उद्देश्यों की अधिकाधिक पूर्ति के लिए भारत और विदेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय प्रबंध और प्रशासन के क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के साथ सहयोग करना;
- अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति और अकादमिक प्रोत्साहनवृत्ति प्रदान करना;
- शैक्षिक योजना और प्रशासन से जुड़े विख्यात शिक्षाविदों को मानद अध्येतावृत्ति प्रदान करना; और
- अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों के अनुरोध पर शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना तथा ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में उनका सहयोग करना।

अध्याय 1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन (नीपा) शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक शीर्षस्थ भारतीय संस्थान है। आरंभ में 1961-62 में योजनाकर्मियों, प्रशासकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए यूनेस्को के क्षेत्रीय केंद्र के रूप में इसकी स्थापना हुई थी। अब नीपा पंजीकृत सोसायटी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा पूर्णतः प्रायोजित एक स्वायत्त संस्थान है। इसके स्वायत्त स्वरूप के कारण इसके दर्शन, आंतरिक कार्यकलापों और विकास की दिशा में भी परिवर्तन हुआ है। आरंभ में यह शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक प्रशिक्षण संस्थान था परंतु अब इसके कार्यकलापों का केंद्र बिंदु बदल गया है और यह एक संसाधन संस्थान के रूप में कार्यरत है। संस्थान में पहले केवल प्रशिक्षण पर बल दिया जाता था परंतु अब शोध और व्यावसायिक क्षमता विकास के प्रयासों पर बल दिया जाता है। मानव क्षमता विकास कार्यक्रमों को शोध अध्ययनों के आधार पर संवर्धित किया जाता है।

संस्थान के चार्टर के अनुसार इसकी गतिविधियों को मुख्यतः चार वर्गों में विभाजित किया गया है :

- शोध
- प्रशिक्षण
- परामर्श
- विस्तार, और
- प्रसारण

इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए संस्थान में तीन प्रकार के अकादमिक एकक - विषयवार एकक, स्तरवार एकक और स्थानिक एकक स्थापित हैं। विषयवार अकादमिक एकक हैं :

- योजना
- प्रशासन
- नीति
- वित्त, तथा
- संक्रियात्मक शोध और प्रणाली प्रबंधन

शैक्षिक स्तर के दो एकक हैं :

- विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक, तथा
- उच्च शिक्षा एकक

स्थानिक स्तर के दो एकक हैं :

- प्रादेशिक प्रणाली एकक, और
- अंतर्राष्ट्रीय एकक

अकादमिक गतिविधियों को मुख्य रूप से तीन वर्गों में वर्गीकृत किया गया है : (1) क्षमता निर्माण, (2) ज्ञान का सृजन, अनुप्रयुक्त शोध और क्रियात्मक शोध , और (3) ज्ञान का प्रसार, परामर्श, व्यावसायिक समर्थन और प्रकाशन।

क्षमता विकास

कार्यक्रम के प्रमुख क्षेत्र

प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष बल शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण सेवाओं की नेटवर्किंग पर और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर खास जोर दिया जाता है। इसका उद्देश्य क्षेत्र, राज्य, स्थान और संस्था के स्तर पर प्रशिक्षण की क्षमताओं का विकास करना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों पर बल दिया जाता है, जैसे — सभी के लिए शिक्षा, व्यष्टिस्तरीय योजना, जिला स्तर पर योजना, संस्था स्तर पर योजना और मूल्यांकन, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की योजना और प्रबंधन, आदिवासी शिक्षा, विकेंद्रीकृत प्रशासन, लैंगिक प्रश्न, पर्यावरण शिक्षा, कंप्यूटरों का अनुप्रयोग, और (i) अकादमिक स्टाफ कालेजों, (ii) स्वायत्त महाविद्यालयों की योजना और विकास, तथा (iii) उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता और प्रासंगिकता लाने के लिए योजना और विकास।

विस्तार

संस्थान ने इस साल 53 कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें भारत के विभिन्न भागों से 1560 और दुनिया के 44 देशों तथा 8 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से 108 भागीदारों को भाग लेने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण सामग्री

क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र के स्तर पर क्षमता के विकास के लिए संस्थान ने शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में स्वशिक्षा माड्यूल, आलेख और सांख्यिकीय आंकड़ों की रिपोर्टें तैयार की गई हैं। संकाय ने प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विभिन्न स्रोतों के आधार पर, कार्यक्रमों के विषयों पर पठन सामग्री तैयार की जो भागीदारों को उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्रशिक्षण की पद्धति

नीपा एक अंतर-शास्त्रीय संस्थान है। इसके सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-शास्त्रीय आधार पर संचालित किए जाते हैं। तदनुसार कार्यक्रम की विधि की रूपरेखा तैयार की जाती है। निरापवाद स्वरूप सभी कार्यक्रमों की कार्यविधियों में व्याख्यान, व्याख्यान परिचर्चा, अभिप्रेरणा, भूमिका-प्रदर्शन, केस अध्ययन, व्यावहारिक और सामूहिक कार्य, प्रतिभागी संगोष्ठियां आदि सहित आधुनिकतम बहुमाध्यमों का प्रयोग किया जाता है। संस्थान के प्रशिक्षण कक्ष आधुनिकतम शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जैसे — एल. सी. डी. प्रोजेक्टर के साथ कंप्यूटर, वीडियो और टेलिविजन, ओवर हैड प्रोजेक्ट, व्हाइट मार्कर बोर्ड, पन्ना बोर्ड,आदि से पूर्णत: सुसज्जित हैं। नीपा संकाय इन उपकरणों के प्रयोग की तकनीक से पूरी तरह परिचित हैं और नियमित रूप से इनका प्रयोग करते हैं। कार्यक्रम विधि में क्षमता विकास के लिए एक प्रमुख हस्तक्षेप के रूप में प्रतिभागियों के लिए क्षेत्रीय अध्ययन दौरे का आयोजन भी सम्मिलित है जो प्रतिभागियों को सांस्थानिक नियोजन और प्रबंधन की नवाचारी विधियों की जांच पड़ताल कर अनुकूल विधि के प्रतिपादन के लिए प्रोत्साहित करता है।

कार्यक्रम की योजना में नीचे से ऊपर की प्रतिभागिता विधि का प्रयोग किया जाता है। संकाय सदस्य व्यक्तिगत रूप से कार्यक्रम के प्रस्ताव तैयार करतें हैं। एकक स्तर पर, एकक अध्यक्षों की बैठकों और संकाय परिषद की बैठक में संकाय स्तर पर उनके प्रस्तावों की समीक्षा की जाती है। इसके बाद कार्यक्रम योजना समिति, वित्त समिति और कार्यकारी समिति के सम्मुख अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है। इन समितियों में संस्थान के बाहर के विशेषज्ञ होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम को प्रारंभ करने से पहले विशेष रूप से गठित कार्य बल में इस पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाता है। प्रत्येक कार्यक्रम के प्रतिभागी भी उस कार्यक्रम का मूल्यांकन करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन टिप्पणी के आधार पर भावी कार्यक्रमों में पुन: परिवर्तन और सुधार किया जाता है।

अनुसंधान

नीपा मुख्यत: एक शोध संस्थान है। इस संस्थान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसके संकाय का प्रत्येक सदस्य शोधकर्ता हैं। संस्थान के शोध कार्यों को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता हैं : समनुदेशित या आवंटित शोध कार्य और स्वनिरूपित शोध कार्य। भारत सरकार, विशेषकर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, योजना आयोग, विभिन्न सरकारी अभिकरण, जैसे — विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य स्तरीय संगठन और भारत में कार्यरत अंतर्राष्ट्रीय संगठन नीपा को शोध अध्ययन कार्य आवंटित करते हैं। ऐसे शोध कार्यों को संबंधित अभिकरण प्रायोजित करते है। ऐसे शोध कार्य प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों, परियोजनाओं और योजनओं का पृष्ठपोषण और अनुश्रवण में आधारभूत स्रोत का कार्य करते हैं। दूसरी श्रेणी के शोध कार्यों में वे शोध आतें हैं जिन्हें संबंधित संकाय सदस्य अपने विशिष्ट अध्ययन क्षेत्र के अनुसार निरूपित करते हैं। ऐसे शोध अध्ययनों को संस्थान अपने बजट संसाधनों से अनुदान प्रदान करता है। संस्थान अपने उद्देश्यों के अनुसार देश के विभिन्न शोध संस्थानों के परियोजना अध्ययनों को प्रायोजित करके शोध को बढ़ावा देता है। इसके अलावा संस्थान विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर शोध परियोजना अध्ययन भी करता है।

समीक्षाधीन वर्ष में 14 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हुईं। 3 परियोजना अध्ययनों को मंजूरी दी गई/जारी थीं।

परामर्शकारी और व्यावसायिक सहयोग

परामर्शकारी और समर्थनकारी सेवाएं नीपा चार्टर का एक भाग है। संस्थान शैक्षिक नीति निर्माण , मानव संसाधन विकास मंत्रालय, योजना आयोग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और अन्य राष्ट्रीय निकायों के कार्यक्रमों के विकास, योजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन संबंधी कार्यों में पूरी तरह सम्मिलित होता है। नीपा शिक्षा के सभी स्तरों पर व्यावसायिक सहयोग देता है। यह राज्य सरकारों और राज्य स्तरीय संगठनों ,जैसे —एस सी ई आर टी, सीमैट, राज्य उच्च शिक्षा परिषदों, आदि को भी समर्थनकारी सेवाएं प्रदान करता है। इन राष्ट्रीय और राज्य स्तर की समर्थनकारी सेवाओं के अलावा नीपा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, जैसे — यूनेस्को, विश्व बैंक, सीडा और अन्य दूसरे अभिकरणों को भी व्यावसायिक समर्थन प्रदान करता है।

नीपा संकाय के कई सदस्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मसलों पर उनकी परामशकारी सेवाएं ली जाती है। नीपा ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परामर्श के क्षेत्र में एक नई पहल की है। संस्थान को अपने पड़ोसी देश, नेपाल में एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषित परियोजना -विकेंद्रित योजना के अंतर्गत व्यावसायिक समर्थन के लिए आमंत्रित किया गया। इस परियोजना को संस्थान व्यावसायिक सेवा प्रदान कर रहा है।

सूचनाओं का प्रसार

प्रकाशन

नीपा के शोध और संकल्पनात्मक ज्ञान के प्रचार-प्रसार का मुख्य माध्यम प्रकाशन हैं। विगत वर्षों के सतत प्रयासों से संस्थान में मजबूत प्रकाशन कार्यक्रम का विकास हुआ है जिसमें कई महत्वपूर्ण घटक भी सम्मिलित है।

संस्थान नियमित रूप से *नीपा न्यूज लेटर* और *एन्ट्रिप न्यूज लेटर* का प्रकाशन करता है। नीपा *एन्ट्रिप* (शैक्षिक योजना प्रशिक्षण और शोध संस्थान नेटवर्क) का मुख्यालय भी है।

नीपा अंग्रेजी *में जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* और हिंदी में *परिप्रेक्ष्य* नामक व्यावसायिक शोध पत्रिका का प्रकाशन करता है।*जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका है जिसका लगभग 60 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के साथ विनिमय होता है।

संस्थान में दो प्रकार के समसामयिक प्रकाशन निकाले जाते हैं। पहला, समसामयिक आलेख के रुप में प्रकाशित होता है जिन्हें नीपा संकाय तैयार करता है। दूसरा समसामयिक प्रकाशन बेस्ट *प्रैक्टिसेज़ इन एजुकेशन* के रूप में प्रकाशित किया जाता है जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक नवाचार का दस्तावेज है।

नीपा शोध रिपोर्टें, सम्मेलनों की कार्यवाहियां और संकाय द्वारा तैयार शैक्षिक सामग्री का प्रकाशन करता है। हाल ही में संस्थान ने शैक्षिक और शोध रिपोर्टों का समूल्य प्रकाशन भी आरंभ किया है। इसके अलावा

नीपा की ओर से प्रकाशन और प्रसार का व्यापक विस्तार करने के लिए निजी प्रकाशकों का सहयोग भी लिया गया है।

समीक्षाधीन वर्ष में 14 पुस्तकें तथा शोध पत्रिकाओं के सात अंक — पांच अंग्रेजी जर्नल और दो हिंदी जर्नल – *'परिप्रेक्ष्य'* नीपा न्यूज लेटर और एन्ट्रिप न्यूज लेटर के दो-दो अंक प्रकाशित किए गए।

समीक्षाधीन वर्ष में अनेक मिमियोग्राफ, शोध पत्रों और रिपोर्टों के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रम, वार्षिक रिपोर्ट, आईडिपा और डेपा के घोषणापत्र प्रकाशित किए गए।

अकादमिक और सहायक एकक

संस्थान के अकादमिक कार्यक्रम नौ अकादमिक एककों द्वारा चलाए जाते हैं। इन अकादमिक और सहायक एककों का संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है :

अकादमिक एकक

शैक्षिक योजना एकक : आज हम केंद्रीकृत की जगह विकेंद्रीकृत योजनाओं पर जोर दे रहे हैं। योजना एकक में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र भी बदला है। हमारा मुख्य प्रयास है संस्था, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर योजना के आगतों, प्रक्रियाओं और उत्पादों का एकीकरण करना। अर्थव्यवस्था का उदारीकरण आरंभ होने के बाद अब परंपरागत अर्थों में व्यापक योजना की जगह कार्यनीतिक, सांकेतिक योजना पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। यह एकक अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श से संबंधित कार्यक्रम चलाता है।

शैक्षिक प्रशासन एकक : इस एकक का प्रमुख बल शैक्षिक प्रबंधन में अनुसंधान और प्रशिक्षण पर है। यह संस्था प्रमुखों तथा क्षेत्र स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यक्रम आयोजित करता है। इस एकक ने भारी संख्या में संस्थानों की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इंटरएक्टिव टेलिविज़न के माध्यम से एक बहुमाध्यमी नवाचारी दूरवर्ती अधिगम की रूपरेखा तैयार की है और प्रशिक्षण में इसका प्रयोग किया जा रहा है।

शैक्षिक वित्त एकक : यह विषयगत एकक शिक्षा के वित्तपोषण, योजना तकनीक तथा नीति-निर्धारण के कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों – शिक्षा, साक्षरता तथा प्रौढ़ शिक्षा के औपचारिक तथा अनौपचारिक स्तर पर प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चतर तथा तकनीकी शिक्षा में सरकारी तथा गैर सरकारी संसाधनों की लामबंदी, संसाधनों का आवंटन तथा उनका उपयोग पर जोर देता है। शिक्षा का सार्वजनिक वित्त पोषण तथा शिक्षा में आंतरिक तथा बाह्य निवेश अनुसंधान तथा प्रशिक्षण के कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषय हैं।

शैक्षिक नीति एकक : यह विषयगत एकक केंद्र, राज्य तथा संस्था के स्तर पर शिक्षा के सभी क्षेत्रों, जैसे – विद्यालय, अनौपचारिक, औपचारिक, उच्च, प्रौढ़ तथा दूरवर्ती शिक्षा से संबंधित शैक्षिक नीति, योजना क्रियान्वयन, समीक्षा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन पर बल देता है। यह नीति-निर्माण, क्रियान्वयन, समीक्षा

तथा मूल्यांकन में राष्ट्रीय समर्थन प्रणाली के रूप में कार्य करता है। यह एकक नीति-निर्माताओं, योजनाकारों, प्रशासकों, तथा क्रियान्वयनकर्त्ताओं के क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा परामर्श के माध्यम से करता है। इसके अतिरिक्त शोध-कार्य, रोटेशनल हेडशिप, स्व-वित्त पोषित कार्यक्रमों, मानित विश्वविद्यालयों, मानवाधिकरों, महिला अध्ययन इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परिचर्चा, संगोष्ठी, कार्यशाला तथा परिचर्चा बैठकों को भी आयोजित करता है।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक : इस एकक का मुख्य कार्य शिक्षा के विकास और सतत सुधार के लिए विद्यालय शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत अनुभवाश्रित आधार प्रदान करना है। इस एकक द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में छह माह का डिप्लोमा नियमित रूप से आयोजित किया जाता है। यह संस्थान का एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है। यह एकक प्रादेशिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक व्यवस्था के पुनर्गठन तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के संपर्क में रहता है।

उच्च शिक्षा एकक : इस एकक के प्रमुख कार्य हैं : (अ) उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन में ज्ञान/सूचना का सृजन तथा प्रसार करना; (ब) कॉलेज प्राचार्यों तथा विश्वविद्यालय तथा राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं के माध्यम से योजना तथा प्रबंधन क्षमताओं को विकसित करना; (स) उच्च शिक्षा के क्रियान्वयनकारी संस्थानों, योजना तथा नीति-निर्माण से जुड़ी संस्थाओं को तकनीकी तथा व्यावसायिक सहयोग प्रदान करना।

प्रादेशिक प्रणाली एकक : जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) तथा राज्य शैक्षिक प्रबंधन और प्रशिक्षण संस्थान (सीमैट) के संकाय का क्षमता निर्माण तथा राज्य और जिला स्तर के योजनाकारों और प्रशासकों की विकेंद्रीकृत तथा स्थानीय योजना की क्षमता को सुदृढ़ करना इसका मुख्य कार्य है। डी.पी.ई. पी. कार्यक्रमों में अनुसंधान आधारित हस्तक्षेप तथा केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन, इस एकक के शोध के प्रमुख विषय हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एकक : यह एकक नीपा का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र है। यह एकक नियमित रूप से शैक्षिक योजना और प्रशासन में छह माह का अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित करता है। यह संस्थान का एक विशिष्ट कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का लाभ 51 देशों ने उठाया है। इसके अतिरिक्त यह एकक मांग के आधार पर शैक्षिक योजना और प्रबंधन में देश-विशिष्ट कार्यक्रमों को भी आयोजित करता है। शैक्षिक योजना और प्रबंधन में तुलनात्मक अध्ययन इस एकक की एक और विशिष्टता है। यह एकक नीपा के माध्यम से अर्धवार्षिक एंट्रीप (एशियन नेटवर्क आफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) पत्रिका भी प्रकाशित करता है। इसका उद्देश्य सदस्य संस्थानों में शैक्षिक योजना और प्रशासन में नवाचार तथा अनुसंधान का प्रसार करना है।

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक : यह एकक तंत्र प्रबंधन, सूचना प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली, शिक्षा में संक्रियात्मक अनुसंधान, योजना निर्माण तथा निर्णय समर्थन प्रणाली प्रबंधन संबंधी मुद्दों और विषयों पर कार्य करता है। यह एकक सूचना प्रणाली की रूपरेखा, विकास तथा क्रियान्वयन के लिये जिला तथा राज्य स्तरीय स्टाफ की कंप्यूटर में क्षमता निर्माण पर विशेष बल देता हैं। यह जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना के लिए तकनीकी तथा व्यावसायिक सहयोग भी प्रदान करता है।

भूमंडलीकरण और शिक्षा की चुनौतियां पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

नीपा पुस्तकालय की एक झलक

अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के प्रतिभागी

हिंदी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर कविगोष्ठी का आयोजन

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र : नीपा में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर एक विशिष्ट पुस्तकालय है। पुस्तकालय में लगभग 60,000 पुस्तकें हैं और नियमित रूप से 350 भारतीय तथा विदेशी पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं। पुस्तकालय कम्प्यूटरीकृत है तथा नेटवर्क से जुड़ा है। पुस्तकालय इंटरनेट, एरिक तथा डेलनेट के माध्यम से संदर्भ-सेवाएं प्रदान करता हैं। यह पुस्तकालय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में बहुत ही समृद्ध संदर्भ संसाधन केंद्र है।

प्रलेखन केंद्र में राज्य गजट, राज्य गणना रिपोर्ट, विश्व हस्तपुस्तिकाएं, शैक्षिक सर्वेक्षण पंचवर्षीय योजना इत्यादि की राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की सरकारी रिपोर्टों, प्रलेखों तथा अन्य प्रकाशनों का एक विशिष्ट संग्रह है। शिक्षा पर नवीनतम प्रलेखों के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

प्रकाशन एकक : नीपा का अपना एक प्रयोजनबद्ध प्रकाशन कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य समसामयिक आलेखों, पत्रिकाओं, न्यूजलेटर, पुस्तकों तथा रिपोर्टों के माध्यम से शिक्षा में अनुसंधान तथा विकास का प्रसार करना है। कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन है : जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, परिप्रेक्ष्य, एंट्रीप न्यूजलेटर तथा नीपा न्यूजलेटर। इसने पुस्तक के रूप में कई अनुसंधान, संगोष्ठी तथा सम्मेलन की रिपोर्टें प्रकाशित की हैं। संस्थान विभिन्न राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों पर शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्टों की एक श्रृंखला भी प्रकाशित कर रहा है।

आंकड़ा और शब्द संसाधन एकक : यह एकक संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकीय आवश्यकताओं को पूरा करता है। नीपा दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक कार्यकलापों को पूर्ण करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग करता है। सभी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अनुभागों तथा वित्त अनुभागों और पुस्तकालय के पास ई-मेल तथा इंटरनेट सुविधा के साथ नवीनतम कंप्यूटर हैं। यह एकक कंप्यूटर अनुप्रयोग के प्रति जागरूकता लाने में योगदान करता है तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बोधगम्य मॉड्यूल तैयार करता है।

हिंदी कक्ष : यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी प्रशासन और संकाय को सहयोग देता है।

मानचित्रण कक्ष : यह कक्ष मानचित्रों, ग्राफ, चार्टों, तालिकाओं तथा ट्रान्सपेरीन्सीज के माध्यम से सूचना और आंकड़ों के नवाचारी प्रस्तुतिकरण द्वारा अनुसंधान और प्रसार हेतु कंप्यूटरीकृत मानचित्रण सेवाएं प्रदान करता है।

प्रशासन और वित्त

प्रशासन : प्रशासनिक व्यवस्था में सामान्य अकादमिक और कार्मिक प्रशासन आते है। 31 मार्च, 2002 तक अकादमिक और प्रशासनिक, दोनों प्रकार के कार्मिकों संस्थान की कुल स्वीकृत स्टाफ सदस्य संख्या 181 थी। इनके अलावा विभिन्न परियोजनाओं में उनकी अपनी-अपनी अवधियों तक के लिए नियुक्त 27 परियोजनाकर्मी भी थे।

वित्त : इस साल संस्थान को कुल 430.00 लाख रुपये का अनुदान मिला (गैर-योजना मद में 210.00 लाख रुपये और योजना मद में 220.00 लाख रु.)। साल के आरंभ में संस्थान के पास योजना और गैर-योजना, दोनों मदों में 0.085 लाख रुपये शेष थे। साल के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 69.95 लाख रुपए की प्राप्ति हुई। योजना और गैर-योजना मदों में इस साल का व्यय 490.00 लाख रुपये था।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस साल के दौरान संस्थान के पास 144.36 लाख रुपये थे और 144.98 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर साल में कुल 149.39 लाख रुपये खर्च किए गए।

परिसर की सुविधाएं : संस्थान के पास एक चार-मंजिला कार्यालय, व सुसज्जित व स्नानाघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास-क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप I के 16, टाइप II से V तक के 8-8 क्वार्टर और एक निदेशक आवास हैं। संस्थान ने हाल ही में डी.डी.ए. से 25 विस्तारयोग्य घर खरीदे हैं। छात्रावास को वर्ष के दौरान 13.42 लाख रुपये की प्राप्ति हुई।

अध्याय 2

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, संस्थान के मुख्य कार्यकलापों में से एक है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में संलग्न विभिन्न राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के अधिकारियों तथा विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय डिप्लोमा, अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठी तथा सम्मेलन इत्यादि आयोजित किये। संस्थान ने विकासशील देशों के शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम भी आयोजित किया।

दृष्टिकोण और मुख्य बल

प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की रूपरेखा क्षेत्र के नए विकासक्रमों से उत्पन्न आवश्यकताओं के अनुसार बनाई जाती है। कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते समय भागीदारों और निर्णयकर्ताओं द्वारा पहचानी गई प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं पर भी विचार किया जाता है। कार्यक्रमों का आयोजन करते समय पिछले भागीदारों द्वारा दिए गए सुझावों को भी ध्यान में रखा जाता है। कार्यक्रमों के ब्यौरों पर विचार-विमर्श के लिए कार्यबल गठित किए जाते हैं।

इसके अलावा, संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची बनाते समय प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जाता है। जैसे विद्यालय प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन, सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय योजना की विधि और तकनीक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों/जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों की योजना और प्रबंधन, शिक्षा में मात्रात्मक शोध की तकनीक, प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की योजना और प्रबंधन और शिक्षा में कंप्यूटर की भूमिका आदि। डी.पी.ई.पी. जिलों में कार्यरत कार्मिकों के लिए संस्थान ने प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से विकासशील देशों के शिक्षाकार्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी केंद्रीय भूमिका निभाता आ रहा है।

संस्थान समकालीन आवश्यकता के अनुसार धीरे-धीरे अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर तथा राज्य और क्षेत्र स्तर की संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के शिक्षाशास्त्र विभागों से नेटवर्किंग पर जोर दे रहा है।

प्रशिक्षण सामग्री

नीपा का संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अनुसंधान पर आधारित सामग्रियों की तैयारी में सक्रिय रहा है। कार्यक्रमों के दौरान यह सामग्री भागीदारों के लिए बुनियादी लेखों का काम करती है। इन सामग्रियों के साथ संबंधित विषयों पर प्रकाशित साहित्य भी दिया जाता है।

मूल्यांकन

प्रशिक्षण के हर कार्यक्रम का औपचारिक मूल्यांकन किया जाता है। इसका पहला चरण हर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में आता है जब एक संरचनाबद्ध प्रपत्र पर हर भागीदार से कार्यक्रम का मूल्यांकन करने को कहा जाता है। लंबी अवधि के कार्यक्रमों में इस मूल्यांकन से पहले एक या दो मध्यावधि मूल्यांकन किए जाते हैं।

भागीदारी

वर्ष 2001-2002 में संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुल 53 प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों और डिप्लोमा कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में कुल 1560 व्यक्तियों ने भाग लिया। इनमें से 1452 भागीदार राष्ट्रीय और 108 भागीदार अंतर्राष्ट्रीय थे। 2001-2002 में आयोजित कार्यक्रमों की सूची अनुलग्नक-1 में दी गई हैं।

इस वर्ष आयोजित कार्यक्रम दो प्रकार के थे : (अ) डिप्लोमा कार्यक्रम और (ब) शैक्षिक योजना और प्रशासन पर सामान्य या विषयवार कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर संक्षिप्त अवधि के विषय केंद्रित कार्यक्रम। संस्थान द्वारा आयोजित श्रेणीवार कार्यक्रम तालिका-I में दिए गए हैं।

तालिका I

2001-2002 में संस्थान द्वारा आयोजित श्रेणीवार कार्यक्रम

कार्यक्रमों की श्रेणी	*कार्यक्रमों की संख्या*	*अवधि (दिन)*	*भागीदारों की संख्या*
डिप्लोमा कार्यक्रम			
(अ) राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	186	46
(ब) अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	180	47
शैक्षिक योजना और प्रशासन पर विषयवार कार्यक्रम			
विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और प्रबंध में प्रशिक्षण	6	24	235
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन	12	20	487
विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टि स्तरीय योजना	2	10	91
शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन	3	11	74

क्रमश:

जि.शि.प्र.सं. और राज्य शै.अ.प्र.प. की योजना और प्रबंधन	3	19	60
शैक्षिक योजना में मात्रात्मक अनुसंधान की विधियां	2	22	23
डाइट और विद्यालय पुस्तकालयों की योजना और प्रबंधन	2	12	54
डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम	8	21	126
आईडेपा के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	4	35	72
अन्य कार्यक्रम	7	21	245
योग	**53**	**561**	**1560**

*इस सूची में पहले से जारी दो कार्यक्रम (एक राष्ट्रीय और एक अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम) शामिल हैं।

संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में देश के लगभग सभी राज्यों और संघीय क्षेत्रों (चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) ने भाग लिया। राज्यवार भागीदारी तालिका-II में दिखाई गई है।

तालिका II
राज्यवार भागीदारी

क्रम संख्या	*राज्य/संघीय क्षेत्र*	*भागीदारों की संख्या*
1.	आंध्रप्रदेश*	128
2.	अरुणाचल प्रदेश*	6
3.	असम*	101
4.	बिहार*	19
5.	छत्तीसगढ़*	6
6.	गोवा	1
7.	गुजरात	24
8.	हरियाणा	20
9.	हिमाचल प्रदेश	26
10.	जम्मू-कश्मीर*	19
11.	झारखंड*	5
12.	कर्नाटक	174
13.	केरल	17
14.	मध्यप्रदेश*	14
15.	महाराष्ट्र	64
16.	मणिपुर	10

क्रमशः

17.	मेघालय	11
18.	मिजोरम	5
19.	नागालैंड	4
20.	उड़ीसा*	17
21.	पंजाब	24
22.	राजस्थान*	18
23.	सिक्किम	8
24.	तमिलनाडु	47
25.	त्रिपुरा	-
26.	उत्तरांचल*	105
27.	उत्तरप्रदेश*	50
28.	पश्चिम बंगाल*	26
29.	अंडमान-निकोबार द्वीप समूह	3
30.	चंडीगढ़	-
31.	दादरा व नागर हवेली	1
32.	दमन और दीव	-
33.	दिल्ली	66
34.	लक्षद्वीप	2
35.	पांडिचेरी	10
36.	भारत सरकार व अन्य संगठन	421
योग		**1452**

* शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रदेश

लगभग 35.39 प्रतिशत भागीदार शैक्षिक रूप से पिछड़े दस राज्यों से आए : आंध्रप्रदेश (128), अरुणाचल प्रदेश (6), असम (101), बिहार, झारखंड सहित (24), जम्मू-कश्मीर (19), मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित (20), उड़ीसा, (17), राजस्थान, (18), उत्तरप्रदेश, उत्तरांचल सहित (155) और पश्चिम बंगाल (26)।

भागीदारी का प्रकार और स्तर : विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारों का स्तरों के आधार पर एक मिला-जुला समूह था। इनमें राज्यों, संघ क्षेत्रों, शिक्षा निदेशालयों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों, जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम राज्यों और मंडलीय तथा जिला स्तर के कार्मिक और विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों जैसे संस्था-प्रमुख शामिल थे; इसी तरह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालयों के प्राचार्यों और विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रशासकों ने भी भाग लिया। प्रकार और स्तर के अनुसार भागीदारों के ब्यौरे तालिका-III में देखे जा सकते हैं :

श्रेणीवार कार्यक्रम और भागीदारी
500
200
100
0
कार्यक्रमों की संख्या
भागीदारों की संख्या
राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम
अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम
विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए योजना और प्रबंध के प्रशिक्षण
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन
विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टि स्तरीय योजना
शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन
जि.शि.प्र.सं. और राज्य शै.अ.प्र.प. की योजना और प्रबंधन
शैक्षिक योजना में मात्रात्मक अनुसंधान की विधियां
डाइट और विद्यालय पुस्तकालयों की योजना और प्रबंधन
डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी.कार्यक्रम
आईईपी के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
अन्य कार्यक्रम
डिप्लोमा कार्यक्रम
शैक्षिक योजना और प्रशासन पर विषयवार कार्यक्रम

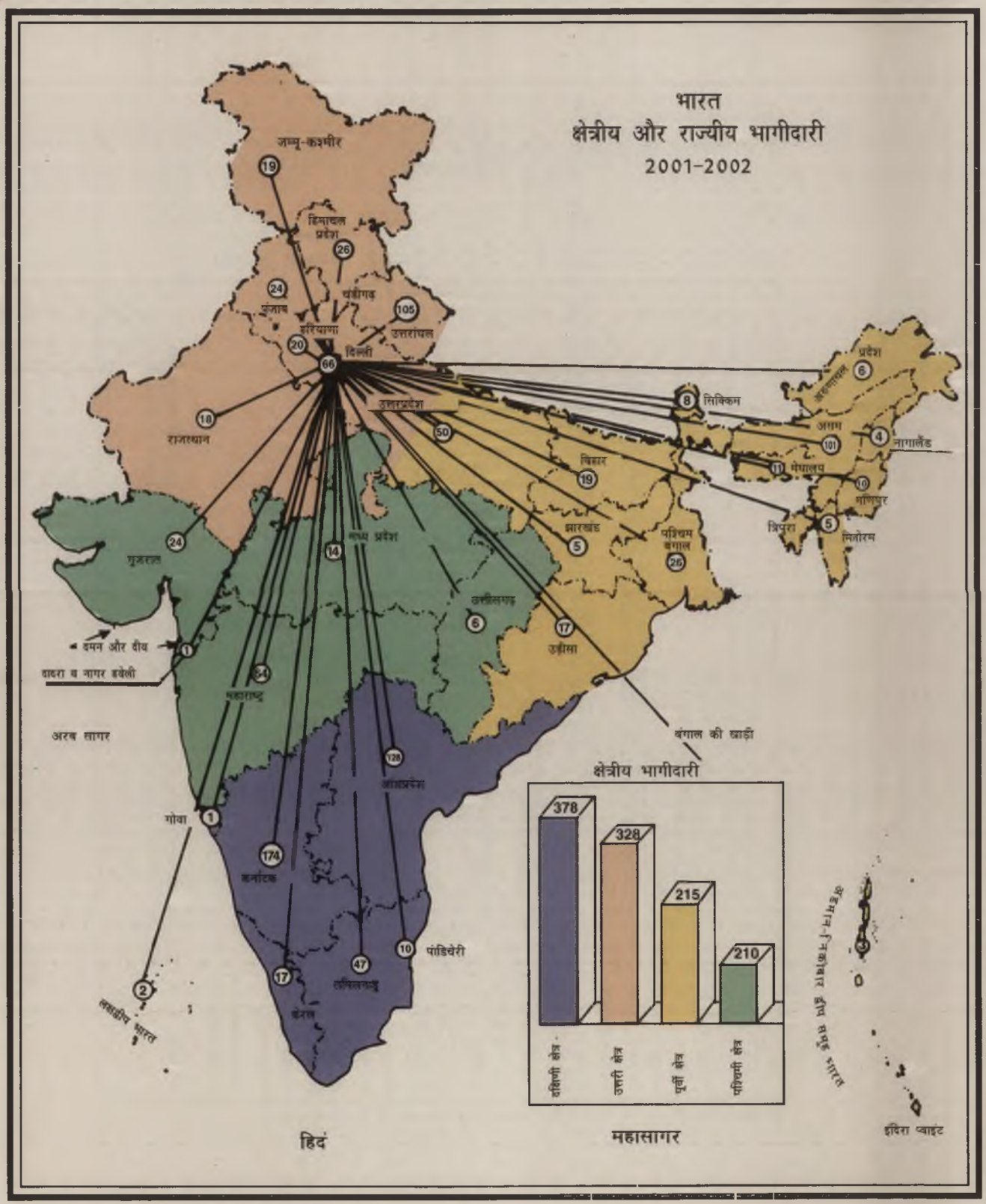
भारत
क्षेत्रीय और राज्यीय भागीदारी
2001-2002
जम्मू-कश्मीर
19
हिमाचल प्रदेश
26
पंजाब
24
चंडीगढ़
105
उत्तरांचल
हरियाणा
20
दिल्ली
66
राजस्थान
18
उत्तरप्रदेश
50
सिक्किम
8
अरुणाचल प्रदेश
6
असम
101
नागालैंड
4
बिहार
19
मेघालय
11
मणिपुर
10
त्रिपुरा
5
मिजोरम
झारखंड
5
पश्चिम बंगाल
26
गुजरात
24
मध्य प्रदेश
14
छत्तीसगढ़
6
उड़ीसा
17
दमन और दीव
1
दादरा व नागर हवेली
महाराष्ट्र
24
अरब सागर
बंगाल की खाड़ी
आंध्रप्रदेश
128
गोवा
1
कर्नाटक
174
पांडिचेरी
10
तमिलनाडु
47
केरल
17
लक्षद्वीप
2
क्षेत्रीय भागीदारी
378
328
215
210
दक्षिणी क्षेत्र
उत्तरी क्षेत्र
पूर्वी क्षेत्र
पश्चिमी क्षेत्र
अंडमान-निकोबार द्वीप समूह
इंदिरा प्वाइंट
हिंद
महासागर

तालिका III

2001-2002 में आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं संगोष्ठियों और सम्मेलनों आदि में स्तरवार भागीदारी

स्तर	*भागीदारों की संख्या*
विद्यालयों के प्रधानाध्यापक	219
जिला शिक्षा अधिकारी	29
परीक्षा बोर्ड	26
जि.शि.प्र. संस्थानों/राज्य शै.अ.प्र.प. के कार्मिक	145
जि.प्रा.शि.का. के कार्मिक	120
विद्यालय और जिला स्तरीय पुस्तकालयाध्यक्ष	54
वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासक	324
महाविद्यालयों के प्राचार्य	40
विश्वविद्यालयों के प्रशासक/वरिष्ठ अकादमिक सदस्य	197
अन्य	298
योग	**1452**

अंतर्राष्ट्रीय स्तर

इस वर्ष संस्थान ने 2 डिप्लोमा कार्यक्रम जिनमें एक पहले से चल रहा था, तथा एक श्रीलंका के वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए आयोजित किये। इन दोनों डिप्लोमा कार्यक्रमों में विकासशील और अन्य देशों के 95 शैक्षिक योजनाकार और प्रशासक शामिल हुए। उपर्युक्त के अलावा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के 11 विशेषज्ञ और आस्ट्रेलिया उच्चायुक्त के एक अधिकारी ने भी राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। देशवार भागीदारी संबंधी विवरण तालिका IV में प्रस्तुत है।

क्षेत्रवार और विषयवार कार्यक्रम

संस्थान ने चार डिप्लोमा कार्यक्रमों - 2 राष्ट्रीय और 2 अंतर्राष्ट्रीय(इन दोनों में से एक-एक डिप्लोमा कार्यक्रम पिछले वर्ष से चल रहे थे), 20 प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों, 14 कार्यशालाओं, 5 संगोष्ठियों, 1 सम्मेलन और 9 बैठकों का आयोजन किया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (डिपा) : वर्ष 2000-2001 में संस्थान ने 21वें डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा और तीसरा चरण पूरा किया। इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 नवम्बर, 2000 में शुरू हुआ था। इसके दूसरे और तीसरे चरण क्रमश: 1 फरवरी - 30 अप्रैल 2001 और 17-21 जुलाई 2001 के दौरान संचालित किए गए।

तालिका IV

2001-2002 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	*भागीदारों की संख्या*	*देश का नाम*	*भागीदारों की संख्या*
1. आस्ट्रेलिया उच्चायुक्त	1	23. नामीबिया गणराज्य	1
2. बांग्लादेश	2	24. नेपाल	3
3. भूटान	11	25. नाइजर	1
4. बोत्सवाना	1	26. ओमान	1
5. कंबोडिया	2	27. पाकिस्तान	1
6. चीन	1	28. पनामा	1
7. अल साल्वाडोर	1	29. पपुआ न्यू गुयना	2
8. एरीट्रिया	6	30. फिलीपाइंस	1
9. इस्टोनिया	1	31. सेशल्स	1
10. इथोपिया	1	32. श्रीलंका	28
11. घाना	1	33. टोंगा	1
12. गुयाना	2	34. ब्रिटेन	2
13. ईरान	1	35. जाम्बिया गणराज्य	2
14. इराक	1	36. जिम्बाम्वे	1
15. आइवरी कोस्ट	1	**अंतर्राष्ट्रीय अभिकरण**	
16. जार्डन	1	1. अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान	1
17. किर्गीस्तान	2	2. यूरोपियन इकानमिक यूनियन	1
18. लाओ गणराज्य	1	3. (आई.आई.ई.पी.)	1
19. मलेशिया	1	4. प्रॉप (PROAP)	1
20. मालदीव	2	5. यूनेस्को	4
21. मारीशस	5	6. यू एन डी पी	1
22. म्यांमार	6	7. विश्व बैंक	2
		योग	**108**

22वां डिप्लोमा कार्यक्रम का पहला चरण नवंबर, 2001 में प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के तीन घटक थे : (i) नीपा में 1 नवंबर 2001 से 31 जनवरी, 2002 के दौरान तीन महीने का सघन पाठ्यचर्या कार्य, (ii) प्रशिक्षणार्थी के पदस्थापित क्षेत्र में 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2002 के दौरान तीन महीने का परियोजना कार्य, (iii) परियोजना कार्य की रिपोर्टों पर नीपा में 15-19 जुलाई, 2002 के दौरान पांच दिवसीय कार्यशाला। यह कार्यक्रम व्याख्यान, परिचर्चा, परिसंवाद, केस अध्ययन, समेकित विधि, अभिप्रेरणात्मक

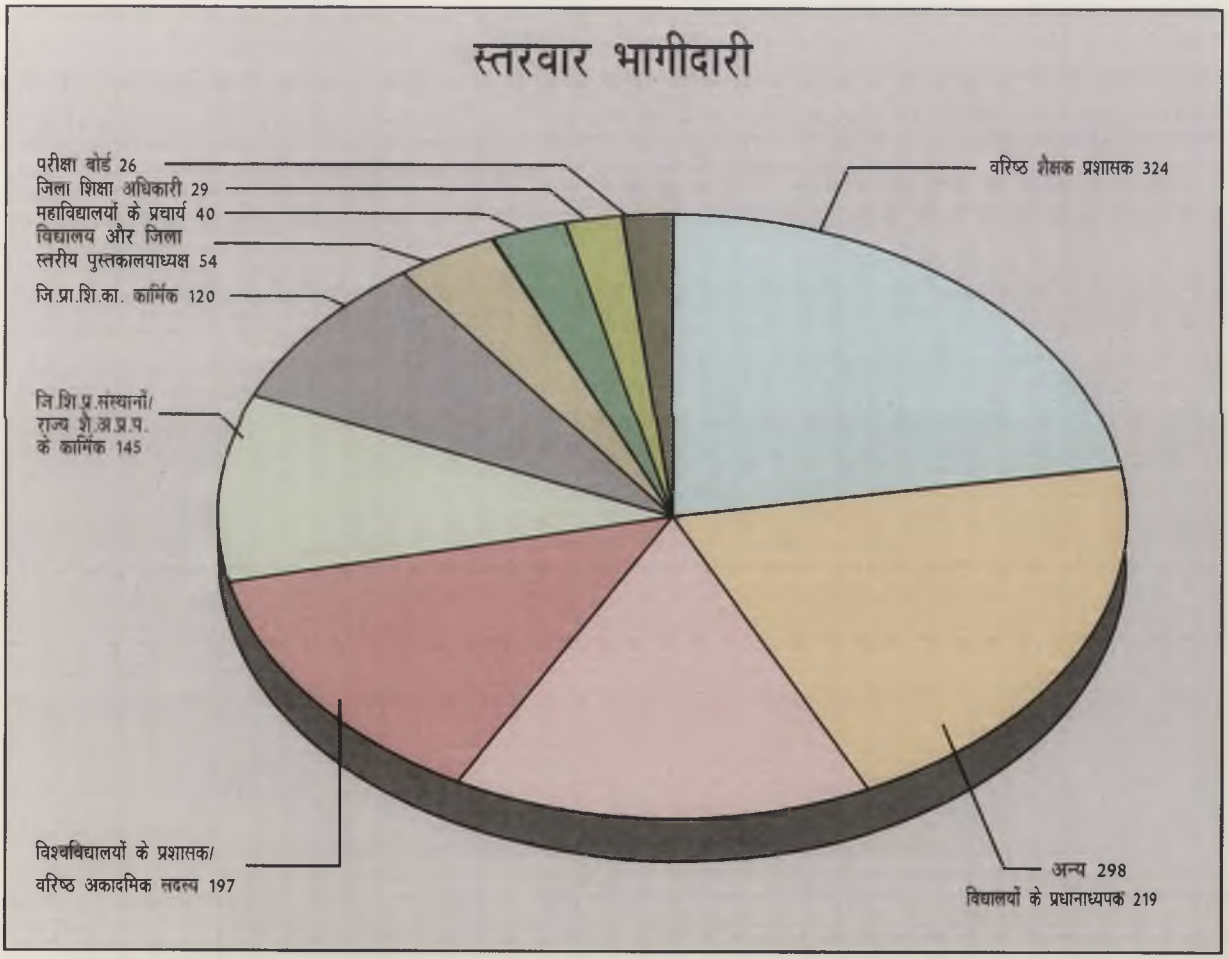
स्तरवार भागीदारी
परीक्षा बोर्ड 26
जिला शिक्षा अधिकारी 29
महाविद्यालयों के प्रचार्य 40
विद्यालय और जिला
स्तरीय पुस्तकालयाध्यक्ष 54
जि.प्रा.शि.का. कार्मिक 120
जि.शि.प्र.संस्थानों/
राज्य शै.अ.प्र.प.
के कार्मिक 145
विश्वविद्यालयों के प्रशासक/
वरिष्ठ अकादमिक सदस्य 197
वरिष्ठ शैक्षक प्रशासक 324
अन्य 298
विद्यालयों के प्रधानाध्यपक 219

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी: 2001-2002

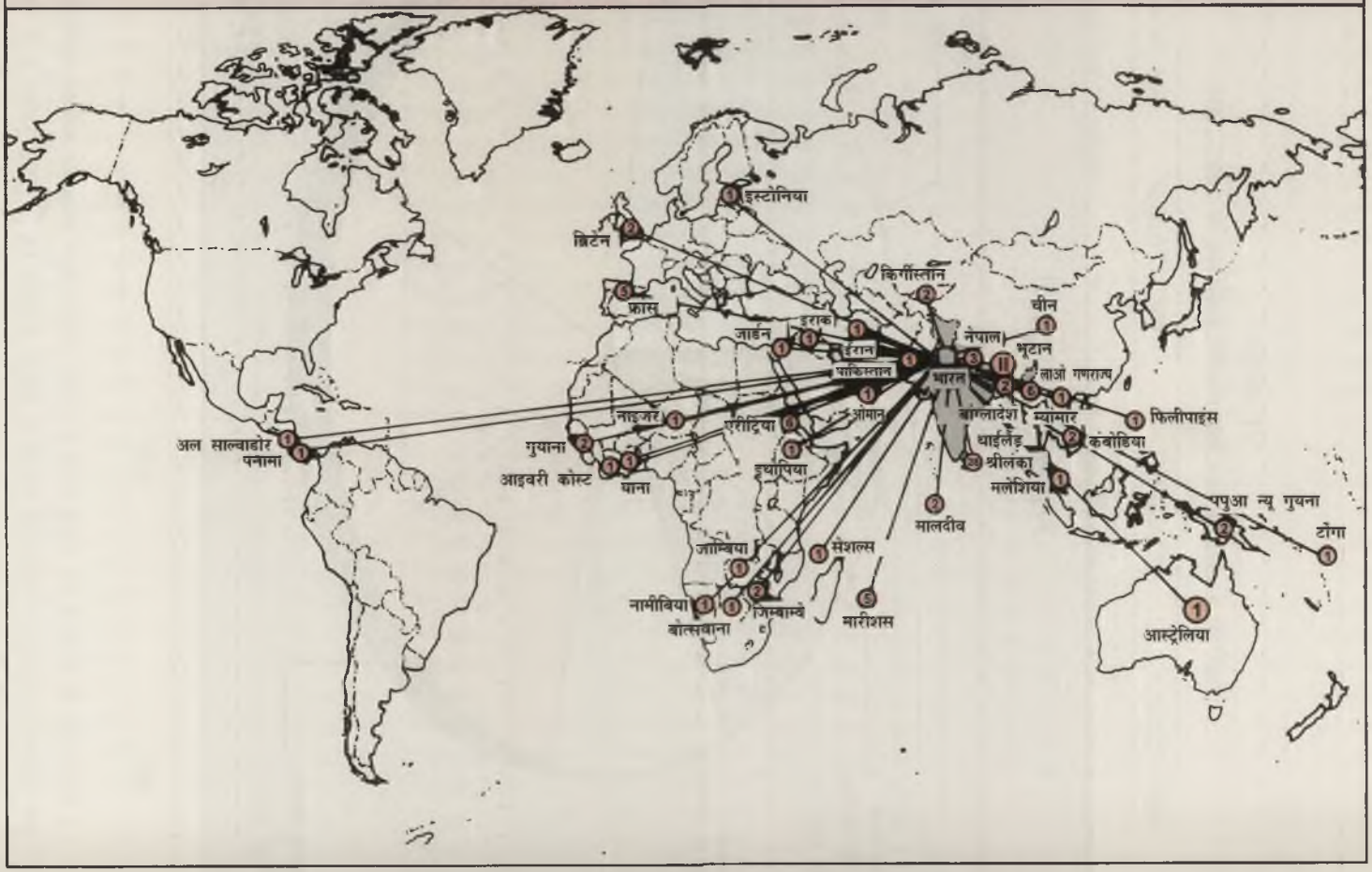

भूमिका, बास्केट विधि में भूमिका निर्वहन और निर्धारित विषयों पर परिचर्चा पर आधारित था। इसके अलावा व्यावहारिक कार्याभ्यास, पुस्तकालय आधारित कार्य और दिल्ली में तथा दिल्ली के बाहर कुछ महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के अध्ययन दौरों के लिए भी पर्याप्त समय दिया गया। प्रत्येक प्रतिभागी को कार्य प्रशिक्षण भी दिया गया जिसके अंतर्गत प्रतिभागी को अपने पदस्थापित क्षेत्र में 3 माह का परियोजना अध्ययन करना था। परियोजना अध्ययन कार्य का निर्देशन भी किया गया। प्रतिभागी को अपनी परियोजना रिपोर्ट का सारांश भी प्रस्तुत करना था। जो प्रतिभागी निर्धारित समय सीमा के अंदर परियोजना रिपोर्ट जमा नहीं करते हैं उन्हें तीसरे चरण के लिए आंमंत्रित नहीं किया जाता है।

पाठ्यचर्या में भागीदारों द्वारा बीच में कार्यक्रम के मूल्यांकन का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त प्रथम चरण के अंत में कार्यक्रम का वृहद मूल्यांकन किया जाता है। भागीदारों का मानना था कि कार्यक्रम का उद्देश्य सिद्ध हो रहा है। इसके अतिरिक्त भागीदारों ने कार्यक्रम के लिए आधारभूत सुविधाओं, पाठ्यचर्या के क्रय आदि, को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

पाठ्यचर्या के एक भाग के रूप में प्रशिक्षणार्थियों के लिए गुजरात का अध्ययन दौरा भी आयोजित किया गया ताकि वे राज्य में चलाए जा रहे शैक्षिक नवाचारों और गतिविधियों से अवगत हो सकें। गुजरात के अध्ययन दौरे के दौरान प्रशिक्षणार्थियों ने अनेक शैक्षिक संस्थानों, जैसे– डाइट, गांधीनगर और सुरेंद्र नगर जिले के अनेक प्राथमिक विद्यालयों का दौरा किया जहां के कई गावों के विद्यालय भवन भूकंप में गिर गए थे। ऐतिहासिक स्थल साबरमती जहां से महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई का बिगुल बजाया था का दौरा आयोजित किया गया। इसके अलावा अध्ययन दौरे के प्रमुख संस्थान थे : डाइट अहमदाबाद,पर्यावरण शिक्षा केंद्र, गुजरात शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, भारतीय प्रबंध संस्थान का रवि मथाई केंद्र, अहमदाबाद, खेरा जिला दुग्ध उत्पादक यूनियन लिमिटेड, वुची ग्राम विद्यालय, राजपिपला, साधुभाई पुरुनी भौतिक शिक्षा कालेज और एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा का उच्च शिक्षा अध्ययन केंद्र। इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियों ने राजस्थान के कोटपुतली ब्लाक का दौरा किया। प्रतिभागियों ने नीपा के आस-पास के प्रमुख संस्थानों, जैसे - केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्यौगिकी संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद तथा दीपालय सोसायटी के कुछ विद्यालयों के दौरे भी किए।

इन दोनों कार्यक्रमों में कुल 46 भागीदार शामिल हुए। राज्यवार भागीदारी तालिका V में दर्शाई गई है।

तालिका V

21वें और 22वें डिप्लोमा कार्यक्रमों में राज्यवार भागीदारी

राज्य	*21वां डिप्लोमा*	*22वां डिप्लोमा*	*योग*
आंध्रप्रदेश	1	1	2
अरुणाचल प्रदेश	2	-	2
असम	5	1	6
गुजरात	1	1	2
हिमाचल प्रदेश	2	2	4

क्रमशः

जम्मू-कश्मीर	2	2	4
कर्नाटक	2	1	3
केरल	-	2	2
मध्यप्रदेश	1	-	1
मणिपुर	1	2	3
उड़ीसा	1	-	1
तमिलनाडु	-	4	4
उत्तरांचल	-	4	4
उत्तर प्रदेश	2	1	3
दिल्ली	1	4	5
योग	**21**	**25**	**46**

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आई-डेपा) : नीपा में 1985 से हर वर्ष विकासशील देशों के शिक्षाकर्मियों के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन में छः माह का एक अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 17 वां आई-डेपा कार्यक्रम 1 फरवरी, 2001 को शुरू होकर 31 जुलाई, 2001 को पूरा हुआ। 18वां आई-डेपा कार्यक्रम 1 फरवरी, 2002 को शुरू हुआ।

तालिका VI

17वें और 18वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	*17वां डिप्लोमा*	*18वां डिप्लोमा*	*योग*
1. बांग्लादेश	1	-	1
2. भूटान	-	1	1
3. बोत्सवाना	1	-	1
4. कंबोडिया	1	1	2
5. एल सलवाडोर	1	-	1
6. एरीट्रिया	6	1	7
7. इस्टोनिया	1	-	1
8. घाना	1	-	1
9. गुयाना	1	1	2
10. ईरान	1	-	1
11. इराक	1	-	1
12. आइवरी कोस्ट	1	-	1

क्रमशः

13. जार्डन	1	–	1
14. कजाकिस्तान	-	2	2
15. लाओ गणराज्य	-	1	1
16. मलेशिया	1	-	1
17. मारीशस	2	3	5
18. म्यांमार	4	2	6
19. नामीबिया	-	1	1
20. नाइजर	1	-	1
21. ओमान	-	1	1
22. पनामा	1	-	1
23. पपुआ न्यू गुयाना	-	2	2
24. फिलीपाइंस	1	-	1
25. सेशल्स	-	1	1
26. टोंगा	-	1	1
27. जांबिया (गणराज्य)	-	2	2
28. जिम्बाबवे	1	-	1
योग	**28**	**19**	**47**

पाठ्यक्रम की संरचना के दो प्रमुख घटक थे : (अ) पहला चरण जो नीपा में तीन माह के गहन पाठ्यचर्यात्मक कार्य पर आधारित था, और (ब) भागीदार के अपने प्रयास से उसी के देश में तीन माह की क्षेत्र अनुसंधान परियोजना। कार्यक्रम के पद्धतिशास्त्र में सिद्धांत और व्यवहार के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जाता है। इसमें मोटे तौर पर व्याख्या और विचार-विमर्श, अनुकरण और व्यावहारिक कार्य, भूमिका निर्वाह, केसों पर बहस, प्रबंध कार्याभ्यास, खोजी सम्मेलन, प्रदर्शन और सामूहिक विचार-विमर्श शामिल हैं। इसके अलावा भागीदारों को प्रोत्साहन देने के लिए पैनल विचार-विमर्श और भागीदारों की संगोष्ठियां इस पाठ्यक्रम की पद्धति की प्रमुख विशेषताएं हैं। कार्यक्रम में व्यष्टिगत स्तर पर अकादमिक कार्यों, शैक्षिक/सांस्कृतिक क्षेत्र-भ्रमण, शैक्षिक संबद्धताओं और समृद्धकारी व्याख्यानों पर भी जोर दिया जाता है। पूरे कार्यक्रम में अन्य प्रमुख क्षेत्रों के अलावा, व्यष्टिगत स्तर पर क्षेत्रीय शैक्षिक संबद्धताएं आई-डेपा के भागीदारों के कार्यों का एक प्रमुख घटक है। इन संबद्धताओं में दिल्ली और दिल्ली के बाहर की उच्च स्तरीय संस्थाओं के दौरे और उनसे संबद्धता शामिल थे। इस वर्ष क्षेत्रीय संबद्धता के अंतर्गत राजस्थान और महाराष्ट्र के विभिन्न शिक्षा संस्थानों के दौरे किए गए। ऐसे हर दौरे के बाद पहले से मनोनीत एक भागीदार/क्षेत्र सलाहकार ने एक संस्था विशेष को शैक्षिक भ्रमण पर एक रिपोर्ट पेश की।

17 वें और 18 वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में विकासशील देशों से कुल 47 भागीदार शामिल हुए। देशवार भागीदार तालिका VI में दिखाई गई है।

विद्यालय-प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन

नीपा ने विद्यालय प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन पर तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एक कार्यशाला तथा एक बैठक आयोजित की। इन कार्यक्रमों में 235 विद्यालय प्रमुखों तथा अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन

नीपा ने उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, दो कार्यशालाएं, दो संगोष्ठियां, एक सम्मेलन तथा छह राष्ट्रीय स्तर की बैठकें आयोजित की। इन कार्यक्रमों में उच्च शिक्षा के 487 विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टिस्तरीय योजना

समीक्षाधीन वर्ष में नीपा ने विद्यालय मानचित्रण और व्यष्टिस्तरीय योजना पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें राज्य, केन्द्रीय तथा जिला स्तर के 91 अधिकारी शामिल हुए।

शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन

शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन के क्षेत्र में नीपा ने एक कार्यशाला तथा दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें 74 भागीदारों ने प्रतिभाग किया।

जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थानों और राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों की योजना और प्रबंधन

नीपा ने जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की योजना और प्रबंधन पर दो अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम, तथा एक बैठक आयोजित की। इन कार्यक्रमों में जि. शि.प्र.सं. तथा रा.शै.अ.प्र.प. के 60 अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

शिक्षा में मात्रात्मक शोध की विधियां

नीपा ने शिक्षा में मात्रात्मक शोध की विधि पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 23 अधिकारी शामिल हुए।

विद्यालय तथा डाइट पुस्तकालयों की योजना तथा प्रबंधन

नीपा ने विद्यालय तथा डाइट पुस्तकालयों की योजना तथा प्रबंधन में दो अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें उत्तरांचल के 54 पुस्तकालयाध्यक्षों ने भाग लिया।

डाइस / ई.एम.आई.एस. / डी.पी.ई.पी.कार्यक्रम

नीपा ने डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. पर सात कार्यशालाएं और एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिनमें 126 भागीदार शामिल हुए।

आइडेपा के अतिरिक्त अन्य दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

नीपा ने भूटान सरकार के अधिकारियों के लिये ई.सी.सी.ई. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु शैशवकालीन शिक्षा नीति तथा योजना पर प्रशिक्षण माड्यूल के विकास हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। श्रीलंका के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों तथा शिक्षा अधिकारियों के लिए विद्यालय पर्यवेक्षण तथा प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नीपा ने आई. आई. ई. पी. तथा यूनेस्को, पेरिस के सहयोग से दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना तथा अनुश्रवण पर यूनेस्को की उप क्षेत्रीय अभिविन्यास कार्यक्रम तथा कार्यशाला आयोजित की। इसके अतिरिक्त राष्ट्रमंडल अध्ययन संस्थान के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय परामर्श बैठक आयोजित की गई। इन कार्यक्रमों में भारत सहित विदेश के 72 अधिकारियों ने भाग लिया।

अन्य कार्यक्रम

नीपा ने निम्नांकित विषयों पर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए : विशेष शिक्षा की योजना तथा प्रबंधन, शैक्षिक प्रशासकों के अभिविन्यास के लिए क्षेत्रों की पहचान करना; परियोजना की योजना तथा अनुश्रवण व्यवस्था पर प्रशिक्षण कार्यक्रम; भारत में साक्षरता विकास और जनगणना - 2001 पर संगोष्ठी; विकेंद्रीकरण की नीति और उसके प्रभाव पर कार्यशाला; प्राथमिक शिक्षा में अर्द्ध-शिक्षक - समीक्षा तथा अनुभव पर राष्ट्रीय सम्मेलन; प्रारंभिक शिक्षा की योजना के संकेतकों के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम। इन कार्यक्रमों में ज़िला, राज्य, राष्ट्र स्तर, तथा विश्वविद्यालयों के कार्मिकों व गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों समेत 245 विशेषज्ञों ने भाग लिया।

अध्याय 3

अनुसंधान

अनुसंधान

नीपा शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन को संचालित करने, सहायता देने, प्रोत्साहन देने और उसका समन्वय करने संबंधी कार्यों में सक्रिय रूप से संलग्न है। संस्थन में अनुसंधान की प्रकृति बहुशास्त्रीय होती है और इसमें शैक्षिक योजना और प्रशासन के सिद्धांतों, नीतियों, प्रासंगिक विधियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं पर विशेष बल दिया जाता है।

नीपा द्वारा संकाय को शोध परियोजनाओं के लिए धन देकर, दूसरे संगठनों से शोध परियोजनाएं लेकर तथा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में शोध के लिए विशेषज्ञों और संस्थाओं को वित्तीय सहायता देकर अनुसंधान को प्रोत्साहन दिया जाता है।

नीपा द्वारा आयोजित और सहायता प्राप्त अनुसंधान में सैद्धांतिक और अनुभवाश्रित मुद्दों का समन्वय होता है। संस्थान के शोधकार्यों, नीतियों और योजनाओं के निरूपण के लिए निरंतर ठोस अनुभवाश्रित और वैश्लेषणिक आधार तैयार करने के प्रयास किए जाते हैं। प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों के लिए भी महत्वपूर्ण सामग्री प्रदान की जाती है।

पूरे किये गये अध्ययन

1. भारत में माध्यमिक शिक्षा का विधिक प्रबंधन : प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल
2. राज्यों में शिक्षा अनुदान के अधिनियम और विद्यालयों के कार्यनिष्पादन : माध्यमिक स्तर पर गुणवत्ता सुधार कार्यनीतियों का विकास, डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय
3. जिला स्तर पर अनौपचारिक शिक्षा की योजना और आकलन की वर्तमान कार्यविधि की प्रासंगिकता और स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए यूनेस्को, पेरिस समर्थित अध्ययन, डा. वाई पी अग्रवाल
4. यूनेस्को प्रायोजित अध्ययन- भारत के लिए समान संयुक्त राष्ट्र आंकड़ाआधार का अद्यतन, डा. अरुण सी. मेहता
5. माध्यमिक शिक्षा का वित्त पोषण : सहायता अनुदान नीति - नौ राज्यों का अध्ययन, डा. जे. बी. जी. तिलक
6. अध्यापक संबंधी मुद्दों और चुनौतियों का प्रबंधन - कर्नाटक और मध्यप्रदेश का तुलनात्मक अध्ययन, डा. बी. के. पांडा

7. युनेस्को प्रायोजित अध्ययन— जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (चरण- III) - कार्य योजना-2001-02 डा. वाई.पी. अग्रवाल

8. यूनेस्को प्रायोजित अध्ययन—भारत में प्रारंभिक शिक्षा के लिए ई. एम. आई. एस. का मजबूतीकरण, डा. वाई.पी. अग्रवाल

9. अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान द्वारा प्रायोजित अध्ययन— मुबई महानगर में सबके लिए प्राथमिक शिक्षा : स्थानीय कार्यकर्ताओं की चुनौतियां , डा.(श्रीमती) नलिनी जुनेजा

10. प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण पर पुस्तिका की तैयारी, यूनेस्को प्रायोजित, डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय (यूनेस्को द्वारा प्रायोजित)

11. ग्राम शिक्षा समितियों के प्रशिक्षण माड्यूलों की विषयवस्तु का विश्लेषण : सात डी. पी. ई. पी राज्यों का तुलनात्मक अध्ययन, डा. (श्रीमती) प्रमिला मेनन

12. उत्तरांचल के बेसिक शिक्षा अधिकारियों और डाइट प्राचार्यों के शैक्षिक योजना और प्रबंधन संबधी कार्यकलापों का निदानात्मक अध्ययन, डा. आर. एस. त्यागी

13. इंदौर और नागपुर महानगरों में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण की लक्ष्य प्राप्ति की कार्यनीतियों का अध्ययन, डा. (श्रीमती)नलिनी जुनेजा

14. .माध्यमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन : आवश्यकता आकलन पर एक शोध परियोजना अध्ययन, डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय

जारी/स्वीकृत अध्ययन

1. आई.आई.ई.पी., नीपा अध्ययन, भारत में माध्यमिक शिक्षा : माध्यमिक शिक्षा कार्यप्रणाली और कार्यकलाप, डा. (सुश्री) के. सुजाता, वरिष्ठ अध्येता

2. भारत में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी पहल और भूमिका एवं गैर-सरकारी संगठनों का योगदान, डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय

3. 'थारू' बच्चों की शिक्षा के कुछ मनोवैज्ञानिक आयाम, डा. आर. सी. मिश्रा, मनोविज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

अध्याय 4

प्रकाशन

नीपा में समसामयिक आलेखों, जर्नलों, न्यूजलेटरों, पुस्तकों और रिपोर्टों के माध्यम से शिक्षा के शोध और विकास के प्रचार-प्रसार के लिए एक सुनियोजित प्रकाशन कार्यक्रम है। संस्थान की कुछ पत्रिकाएं हैं — जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) और एंट्रीप न्यूज लेटर। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तकाकार में प्रकाशित की हैं। पिछले वर्ष से 'बैस्ट प्रैक्टिसेज इन हायर एजुकेशन' पर शृंखला का प्रकाशन आरंभ किया गया है। संस्थान विभिन्न राज्यों और संघीय क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन पर सर्वेक्षण रिपोर्टों की एक शृंखला प्रकाशित कर रहा है।

डी.टी.पी. सुविधाएं

संस्थान के डी.टी.पी. कार्य निष्पादन हेतु प्रकाशन एकक के पास डी.टी.पी. कार्य के लिए नवीनतम कंप्यूटर तथा प्रिंटर उपलब्ध हैं। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रकाशन प्रकाशित किए :

नीपा न्यूजलेटर

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान नीपा न्यूजलेटर के दो अंक - अप्रैल-जून, 2001 तथा जुलाई-सितंबर, 2001 प्रकाशित किए गए।

एंट्रीप न्यूजलेटर

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एंट्रीप (एशियन नेटवर्क ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) न्यूजलेटर के दो अंक - जनवरी-जून, 2001 तथा जुलाई-दिसंबर, 2001 प्रकाशित हुए।

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन

संस्थान जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन अंग्रेजी पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन कर रहा है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान जर्नल के पांच अंक प्रकाशित किए गए :

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (समूल्य) : जिल्द XIV, अंक 4, अक्तूबर, 2000; जिल्द XV, अंक 1 जनवरी, 2001; जिल्द XV, अंक 2, अप्रैल, 2001 तथा जिल्द XV, अंक 3, जुलाई, 2001 तथा जिल्द XV अंक 4, अक्तूबर, 2001

परिप्रेक्ष्य

संस्थान हिंदी जर्नल 'परिप्रेक्ष्य' का भी प्रकाशित करता है तथा समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत परिप्रेक्ष्य के तीन अंक निकाले गए। जिल्द VII, अंक 1 तथा 2, अप्रैल-अगस्त, 2000 तथा जिल्द VII अंक 3, दिसंबर, 2000

समसामयिक आलेख

यह संस्थान द्वारा शोध आलेखों पर प्रकाशित की जाने वाली एक शृंखला है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दो आलेख - *एजुकेशन फॉर ऑल इन इंडिया विद फोकस ऑन एलिमेन्ट्री एजुकेशन : करेन्ट स्टेट्स, रीसेंट इनिशिएटिव एंड फ्यूचर प्रासपेक्टस तथा फायनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया इन दी पोस्ट रिफार्म पीरियड : फोकस ऑन अक्सेस एंड इक्विटी* प्रकाशित किए गए।

बेस्ट प्रैक्टिसेस

विभिन्न उच्च व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किए गए नवाचारों की पहचान करके इन्हें उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रसारित करने के लिए इसका प्रकाशन किया जाता है ताकि वे अपने यहां इन नवाचारों को अपनाने के लिए प्रयास करें और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सतत सुधार कर सकें। संस्थान ने *बेस्ट प्रैक्टिसेस इन एजुकेशन : एडमिशन पालिसी एंड प्रैक्टिस : फार इक्विटी, एक्सेस एंड क्वालिटी* को प्रकाशित किया। पहले से ही प्रकाशित *बेस्ट प्रैक्टिसेस इन एजुकेशन : इंटीग्रल एजुकेशन : ए मिशन टू इंटीग्रेट वेल्यूज इन एजुकेशन* का इस वर्ष पुन: मुद्रण भी किया गया।

नीपा प्रकाशन (समूल्य)

1. इनवेस्टमेंट पालिसीज एंड कास्ट अनालिसिस - एन. वी. वर्गीज़ तथा अरुण सी मेहता
2. टोटल क्वालिटी मैनेजमैन्ट इन एजुकेशन - मर्मर मुखोपाध्याय (पुन: मुद्रण)
3. शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (टी. क्यू. एम का हिंदी रूपांतर) मर्मर मुखोपाध्याय
4. एजुकेशन पालिसीज इन इंडिया : एनालिसीस एंड रिव्यू आफ प्रामिस एंड परफारमेन्स (सुधा राव द्वारा संपादित)
5. गर्वनेन्स आफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, मर्मर मुखोपाध्याय तथा आर. एस. त्यागी (सं)

नीपा प्रकाशन (नि:शुल्क)

1. वैल्यू एजुकेशन : ए सलेक्टेड बिबलियोग्राफी (सं. 5 नीपा प्रलेखन केंद्र), दीपक मकोल
2. ई. एफ. ए. : ड्राफ्ट प्लान आफ एक्शन - उप-क्षेत्रीय मंत्री स्तर की समीक्षा बैठक के लिए अखिल भारतीय रिपोर्ट, काठमांडू (मा. सं. वि. मंत्रालय के लिए नीपा द्वारा प्रकाशित)
3. डवलपमेंट सिन्स डकार (ई. एफ. ए.) इंडिया कंट्री पेपर फार E-9, मंत्री स्तर की समीक्षा बैठक, बीजींग, चीन (मा. सं. वि. मंत्रालय के लिए नीपा द्वारा प्रकाशित)
4. फोकस सेकेन्डरी एजुकेशन : रिपोर्ट आफ दी नेशनल कान्फ्रेंस (14-16 फरवरी 2001)
5. बेस्ट प्रैक्टिसेस इन हायर एजुकेशन : एडमिशन पालिसी एंड प्रैक्टिस - फार इक्विटी, एक्सेस एंड क्वालिटी - सुधा राव (सं)
6. क्वालिटी प्रोफाइल्स आफ सेकेंडरी स्कूल्स - सुदेश मुखोपाध्याय तथा अनिल कुमार. के
7. एजुकेशनल रिसर्च इन नार्थ इस्ट इंडिया : ए सोर्स मैटिरियल, निर्मल मल्होत्रा तथा प्रतिभा मित्तल

निजी प्रकाशकों के सहयोग से प्रकाशित पुस्तकें (समूल्य)

1. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन वेस्ट बंगाल : स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसेज़ एंड फ्यूचर प्रासपेक्टस, मंजू नरूला तथा श्रीलेखा मजूमदार
2. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन तमिलनाडु : स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसेज़ एंड फ्यूचर प्रासपेक्टस, आर. एस. त्यागी तथा एस. परमशिवम
3. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन गुजरात : स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसज़ एंड फ्यूचर प्रासपेक्टस, आर.एस. त्यागी, श्रीलेखा मजूमदार तथा आर.के. चौधरी
4. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन महाराष्ट्र : स्ट्रक्चर्स प्रोसेराज़ एंड फ्यूचर प्रासपेक्टस

इस शृंखला में प्रत्येक पुस्तक न केवल राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों से संग्रहित प्राथमिक सूचना आंकड़ों बल्कि द्वितीयक सूचना स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित हैं। ये पुस्तकें विद्यालय शिक्षा के प्रशासन पर विशेष बल देते हुए संस्थान से लेकर राज्य/संघ शासित स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत करती हैं।

शृंखला के अंतर्गत प्रकाशित पुस्तकें शैक्षिक योजना और प्रशासन की कार्यप्रणालियों का सूक्ष्म विश्लेषण करती हैं और साथ ही शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिए भविष्य में चुनौतियों तथा प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव प्रस्तुत करती हैं।

ये पुस्तकें अनुसंधानकर्त्ताओं, शिक्षाविदों, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों एवं शिक्षा के विकास में रुचि रखने वालों के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री प्रदान करती हैं।

प्रेस में

1. एनहानसिंग दि अकादमिक रोल आफ बोर्ड आफ स्कूल एजुकेशन - सुदेश मुखोपाध्याय (सं)
2. सेकेण्डरी एजुकेशन : चैलेंजज अहेड, (सं.) मर्मर मुखोपाध्याय तथा मंजू नरूला (समूल्य)
3. जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द XVI, अंक 1, जनवरी 2002 (समूल्य)
4. परिप्रेक्ष्य (हिंदी जर्नल) जिल्द VIII, अंक 1 तथा 2, अप्रैल-अगस्त 2001
5. बेस्ट प्रैक्टिसेस इन हायर एजूकेशन-च्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम
6. स्कूल मैपिंग : एन एनालिसिस आफ एजुकेशन फैसीलिटीज इन ढेंकेनाल, जिला उड़ीसा, द्वारा एन. वी. वर्गीज तथा के. बिस्वाल (समूल्य)
7. डाइस 2001: ए यूजर्स मैनुअल

प्रकाशित मिमियोग्राफ

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इसके अतिरिक्त संस्थान ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों, समसामयिक आलेखों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों /संगोष्ठियों की रिपोर्टें/ प्रशिक्षण सामग्री/मिमियोग्राफ/ जीरोक्स के रूप में प्रकाशित किए।

अध्याय 5

पुस्तकालय / प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली

पुस्तकालय / प्रलेखन केंद्र

संस्थान में शैक्षिक योजना, प्रशासन और शैक्षिक विषयों पर एक समृद्ध पुस्तकालय तथा प्रलेखन केंद्र है। इसे एशिया क्षेत्र में शैक्षिक योजना और प्रबंध के क्षेत्र में सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में शामिल किया जा सकता है। इससे केवल संकाय, शोधछात्रों और विभिन्न कार्यक्रमों के भागीदारों की ही जरूरतें पूरी नहीं होती बल्कि अंतरपुस्तकालय ऋण व्यवस्था के माध्यम से दूसरे संगठनों की जरूरतें भी पूरी होती हैं। यहां वाचनालय की सुविधाएं सभी के लिए उपलब्ध हैं।

समीक्षित काल में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में 1001 पुस्तकों और दस्तावेजों की वृद्धि हुई। इस समय पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, यूनेस्को आर्थिक सहयोग-विकास संगठन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, यूनिसेफ, विश्व बैंक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों इत्यादि के अलावा 55,016 पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह भी है।

पत्रिकाएं

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंध और दूसरे संबद्ध विषयों की 347 पत्रिकाएं आती हैं। इन पत्रिकाओं में प्रकाशित सभी महत्वपूर्ण लेखों की सूची तैयार की जाती है। समीक्षित काल में इन पत्रिकाओं से 1989 लेखों की सूची तैयार की गई।

समाचार पत्रों की कतरनें

पुस्तकें और पत्रिकाओं के अलावा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आने वाले 25 समाचार पत्रों से शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी समाचार और अन्य सामग्री की कतरनों का एक विशेष संग्रह भी रखा जाता है।

समसामयिक ज्ञान सेवा

शिक्षा संबंधी पत्र पत्रिकाएं : हर पखवाड़े में आने वाली शैक्षिक पत्रिकाओं के लेखों के बारे में पाठकों को जानकारी देते रहने के लिये पुस्तकालय ने अपना पाक्षिक अनुलेखित प्रकाशन – *पीरियाडिकल्स आनएजुकेशन : टाइटिल्स रिसीव्ड एंड दियर कंटेंट* का प्रकाशन जारी रखा।

नीपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र की प्राप्तियां

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाले प्रकाशनों की कंप्यूटर से मासिक सूचियां भी तैयार की जाती हैं ताकि इससे पाठकों को उनकी रुचि के दस्तावेजों, लेखों और नई सामग्रियों की जानकारी मिलती रहे।

सूचनाओं का चुनिंदा प्रसारण

पुस्तकालय ने संस्थान के अकादमिक एककों और शोध-परियोजनाओं के अध्ययन दलों को नई सूचनाएं उपलब्ध कराई ताकि वे उसका उपयेाग कर सकें।

संदर्भ-सूची

इस अवधि में पुस्तकालय ने संस्थान के विभिन्न कार्यकलापों के लिए 200 संदर्भ सूचियां तैयार कीं।

अमुद्रित सामग्री

यह पुस्तकालय एक बहुमाध्यमी संसाधन केंद्र है। इसमें वीडियों कैसेटों, आडियो कैसेटों, फिल्मों, माइक्रो फिल्मों और माइक्रोफिंचों का एक संग्रह भी मौजूद हैं। इस समय यहां 6 फिल्में, 76 वीडियो कैसेट, 84 आडियो कैसेट, 54 माइक्रोफिल्में और 110 माइक्रोफिंच हैं।

सी डी रोम डाटाबेस

1. एरिक 1985 - जून 2001
2. यूनेस्को : वर्ड डाटा आन एजुकेशन का 1998 द्वितीय संस्करण
3. फिफ्टी ईयर्स आफ इंडियन एजुकेशन, मा.स.वि.मं.
4. इनोवेटिव डाटा
5. एजुकेशन एट ए ग्लांस 1999
6. ग्लोबल डवलपमेंट फायनेंस 2000
7. सेंसस आफ इंडिया 1991
8. वर्ल्ड डवलपमेंट इंडिकेटर्स 2000
9. यू.एन. स्टैटिस्टिक्स ईयर बुक (अंक 39)
10. वुमेन इंडिकेटर्स एण्ड स्टैटिस्टिक्स डाटाबेस संस्करण 3
11. वर्ल्ड डवलपमेंट रिपोर्ट : 1978-1999/2000
12. चाइनीज यूनिवर्सिटीज एण्ड कालेजेज
13. सिटी एण्ड गिल्ड्स प्रोटेक्ट सी डी

14. फार द लव आफ लर्निंग
15. डाइस 2001
16. पी सी क्वेस्ट सी डी
17. चिप सी डी
18. डाटा क्वेस्ट सी डी

पुस्तकालय वेबसाइट

पुस्तकालय ने अपना वेबसाइट आरंभ किया है : http://niepalib.freeeyellow.com. इसमें निम्नांकित सूचनाएं संकलित हैं :

1. नीपा का परिचय
2. पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र का परिचय
3. भारतीय शिक्षा : भारतीय शिक्षा पर पुस्तकों और प्रलेखनों की सूचना
4. नीपा शोध अध्ययन
5. एजुकेशन फाइल : 25 समाचार पत्रों से भारतीय शिक्षा की खबरें
6. मासिक सूचना संदर्भ : भारतीय शिक्षा के विविध पक्षों पर सूचना
7. जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन : आलेखों का सार-संक्षेप (नीपा जर्नल)
8. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम : केंद्र और राज्य स्तर पर तैयार दस्तावेजों के बारे में सूचना
9. नया संकलन : पुस्तकालय सें संगृहीत नई पुस्तकें और जर्नलों के आलेखों की सूची।

पुस्तकालयों का नेटवर्किंग

नीपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र ने 1995 में दिल्ली लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) की सदस्यता ग्रहण की। इससे निम्नलिखित सुविधाएं प्राप्त हुईं :

(अ) **फोन पर संपर्क** : दिल्ली के 246 पुस्तकालयों से फोन पर संबंध स्थापित हुआ। ये 246 पुस्तकालय भी नीपा पुस्तकालय के संग्रह के बारे में फोन पर जानकारी पा सकते हैं।

(ब) **ई-मेल सेवा** :

- दिल्ली की 246 संस्थानों से संपर्क।
- रेनिक (RENNIC) के माध्यम से देश के दूसरे भागों से संपर्क।
- विदेश संचार निगम लि. के माध्यम से इंटरनेट से संपर्क।

इन सुविधाओं के माध्यम सें नीपा संकाय सूचना आवश्यकताओं को तुरंत उपलब्ध कर सकता है।

लोकल एरिया नेटवर्क (लैन)

इस सुविधा के माध्यम से संकाय को पुस्तकालय की नवीन प्राप्तियों, शैक्षिक फाइल तथा अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सम्मेलनों की ऑन लाइन सुविधा प्राप्त होती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तरांचल में डाइट पुस्तकालयों की योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, (4-9 जून, 2001) आयोजित किया गया। इसमें कुल 28 प्रतिभागी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उत्तरांचल में विद्यालय पुस्तकालयों की योजना और प्रबंधन पर 19-24 नवंबर, 2001 के दौरान अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कुल 26 भागीदार शामिल हुए।

प्रलेखन केंद्र

संस्थान के कार्यक्रमों और विशेष रूप से राज्यों और संघीय क्षेत्रों की जरुरतों से जुड़े कार्यक्रमों को सूचना संबंधी एक कारगर आधार देने के लिए पुस्तकालय का प्रलेखन केंद्र शैक्षिक योजना और प्रशासन पर उन संदर्भ सामग्रियों का संग्रह करता हैं जो केंद्र, राज्यों, संघीय क्षेत्रों, शिक्षा विभागों, जिला अधिकारियों और शिक्षा संस्थाओं द्वारा प्रकाशित की जाती हैं। सूचनाओं के संग्रह, भंडारण और प्रसार पर यह केंद्र खास जोर देता है ताकि संस्थान सूचना प्रदाता के रूप में भूमिका निभा सके।

इस वर्ष केंद्र में 402 दस्तावेज शामिल किए गए। इस समय केंद्र के पास 21430 प्रलेख हैं। इनमें राज्यों के गजेटियर, राज्य जनगणनाओं की पुस्तिकाएं, शैक्षिक सर्वेक्षण, राज्यों की शैक्षिक योजनाएं, पंचवर्षीय योजनाएं, बजट, राज्य विश्वविद्यालयों की हस्तपुस्तिकाएं, बुनियादी स्रोतग्रंथ और संदर्भ-सूचियां, समाचार पत्रों की कतरनें, राज्यों की शैक्षिक आचार संहिताएं, नियम और विनियम, तकनीकी-आर्थिक और प्रतिदर्शी सर्वेक्षण, जिलों के गजेटियर, जिला जनगणनाओं की पुस्तिकाएं, वार्षिक योजनाएं, शैक्षिक योजनाएं, जिला साख योजनाएं, जिलों के प्रतिदर्शी सर्वेक्षण, जिलों के शैक्षिक सर्वेक्षण, जिलों की सांख्यिकीय हस्तपुस्तिकाएं, गांव और प्रखंड स्तर की योजनाएं और अध्ययन, शोधों और परियोजनाओं की रिपोर्टें, संसाधन अध्ययन कोश, तकनीकी-आर्थिक सर्वेक्षण, जि. प्रा. शि. कार्यक्रम की योजनाएं और अध्ययन तथा विश्वविद्यालयों के शोध प्रबंध शामिल हैं।

प्रलेखन केंद्र में संदर्भ सेवा भी उपलब्ध है जिसमें नीपा के निम्नलिखित 9 संग्रह भी संदर्भ प्रयोजन के लिए उपलब्ध हैं :

(1) नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रिपोर्टें : 1962 से 2001 तक

(2) विषयवार शोध प्रबंधन : शैक्षिक योजना और प्रशासन का डिप्लोमा 1982-2001

(3) नीपा के अनुसंधान अध्ययनों की विषयवार सूची : 2002

(4) शोध प्रबंधों की विषयवार सूची : शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा 1980-2000

(5) जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना, मार्च 2001 : संदर्भिका

(6) विश्वविद्यालय शोध ग्रंथों की विषयवार सूची

(7) शैक्षिक फाइल : पाठ्यचर्या सुधार पर विशेष अंक

(8) शैक्षिक फाइल : शिक्षा के मूलभूत अधिकार पर विशेष अंक

(9) शैक्षिक फाइल : विश्वव्यापार संगठन पर विशेष अंक

केंद्र पाठकों की सुविधा के लिए 25 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्र मंगाता है। इसके अतिरिक्त देश तथा राज्यों के तथा क्षेत्रीय समाचार पत्रों से मासिक शिक्षा समाचारों का संकलन कर प्रलेखन केंद्र के अध्ययन हेतु संग्रहीत किया जाता है।

प्रलेखन केंद्र की सामग्री केवल संदर्भ सेवा के लिए है। नीपा के संकाय, शोधकर्ता स्टाफ और प्रशिक्षार्थी ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों के शोधछात्र भी इसका व्यापक और कारगर उपयोग करते हैं। इस वर्ष 1495 विद्वानों ने केंद्र की सेवाओं का उपयोग किया।

मानचित्र कक्ष

मानचित्र कक्ष मानचित्रों, ग्राफ, डिस्पले चार्ट के माध्यम से आंकड़ा प्रस्तुति की नयी विधियां तथा प्रकार विकसित करता रहता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए प्रमाण-पत्र तथा तालिकाएं भी तैयार करता है। यह विभिन्न परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर ग्राफिक्स की सुविधा भी उपलब्ध कराता है।

इस कक्ष में विभिन्न प्रकाशनों तथा पत्रिकाओं जैसे जेपा, परिपेक्ष्य, वार्षिक रिपोर्ट, शैक्षिक प्रशासन रिपोर्ट में चित्रों के माध्यम से योगदान दिया।

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधाएं तथा अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने में ही नहीं बल्कि राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

संस्थान के हिंदी कक्ष ने समीक्षित वर्ष में रोजमर्रा के कार्यों के अलावा अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए :

(1) हिंदी के प्रगामी प्रयोग की समीक्षा के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें आयोजित की गईं।

(2) हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये।

(3) हिंदी में निम्नलिखित का अनुवाद और उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया :

(i) वार्षिक रिपोर्ट : 2000-2001

(ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम : 2002-2003

(4) हिंदी दिवस का आयोजन : हिंदी दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

(i) 17 से 21 सितंबर, 2001 के दौरान पांच दिनों की हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें संस्थान के 26 अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

(ii) हिंदी प्रतियोगिताएं : हिंदी निबंध, टिप्पण तथा प्रारूपण, अनुवाद तथा टंकण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संस्थान के वर्ग 'घ' के कर्मचारियों के लिये हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(5) *गवर्नेन्स आफ स्कूल एजुकेशन* पुस्तक का अनुवाद पूर्ण किया गया।

(6) नीपा न्यूजलेटर के दो अंकों का हिंदी अनुवाद कर उन्हें प्रकाशन के लिये तैयार किया गया।

अध्याय 6

सूचना प्रौद्योगिकी समर्थन प्रणाली

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह सभी स्टाफ सदस्यों तथा प्रशिक्षुओं को कंप्यूटर सुविधाएं तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है। नेटवर्क संसाधन की सुलभता के लिए सभी संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को नेटवर्क प्वांइट उपलब्ध कराए गये हैं। नीपा डोमेन पर सभी संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को व्यक्तिगत ई-मेल सुविधा प्रदान की गई है। निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों को डायल-अप एक्सेस की सुविधा मुहैया कराई गई है। संस्थान के पास इंटरनेट तथा ई-मेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 128 के.बी.पी.एस. आई.एस.डी.एन. लाईन है। सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय को डैस्कटाप कंप्यूटर सुविधा दी गई है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती है।

कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रयोगशाला

नीपा अपनी दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम कंप्यूटर और प्रिंटरों से सुसज्जित है। संस्थान के सभी कमरे लोकल एरिया नेटवर्क (विंडो एन.टी. आपरेटिंग सिस्टम सहित) से जुड़ा हुआ है।

गतिविधियां

यह केंद्र अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर-अकादमिक एककों जैसे — पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

सेवाएं

नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भागीदारों, स्टाफ एवं संकाय सदस्यों के लिए कंप्यूटर केंद्र, परिकलन तथा नेटवर्क विस्तृत आंकड़ा विश्लेषण सेवाएं , नेटवर्क शेयरिंग, इंटरनेट तथा ई-मेल सुविधाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए केंद्र के पास मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण, परियोजना प्रबंधन तथा अन्य गतिविधियों के लिए विकसित सॉफ्टवेयर पैकेजों का संग्रह है। कंप्यूटर केंद्र प्रशिक्षार्थियों और प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से आरक्षित किया गया है तथा कार्य दिवस में लगातार बारह घण्टे खुला रहता है।

कंप्यूटर केंद्र में आधारभूत कंप्यूटर सुविधाएं निम्नांकित हैं :

- आई.बी.एम.ई. सीरीज सर्वर
- पेंटियम II, 266 एम.एच.जेड./128 एम.बी. रैम कॉम्पैक सर्वर
- 50 नॉड से अधिक पेंटियम II, 266 एम.एच.जेड., 32 एम.बी.रैम, 3.51 जी.बी. एच.डी. डी. कलर मॉनीटर

निम्नलिखित सॉफ्टवेयर पैकेज कार्यालय में प्रयोग के लिए उपलब्ध हैं :

- एस.पी.एस.एस. 10
- एम.एस. ऑफिस 2000
- एम.एस. फ्रंट पेज
- एम.एस. प्रोजेक्ट 2002
- अडोब फोटो डीलक्स
- ए.बी.बी.वाई.वाई. फाइन रीडर

साझा संसाधन

साझा संसाधनों के माध्यम से कंप्यूटर केंद्र निम्नांकित सुविधाएं प्रदान करता है। ये संसाधन हैं :

- एच.पी. 4000 एन लेजर प्रिंटर (बी/डब्ल्यू)
- एच.पी. लेजरजेट 4 एम. पी.
- एच.पी. ऑफिसजेट आर 65
- यूमैक्स पावर लुक - II इमेज तथा टैक्सट स्कैनर
- एच. पी 8200 सी. डी. राइटर

सुविधाएं

केंद्र आधुनिकतम परिकलन सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें आई. बी. एम. ई - सीरीज सर्वर तथा काम्पैक पेंटियम - II सर्वर है जो तीव्र गति के इंटरनेट से जुड़ा है। वर्तमान में आधारभूत सुविधाएं हैं :

- एनहांस्ड कैट 5 यू.टी.पी. केबलिंग
- हाई परफारमेंस सर्वर तथा क्लाइन्ट पी. सी. सहित केंद्रीकृत परिकलन सुविधाएं
- इंटरनेट तथा अन्य सेवाओं से अप-लिंक
- डीजल जेनरेटर
- 10 के.वी.ए. यू.पी.एस. (2 घंटे के बैक-अप के साथ)
- प्रिंट सरवर्स

अध्याय 7

संगठन, प्रशासन और वित्त

संगठनात्मक ढांचा

नीपा सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक पंजीकृत स्वायत्त संगठन है और भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से उसे वित्तीय सहायता-अनुदान प्राप्त होता है। नीपा के प्रमुख निकाय हैं : नीपा परिषद्, कार्यकारी समिति, वित्त समिति और योजना और कार्यक्रम समिति। संस्थान का निदेशक उसका प्रमुख कार्यकारी अधिकारी होता है और भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। उसकी सहायता संयुक्त निदेशक करता है। कुलसचिव कार्यालय का प्रमुख तथा पूरे प्रशासन का प्रभारी होता है।

परिषद्

संस्थान का शीर्ष निकाय परिषद् है। इसका प्रमुख अध्यक्ष होता है जिसे भारत सरकार मनोनीत करती है। नीपा का निदेशक परिषद् का उपाध्यक्ष होता है। राष्ट्रीय और प्रादेशिक शिक्षा व्यवस्थाओं के कार्यपालक और यशस्वी शिक्षाशास्त्री परिषद् के सदस्य होते हैं, जैसे-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष, भारत सरकार के चार सचिव (शिक्षा, वित्त, कार्मिक और योजना आयोग); राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का निदेशक; राज्यों और संघीय क्षेत्रों के छः शिक्षा सचिव और छः शिक्षा निदेशक; छः यशस्वी शिक्षाशास्त्री; नीपा कार्यकारी समिति के सभी सदस्य और नीपा संकाय के तीन सदस्य। नीपा का कुलसचिव परिषद् का सचिव होता है।

परिषद् का मुख्य कार्य संस्थान के उद्देश्यों और लक्ष्यों को आगे बढ़ाना और उसके कार्यकलापों का पर्यवेक्षण करना है।

31 मार्च, 2002 के अनुसार परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट I में दी गई है।

कार्यकारी समिति

संस्थान का निदेशक इसका पदेन अध्यक्ष होता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), वित्त मंत्रालय और योजना आयोग के सचिव, किसी एक राज्य का शिक्षा सचिव, एक यशस्वी शिक्षाशास्त्री, एक राज्य सरकार का निदेशक, शैक्षिक योजना और प्रबंध में सक्रिय एक राज्य शिक्षा संस्थान का निदेशक, नीपा का संयुक्त निदेशक, तथा नीपा परिषद् में शामिल तीन संकाय सदस्यों में से दो कार्यकारी समिति के सदस्य होते हैं। नीपा का कुलसचिव कार्यकारी समिति का सचिव होता है।

यह समिति संस्थान के मामलों और वित्तीय के प्रबंध के प्रति उत्तरदायी होती है और परिषद् की सभी शक्तियों के प्रयोग का अधिकार रखती है। 31 मार्च, 2002 के अनुसार कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट II में दी गई है।

वित्त समिति

वित्त समिति का गठन नीपा परिषद का अध्यक्ष करता है। इसमें संस्थान के निदेशक की पदेन अध्यक्षता में पांच सदस्य होते हैं। इसमें परिषद् के वित्तीय सलाहकार और वे सदस्य शामिल होते हैं जो अध्यक्ष द्वारा मनोनीत हों। नीपा का कुलसचिव वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है।

यह समिति खातों और बजट के अनुमानों की छानबीन करती है और व्यय के नए प्रस्तावों और दूसरे वित्तीय विषयों पर अपनी सिफारिशें देती है। 31 मार्च, 2002 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची पारिशिष्ट III में दी गई है।

योजना और कार्यक्रम समिति

नीपा निदेशक योजना और कार्यक्रम समिति का पदेन अध्यक्ष होता है। इसके अलावा संयुक्त निदेशक, नीपा के अकादमिक एककों के अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), योजना आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक-एक प्रतिनिधि, एक विश्वविद्यालय का कुलपति (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत); और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत छः शिक्षाशास्त्री/समाज वैज्ञानिक/प्रबंध विशेषज्ञ (जिनमें से दो महिलाओं/लड़कियों की शिक्षा, एक अनुसूचित जातियों/जनजातियों की शिक्षा और एक अल्पसंख्यकों की शिक्षा से संबद्ध हो) इस समिति के सदस्य होते हैं। 31 मार्च, 2002 के अनुसार इस समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट IV में दी गई है।

यह समिति संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करती हैं। समिति के मुख्य कार्य हैं : विभिन्न कार्यक्रमों को स्वीकृति देना और कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना, समीक्षा करना, दीर्घकालिक और अल्पकालिक अकादमिक परिप्रेक्ष्यों और योजनाओं का विकास करना, संस्थान द्वारा नियोजित अनुसंधान, प्रशिक्षण, प्रसार और परामर्शकारी कार्यक्रमों का वार्षिक समेकन करना, उनका अध्ययन करना तथा कमियों और प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करना।

संकाय परिषद्

समीक्षा समिति की संस्तुतियों और तद्पश्चात नीपा उच्चाधिकार समिति के निर्णय के अनुसार नीपा संकाय परिषद् की स्थापना की गई। इसके अध्यक्ष नीपा निदेशक हैं। संयुक्त निदेशक इसके उपाध्यक्ष हैं और सभी वरिष्ठ अध्येता, अध्येता, सह-अध्येता तथा पुस्तकालयाध्यक्ष इसके सदस्य है। कुलसचिव, सदस्य सचिव के रूप में कार्य करते हैं। इस परिषद् के मुख्य कार्य हैं : निदेशक द्वारा विभिन्न लाभार्थी वर्ग समूह, उनकी सोच, पुनर्निवेशन, आशाएं, परिवेश में परिवर्तन इत्यादि के बारे में संकाय की जानकारी देना; संकाय के कार्य-दबाव तथा मानकों के बारे में चर्चा करना, कार्यक्रमों, परियोजनाओं की समीक्षा, अनुभव तथा सुझाव

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No ....
Date ....

तथा भावी प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संस्थान के मुख्य कार्यक्रमों की समीक्षा तथा भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करना; परियोजना अनुभवों, विदेश भ्रमण, अनुसंधान इत्यादि पर संकाय सदस्यों द्वारा अपने अनुभवों की प्रस्तुतियां, क्षमता, प्रासंगिकता, सामग्री-विकास के लिये तंत्र-व्यवस्था पर चर्चा, विभिन्न समूहों की वार्षिक कार्य योजना की प्रस्तुति, समर्थनकारी आवश्यकताओं की पहचान करना; समस्याओं के निपटारे के लिये निर्णय लेना, संस्थान के विशिष्ट प्रबंधन पक्ष पर ध्यान देना; संस्थान के संकाय की प्रमुख गतिविधियों के संदर्भ में सुझाव देना, नीपा परिषद्, कार्यकारी समिति तथा अकादमिक समिति को पुनर्निवेशन प्रदान करना।

अकादमिक एकक

संस्थान का संकाय निम्नलिखित नौ अकादमिक एककों में विभाजित है : शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक नीति, विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रादेशिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय, और संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन। इन एककों के कार्यक्षेत्र और शैक्षिक प्राथमिकताओं का वर्णन अध्याय 1 में किया जा चुका है। इनमें शैक्षिक योजना और प्रादेशिक प्रणाली एकक को छोड़कर शेष सभी एककों के अध्यक्ष वरिष्ठ अध्येता हैं।

सभी अकादमिक एकक अपने-अपने क्षेत्र में पूरे दायित्व के साथ विकास और प्रशिक्षण, अनुसंधान संबंधी कार्य करते हैं और साथ ही अपेक्षित परामर्शकारी सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

कार्यबल और समितियां

निदेशक द्वारा विशेष कार्यक्रमों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है।

विभिन्न शोध परियोजनाओं में सलाह देने तथा उनकी प्रगति पर निगरानी रखने के लिए संबंधित विशेषज्ञों की शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं।

निदेशक की अध्यक्षता में गठित अनुसंधान अध्ययन सलाहकार मंडल शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अध्ययनों के लिए सहायता-योजना हेतु प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करता है। इसमें अन्य सदस्यों के अलावा अकादमिक एककों के अध्यक्ष भी सदस्य होते हैं। कुलसचिव इसका सदस्य सचिव होता है।

प्रशासनिक ढांचा

संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग-अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन, और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और समन्वय कक्ष हैं। अकादमिक प्रशासन और समन्वय कक्ष सीधे कुलसचिव को रिपोर्ट देते हैं। कुलसचिव के संपूर्ण प्रभार के अंतर्गत प्रशासनिक अधिकारी, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और प्रशिक्षण कक्ष के कामों की निगरानी करता हैं।

वित्त अधिकारी, वित्त और लेखा अनुभाग का प्रभारी होता है और कुलसचिव को रिपोर्ट देता है। 31 मार्च, 2002 के अनुसार संस्थान की कुल स्टाफ संख्या 181 थी। संस्थान के स्वीकृत स्टाफ का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :

संवर्ग पद	संख्या
संकाय	50
अकादमिक सहायता	14
प्रशासन, वित्त, अनुसचिवीय और अन्य तकनीकी स्टाफ	73
समूह घ	44
योग	**181**

स्टाफ में परिवर्तन

डा. मर्मर मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, नीपा ने दिनांक 6.11.2002 को संस्थान में संयुक्त निदेशक का पदभार ग्रहण किया।

वित्त

इस वर्ष संस्थान को 430.00 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ (इसमें गैर-योजना मद में 210.00 लाख और योजना मद में 220.00 लाख रुपये शामिल थे) जबकि 2000-2001 में 526.00 लाख रुपये (गैर-योजना में 201.00 लाख और योजना में 325.00 लाख रुपये) प्राप्त हुए थे। वर्ष के प्रारम्भ में संस्थान के पास 0.085 लाख रुपये (गैर-योजना में 0.059 लाख, योजना में 0.026 लाख रुपये) की राशि थी। इस साल कार्यालय और छात्रावास से 69.95 लाख रुपये की प्राप्ति हुई।

दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में संस्थान के पास 144.36 लाख रुपये की राशि थी और इस साल 144.98 लाख रुपयों की राशि प्राप्त हुई। इस साल प्रायोजित कार्यक्रमों और अध्ययनों पर कुल 149.39 लाख रुपये व्यय किए गए। वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा की विस्तृत रिपोर्ट परिशिष्ट VI में प्रस्तुत है।

अनुलग्नक I

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
डिप्लोमा कार्यक्रम				
राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
01.	05.0	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 21वां राष्ट्रीय डिप्लोमा, चरण II (पहले से जारी)	1 फरवरी-30 अप्रैल 2001 (30 दिन)	21
		चरण III	23-27 जुलाई 2000 (5 दिन)	
02.	05.7	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 22वां राष्ट्रीय डिप्लोमा चरण I और चरण II	1 नवंबर 2001 - 31 जनवरी 2002 (92 दिन) 1 फरवरी-30 अप्रैल 2002 (59 दिन)	25
	योग	**2**	**186 दिन**	**46**
अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
03.	08.0	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 17वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (चरण I-II) (पहले से जारी)	1 फरवरी - 30 अप्रैल 2001 (30 दिन) 1 मई - 30 जुलाई 2001 (91 दिन)	28
04.	08.3	शैक्षिक योजना और प्रशासन में 18वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (चरण-I)	1 फरवरी - 30 अप्रैल 2002 (59 दिन)	19
	योग	**2**	**180 दिन**	**47**

क्रम संख्या	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि तथा अवधि	भागीदारों की संख्या
शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी विषयवार कार्यक्रम				
विद्यालय प्रमुखों के प्रशिक्षण की योजना और प्रबंधन				
05.	05.3	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की भूमिका के रूपांतरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	2-3 मई, 2001 (2 दिन)	26
06.	05.4	एंट्रीप के सहयोग से प्रधानाध्यापकों की भूमिका पर संगोष्ठी	16-17 मई (2 दिन)	18
07.	02.2	व्यष्टि विश्लेषण तथा गुणवत्ता संकेतक - कार्यशाला	3 अगस्त (1 दिन)	14
08.	07.1	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए संस्थागत योजना तथा प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम	3-14 सितंबर (12 दिन)	37
09.	08.3	आंध्र प्रदेश आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (क्षेत्र आधारित - हैदराबाद)	3-6 अक्तूबर (4 दिन)	64
10.	02.3	असम के लिए शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (क्षेत्र आधारित - गुवाहाटी)	7-9 नवंबर (3 दिन)	76
योग		**6**	**24 दिन**	**235**
उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन				
11.	06.1	मा.सं.वि.मंत्रालय के सहयोग से दसवीं पंचवर्षीय योजना में उच्च शिक्षा के विकास पर कार्यशाला	26-27 अप्रैल, 2001 (2 दिन)	51
12.	02.1	मानवीय मूल्यों में शिक्षा तथा उच्च शिक्षा में जीवन कौशलों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला	24 मई, 2001 (1 दिन)	16
13.	04.1	शोध तथा इसके समकक्ष अनुसंधानों की गुणवत्ता पर राष्ट्रीय स्तर की चर्चा बैठक : वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की दिशाएं	28-29 जून (2 दिन)	20

क्रम संख्या	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि तथा अवधि	भागीदारों की संख्या
14.	06.2	राष्ट्रीय योग्यता फ्रेमवर्क पर कार्यशाला	25-26 जुलाई (2 दिन)	39
15.	06.3	शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर विश्व व्यापार संगठन के प्रस्तावों पर भारतीय प्रत्युत्तर पर तकनीकी समिति की बैठक	7 अगस्त (1 दिन)	7
16.	06.4	शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर विश्व व्यापार संगठन के प्रस्तावों पर भारतीय प्रत्युत्तर पर तकनीकी समिति की बैठक	20 अगस्त (1 दिन)	7
17.	06.5	विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत शिक्षा में व्यापार सेवाओं के विशेषज्ञों, राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्षों, कुलपतियों की राष्ट्र स्तरीय बैठक	11 सितंबर (1 दिन)	60
18.	06.6	एन.क्यू.एफ. के क्रियान्वयन पर संस्तुतियों के प्रारूप हेतु नीति तैयार करने के लिये कार्यशाला	27 सितंबर (1 दिन)	12
19.	06.7	सं.राज्य अमेरिका तथा न्यूजीलैंड के प्रस्तावों पर चर्चा करने हेतु चौथी तकनीकी बैठक	4 अक्तूबर (1 दिन)	7
20.	02.4	भूमंडलीकरण तथा शिक्षा की चुनौतियां पर सम्मेलन	18-20 दिसंबर (3 दिन)	166
21.	04.3	तुंगा महाविद्यालय, तिरथाली, शिमोगा कर्नाटक में उच्च शिक्षा के नए आयाम पर कार्यक्रम(क्षेत्र आधारित)	19-21 जनवरी 2002 (3 दिन)	74
22.	04.4	विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में स्व-वित्त पोषित पाठ्यक्रमों पर कार्यशाला	25-26 फरवरी (2 दिन)	28
	योग	12	20 दिन	487

क्रम संख्या	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि तथा अवधि	भागीदारों की संख्या
विद्यालय मानचित्रण तथा व्यष्टि स्तरीय योजना				
23.	01.2	विद्यालय मानचित्रण तथा व्यष्टि योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 अक्तूबर - 2 नवंबर 2001	34
24.	01.3	विद्यालय मानचित्रण तथा शिक्षा में व्यष्टि योजना पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (क्षेत्र आधारित - कर्नाटक)	18-22 दिसंबर (5 दिन)	57
	योग	**2**	**10 दिन**	**91**
शैक्षिक वित्त की योजना तथा प्रबंधन				
25.	03.1	शैक्षिक वित्त के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम	27-31 अगस्त, 2001 (5 दिन)	19
26.	03.2	विश्वविद्यालय वित्त के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम	5-9 नवंबर (5 दिन)	34
27.	03.3	छात्रऋण पर कार्यशालाएं	28 नवंबर (1 दिन)	21
	योग	**3**	**11 दिन**	**74**
डाइट और एस सी ई आर टी की योजना और प्रबंधन				
28.	08.1	विद्यालय प्रमुखों की क्षमता निर्माण पर बैठक: डी.एस.सी.ई.आर.टी., कर्नाटक के सहयोग से नेटवर्क का विकास (क्षेत्र आधारित - बंगलौर)	16-17 अप्रैल, 2001 (2 दिन)	6
29.	07.3	उत्तरांचल में डाइट संकाय तथा क्षेत्र स्तर अधिकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (क्षेत्र आधारित - नैनीताल)	15-19 अक्तूबर (5 दिन)	28
30.	07.4	डाइट संकाय के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-21 दिसंबर (12 दिन)	26
	योग	**3**	**19 दिन**	**60**

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
शिक्षा में मात्रात्मक अनुसंधान की विधियां				
31.	09.5	शिक्षा में निर्णय समर्थन सेवा पर मात्रात्मक विधि पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-29 जून, 2001 (12 दिन)	11
32.	01.1	शैक्षिक योजना में मात्रात्मक तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	3-12 अक्तूबर, 2001 (10 दिन)	12
	योग	**2**	**22 दिन**	**23**
विद्यालय तथा डाइट पुस्तकाध्यक्षों की योजना और प्रबंधन				
33.	10.1	उत्तरांचल के जिला पुस्तकालयों तथा डाइट की योजना तथा प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम (क्षेत्र आधारित - नैनीताल)	4-9 जून, 2001 (6 दिन)	28
34.	10.2	उत्तरांचल के माध्यमिक विद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए योजना तथा प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम	19-24 नवंबर (6 दिन)	26
	योग	**2**	**12 दिन**	**54**
डाइस/ई.एम.आई.एस./डी.पी.ई.पी. कार्यक्रम				
35.	09.1	डाइस के प्रतिदर्श वैधीकरण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम (क्षेत्र आधारित - चेन्नई)	18 अप्रैल, 2001 (1 दिन)	12
36.	09.2	संशोधित डाइस साफ्टवेयर के क्रियान्वयन पर कार्यशाला	28-31 मई (3 दिन)	7
37.	09.3	संशोधित डाइस साफ्टवेयर के क्रियान्वयन पर कार्यशाला	6-8 जून (3 दिन)	6
38.	09.4	डी.पी.ई.पी. बिहार के सहयोग से संशोधित डाइस साफ्टवेयर के क्रियान्वयन पर कार्यक्रम	13-16 जून (4 दिन)	17
39.	09.6	संशोधित डाइस साफ्टवेयर के क्रियान्वयन पर कार्यशाला	19-22 जून (4 दिन)	17

40.	09.8	एम.आई.एस. पर राष्ट्रीय कार्यशाला (क्षेत्र आधारित - मुंबई)	15-16 अक्तूबर (2 दिन)	37
41.	09.9	उत्तर क्षेत्रीय समीक्षा कार्यशाला डाइस - 2001	7-8 फरवरी, 2002 (2 दिन)	15
42.	09.10	पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशाला डाइस - 2001 (कोलकाता)	13-14 फरवरी, 2002 (2 दिन)	15
	योग	**8**	**21 दिन**	**126**
आइडेपा के अलावा अन्य अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम				
43.	05.1	भूटान सरकार के अधिकारियों के लिए ई.सी.सी.ई. पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'आरंभिक शैशवकालीन शिक्षा : नीति तथा योजना' पर प्रशिक्षण माड्यूल	18 अप्रैल, 2001 (1 दिन)	7
44.	05.2	राष्ट्रमंडल अध्ययन संस्थान के सहयोग से बेसिक शिक्षा के व्यावसायिक नेटवर्क पर परामर्शकारी बैठक	27-28 अप्रैल (2 दिन)	9
45.	08.2	श्रीलंका के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों तथा शैक्षिक अधिकारियों के लिए विद्यालय पर्यवेक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	10-28 सितंबर (19 दिन)	25
46.	05.6	आई.आई.ई.पी. तथा यूनेस्को, पेरिस के सहयोग से दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना तथा अनुश्रवण पर यूनेस्को उप क्षेत्रीय अभिविन्यास तथा प्रशिक्षण कार्यशाला	22 अक्तूबर - 3 नवंबर (13 दिन)	31
	योग	**4**	**35 दिन**	**72**
अन्य				
47.	05.5	विशेष शिक्षा की योजना तथा प्रबंधन : शैक्षिक प्रशासकों के अभिविन्यास के लिए क्षेत्रों की पहचान (क्षेत्र आधारित - कोयम्बटूर)	2-4 अगस्त 2001 (3 दिन)	27

क्रम संख्या	*एकक कोड*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तिथि तथा अवधि*	*भागीदारों की संख्या*
48.	09.7	परियोजना योजना तथा अनुश्रवण व्यवस्था पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	6-10 अगस्त (5 दिन)	24
49.	07.2	भारत में साक्षरता का विकास पर संगोष्ठी, जनगणना - 2001	5 अक्तूबर (1 दिन)	58
50.	04.2	विकेंद्रीकरण की नीति तथा इसके प्रभाव पर कार्यशाला	5-7 दिसंबर (3 दिन)	21
51.	07.5	भारत में विद्यालय शिक्षा के अभिशासन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	12-13 दिसंबर (2 दिन)	30
52.	05.8	प्राथमिक शिक्षा में अर्द्ध-शिक्षक : समीक्षा तथा अनुभव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	1-2 फरवरी, 2002 (5 दिन)	31
53.	07.6	प्रारंभिक शिक्षा की योजना में संकेतकों के प्रयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18-22 फरवरी (5 दिन)	54
	योग	**7**	**21दिन**	**245**
	महायोग	**53**	**561दिन**	**1560**

*इस सूची में पिछले वर्ष से चल रहे दो डिप्लोमा कार्यक्रम (एक राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय) भी शामिल हैं।

एकक कोड संख्या

00. संयुक्त निदेशक
01. शैक्षिक योजना एकक
02. शैक्षिक प्रशासन एकक
03. शैक्षिक वित्त एकक
04. शैक्षिक नीति एकक
05. विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक
06. उच्च शिक्षा एकक
07. प्रादेशिक प्रणाली एकक
08. अंतर्राष्ट्रीय एकक
09. संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक

अनुलग्नक 2

संकाय का अकादमिक योगदान : 2001-02

बी.पी. खण्डेलवाल

कार्यक्रम/सम्मेलनों में भागीदारी

मूल्य शिक्षा पर 'जी. एन.' स्मृति व्याख्यान, लखनऊ, 22 मई 2001

"भारत में व्यावसायिक शिक्षा : प्रतिबिम्बन तथा संदर्श," जी.आई.वी.ई., भोपाल में मुख्य व्याख्यान, 4 जुलाई, 2001

विद्यालय शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा "सबके लिए शिक्षा के संदर्भ में अध्यापक शिक्षा का सुगठन' पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया, 31 अगस्त 2001,

'परिवर्तन का प्रबंधन हेतु बोर्डो की अपेक्षित भूमिका, विषय पर विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिषद के सम्मेलन में व्याख्यान, चंडीगढ़, 11 दिसंबर 2001

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में समापन भाषण, 'उच्च शिक्षा में मूल्यांकन तथा परीक्षा सुधार' पर आलेख प्रस्तुत किया, 15 मार्च 2002

विदेश भ्रमण

ई - 9 मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लिया, तथा "सबके लिए शिक्षा - डाकार के बाद विकास" पर आलेख प्रस्तुत किया, चीन 21-23 अगस्त 2001

आलेख प्रकाशित

"वैल्यू फार ह्यूमन एक्सिलैन्स" : जर्नल ऑफ वैल्यू एजुकेशन, जिल्द 1, अंक 1, 2001, एन.सी. ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशित

बैठकों/समितियों में कार्य/भागीदारी

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
अनुप्रयुक्त जन शक्ति अनुसंधान संस्थान की महा परिषद्
भारतीय विश्वविद्यालय संघ की अनुसंधान समिति
शैक्षिक सांख्यिकी पर सलाहकारी समिति (मा.स.वि. मंत्रालय)
नवोदय विद्यालय समिति
विकास हेतु शैक्षिक नवाचारों के लिए एशिया-प्रशांत केंद्र (ए.सी.ई.आई.डी.)
पाठ्यचर्या तथा शिक्षण के लिए विश्व परिषद् (डब्ल्यू.सी.सी.आई.)

परामर्श समिति, यूनेस्को-इं.गां.रा. मुक्त विश्वविद्यालय
परीक्षा व्यवस्था पर कार्य समूह, संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी)
जीविका अभिमुख कार्यक्रम तथा उद्यमता पर परामर्श समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय

एम. मुखोपाध्याय

पुस्तकें

शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, नई दिल्ली, नीपा, 2002 (लेखक), टी.क्यू.एम.ई का हिंदी रूपांतरण। इस पुस्तक का उर्दु, गुजराती, मराठी, तमिल, बंगाली, कन्नड़ इत्यादि समेत एस.सी.ई.आर.टी./क्षेत्रीय प्रकाशकों द्वारा कई भाषाओं में अनुवाद/प्रकाशन हुआ है।

गर्वर्नेंस आफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, नई दिल्ली : नीपा, 2001 (आर.एस. त्यागी द्वारा संपादित)

रिपोर्टें

एजुकेटिंग दि नेशन : नीड फॉर डेडिकेटेड सैटेलाइट, अहमदाबाद : (सी.ई.सी.यू.), इसरो

पुस्तकों में अध्याय

एजुकेशनल टैक्नोलाजी, इंसायक्लोपीडिया ऑफ इंडियन एजुकेशन में, नई दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी. (प्रेस में)

ओपन स्कूलिंग, इंसायक्लोपीडिया ऑफ इंडियन एजुकेशन में, नई दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी. (प्रेस में)

आलेख तथा व्याख्यान

इंस्ट्रक्शनल डिजाईन फार मल्टी-चैनल लर्निंग सिस्टम, ब्रिटिश जर्नल ऑफ एजुकेशनल टैक्नोलॉजी, 32(4), नवंबर, 2001

इनिशिएटिव इन इंडियन प्राइमरी एजुकेशन, गुणवत्ता शिक्षा पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय फोरम में प्रस्तुत (प्रॉप, यूनेस्को द्वारा), बीजींग, चीन, जून, 2001

क्वालिटी अशुरेंस इन टीचर एजुकेशन, पर्सपेक्टिव इन एजुकेशन, 18(2), 2002

टोटल क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन एजुकेशन : अकुमिलेटेड विसडम, नई दिल्ली : नीपा (एस. सिकंदर के साथ)

जी.डी. शर्मा

रिपोर्टें

हायर एजुकेशन ड्यूरिंग टेन्थ फाइव ईयर प्लान - ए प्रोपोजल - उच्च शिक्षा के विकास के प्रमुख क्षेत्रों पर राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट (26-27 अप्रैल, 2001)

टूवर्ड्स को-आर्डीनेशन एंड डवलपमेंट ऑफ सेंट्रल यूनीवर्सिटीज - केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन की रिपोर्ट (25-26 मई, 2001)

ट्रेड इन एजुकेशन सर्विस अंडर डब्ल्यू.टी.ओ. रेजिम- एन इंडियन रिसपान्स (पृष्ठभूमि आलेख-1)

ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज अंडर डब्ल्यू.टी.ओ. रेजिम- ए कंसलटेटिव पेपर (पृष्ठभूमि आलेख-II)

केंद्रीय तथा मानित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति हेतु मार्गदर्शी सिद्धांतों पर विशेषज्ञ समूह की संस्तुतियां- मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत रिपोर्ट, जून, 2001

कम्यूनिकेशन ऑफ इंडिया आन ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज अंडर डब्ल्यू.टी.ओ रेजिम : रिक्वेस्ट फार कमिटमेंट— ए ड्राफ्ट पेपर

बैठकें

दिनांक 29 जून 2001 को विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति हेतु चयन समिति के सदस्यों तथा नामांकित सदस्यों के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत विकसित करने हेतु विशेषज्ञ समूह की बैठक

विश्व व्यापार संगठन (वि.व्या.सं.) के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की प्रथम बैठक (7 अगस्त, 2001)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की द्वितीय बैठक (20 अगस्त, 2001)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की तृतीय बैठक (4 सितंबर, 2001)

वि. व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर विशेषज्ञों, कुलपतियों तथा राज्य उच्च शिक्षा परिषद् के उपाध्यक्षों की राष्ट्र स्तरीय बैठक (11 सितंबर, 2001)

एन.क्यु.एफ ट्रिविनिंग व्यवस्था तथा प्रथम डिग्री की अवधि के क्रियान्वयन के लिए संस्तुतियों का प्रारूप तैयार करने हेतु बैठक (27 सितंबर 2001)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की चौथी बैठक (4 अक्तूबर, 2001)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की पांचवी बैठक (20 नवंबर, 2001)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की छठी बैठक (15 जनवरी, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी समिति की सातवीं बैठक (13 फरवरी, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर विधि शिक्षा उप समूह बैठक (14 फरवरी, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर तकनीकी शिक्षा उप समूह बैठक (20 फरवरी, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर उच्च शिक्षा उप समूह बैठक (26 फरवरी, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में व्यापार पर प्रबंधन शिक्षा उप समूह बैठक (11 मार्च, 2002)

वि.व्या.सं. के अंतर्गत शिक्षा सेवाओं में ग्रामीण शिक्षा उप समूह बैठक तथा ग्रामीण शिक्षा तथा ग्राम स्वराज के विकास हेतु ग्रामीण शिक्षा संस्थानों की योजना और प्रबंधन पर चर्चा (13 मार्च, 2002)

आलेख तथा अनुसंधान आलेख

मैनेजमेंट ऑफ सेकेंडरी स्कूल सिस्टम : फ्यूचर चैलेंजेस ऑफ नालेज एरा (21 जनवरी, 2002)

इंडिकेटर्स ऑफ परफारमेंस ऑफ हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशंस : दि इंडियन एफोर्ट्स (19 फरवरी 2002)

बैठकों/संगोष्ठियों में भागीदारी

दक्षिण अफ्रीका विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ दिनांक 22 मार्च, 2002 को निम्नांकित विषयों पर चर्चा हेतु नीपा में बैठक :

- स्वतंत्रता के बाद उच्च शिक्षा का विकास किस प्रकार हुआ?
- उच्च शिक्षा के वृहद ढांचे के साथ विविधिता का विकास
- विकास प्रक्रिया के दौरान आई समस्याएं तथा समाधान
- एक राष्ट्रीय योग्यता व्यवस्था की विकसित करने के लिए किए गये प्रयास
- दक्षिण अफ्रीका के साथ नीपा द्वारा सहयोग किये जाने वाले बिंदुओं की पहचान करना?

इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए पांच दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में भागीदारों को व्याख्यान, 10 मार्च, 2002, सीमेट, इलाहाबाद, यू.पी

पंजाब के लिए उच्च शिक्षा परिदृश्य 2020, पर पंजाब सरकार द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित डी. पी.आई. कालेजों द्वारा गठित समिति की प्रथम बैठक की अध्यक्षता की, 11 फरवरी, 2002

संयुक्त राज्य अमरीका तथा भारत के बीच अकादमिक आदान-प्रदान तथा भारत में उच्च शिक्षा के मुद्दों पर चर्चा हेतु फलब्राइट आयोग तथा सं.रा. अमरीका समन्वयक अभिकरणों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक, नीपा, 7 फरवरी, 2002

गुणवत्ता शिक्षा पर राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान डी.ए.वी. कालेज, अमृतसर, 20 जनवरी, 2002

भारतीय उद्योग परिसंघ (दक्षिण क्षेत्र) तथा ए.आई.सी.टी.ई द्वारा तकनीकी शिक्षा समिति की बैठक में भाग लिया, 28-29 जनवरी, 2002 चेन्नई

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष के रूप में केरला विश्वविद्यालय में गैट्स पर आधार व्याख्यान, 31 जनवरी, 2002, त्रिवेंद्रम

अकादमिक स्टाफ कालेज की सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया, 17 जनवरी, 2002, तिरुवनंतपुरम

प्राचार्य पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार के चयन हेतु बनारस हिंदु विश्वविद्यालय की चयन समिति की बैठक में भाग लिया, आर्य महिला डिग्री कालेज, चेतगंज, वाराणसी, 12 जनवरी, 2002

'रोल ऑफ स्टेकहोल्डर्स इन अचिविंग एक्सिलेन्स इन हायर एजुकेशन इन द नालेज एरा' पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में भाग लिया, 4 जनवरी, 2002, कोयम्बटूर

राजस्थान विश्वविद्यालय के सहयोग से भारतीय महाविद्यालयों की फोरम के नौवें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद्, बंगलौर, एस.एस.जैन सुबोध महाविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित, जयपुर,राजस्थान, 28-30 दिसंबर, 2001

वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान की कार्यकारिणी बैठक में भाग लिया, वनस्थली, राजस्थान (31 दिसंबर, 2001)

कुलपति पंजाब विश्वविद्यालय के नामिति के रूप में चयन समिति की बैठक में भाग लिया, 14-16 दिसंबर, 2001, चंडीगढ़

चयन समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 5-7 नवंबर, 2001 के दौरान चयन समिति की बैठक में भाग लिया, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद् के अध्यक्ष के साथ बैठक, 10 अक्तूबर, 2001

वनस्थली विद्यापीठ की कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लिया, 29 सितंबर, 2000

केरल राज्य विज्ञान तथा तकनीकी संग्रहालय ऑडिटोरियम में केरल के सभी महाविद्यालयों के लिए आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी तथा कार्यशाला में व्याख्यान, 27-28 जुलाई, 2001, तिरुवनंतपुरम

उच्च शिक्षा सेवाओं में व्यापार तथा विश्व व्यापार संगठन संगोष्ठी में भागीदारी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोजी कोड

कॉलेजों के प्राचार्यों के लिए "मैनेजिरियल लीडरशिप डवलपमेंट" कार्यक्रम का उद्घाटन, 23 जून, 2001

आर. गोविंदा

शैक्षिक क्षेत्र अध्ययन रिपोर्ट के लिए बंगलौर में बैठक में भाग लिया, 23 अप्रैल, 2001

विद्यालय सुधार योजना पर कार्यक्रम में चेन्नई में बैठक में भाग लिया, 23-26 अप्रैल, 2001

शैक्षिक क्षेत्र अध्ययन के संदर्भ में प्रस्तुत आलेखों पर चर्चा करने हेतु तीन दिवसीय बैठक में भाग लिया, 24-26 मई, 2001, बंगलौर

शैक्षिक गुणवत्ता हेतु विद्यालय विकास योजना पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी, बीजिंग, 2-9 जून, 2001

'आरंभिक शिक्षा' पर अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मुख्यमंत्री के साथ बैठक में भाग लिया, 12 जून, 2001, बंगलौर

एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय एन.एफ.ई. कार्यक्रम, ए.सी.सी.ओ. - ए.पी.पी.ई.ए.एल. 2001 की संयुक्त योजना बैठक में भागीदारी, टोक्यो, 23 जून से 1 जुलाई, 2001

सरकार के लिए शिक्षा पर उप-क्षेत्रीय अध्ययन की तैयारी के लिए बैठक में भाग लिया, 5-14 जुलाई, 2001, बंगलौर

विकेंद्रीकृत योजना तथा प्रबंधन पर क्षमता निर्माण के लिए काठमाण्डु (बी.पी.ई.पी.) के लिए नीपा मिशन, 15-25 जुलाई, 2001

शिक्षा क्षेत्र अध्ययन की तैयारी के लिए कर्नाटक सरकार की समर्थनकारी बैठक में भाग लिया तथा अध्यापक शिक्षा में उभरते मुद्दो पर संगोष्ठी में भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के दक्षिण केंद्र द्वारा आयोजित, मैसूर, 20-24 अगस्त, 2001

'हैदराबाद में अध्यापक शिक्षा' पर संगोष्ठी में भागीदारी, 31 अगस्त से 1 सितंबर, 2001

शिक्षा पर उप-क्षेत्रीय अध्ययन के संदर्भ में परियोजना योजना पर दो दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, 25-27 सितंबर, 2001

दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा के अनुश्रवण पर प्रशिक्षण कार्यशाला के संदर्भ में भाग लिया, 1-6 अक्तूबर, 2001, पेरिस

विकासशील देशों में शैक्षिक सुधारों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया, नीदरलैण्ड, 7-9 अक्तूबर, 2001

कर्नाटक सरकार के एम.टी.ई.जी. प्रस्तावों पर समीक्षा समिति बैठक में भागीदारी, 17 अक्तूबर, 2001, बंगलौर

विकास रिपोर्ट पर सलाहकारी समिति की बैठक में भाग लिया, 9 नवंबर, 2001, भोपाल

उपक्षेत्रीय अध्ययन में समीक्षा समिति बैठक में भाग लिया, 15 दिसंबर, 2001, बंगलौर

शिक्षा क्षेत्र पर रिपोर्ट तैयारी की, बंगलौर, 25-29 दिसंबर, 2001

सबके लिए शिक्षा पर पूर्वी तथा उत्तरपूर्वी क्षेत्र की मंडलीय बैठक में भाग लिया, 10-11 जनवरी, 2002, कोलकाता

शिक्षा पर क्षेत्रीय अध्ययन रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में सहायता, 14-24 जनवरी, 2002, बंगलौर

'वर्तमान का सामना करना तथा भविष्य में सुरक्षा : गरीब देशों में गरीबों के लिए सामाजिक नीतियां' पर सम्मेलन में भाग लिया, 25-26 मार्च, 2002, ससेक्स, यू.के.

जांध्याला बी.जी. तिलक

पुस्तकें/मोनोग्राफ

इंडियाज सोशियो इकानॉमिक डाटाबेस : सर्वेज आफ सलेक्टेड एरियास (सी.पी.चंद्रशेखर के साथ संपादित) नई दिल्ली, तुलिका, आई.सी.एस.एस.आर के लिए, 2001

प्राइवेट स्कूलिंग इन रूरल इंडिया, वर्किंग पेपर सं 76, नई दिल्ली : नेशनल काउन्सिल ऑफ अप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च (अक्तूबर 2001), (रत्ना सुदर्शन के साथ)

पुस्तकों में अध्याय

इनवेस्टमेंट इन हायर एजूकेशन इन बिहाइन्ड दि ब्लैकबोर्ड : कॅटेंपररी पर्सपेक्टिवस आन इंडियन एजुकेशन, जिल्द 1 (ए. कुमार तथा एस. लाहिरी द्वारा संपादित), नई दिल्ली : एस.एफ. आई. प्रकाशन 2002, पृष्ठ 156-173

स्टैटिस्टिक्स आन एजुकेशन : स्कोप, रिक्वायरमेंट, गैप्स एंड स्टेटस 'इन इंडियाज सोशियो इकानॉमिक डाटाबेस : सर्वेज ऑफ सलेक्टेड एरियाज (सं : सी.पी. चंद्रशेखर तथा जे.बी.जी. तिलक) नई दिल्ली: तुलिका, आई.सी.एस.एस.आर., 2001 के लिए, पृष्ठ : 385-423 (पी. आर. पंचमुखी के साथ) (मैनपावर जर्नल में भी) 36 (2) (जुलाई-सितंबर, 2000)

रिसोर्सेज फार एजुकेशन इन इंडिया, एक्सपिरियंसेस इन स्कूल एजुकेशन में (संपादित : जे.एस. राजपूत) नई दिल्ली : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, 2001, पृष्ठ 64-75

नॉलेज, डवलपमेंट एंड इंटरनेशनल एड, डवलपमेंट नॉलेज, नेशनल रिसर्च एंड डवपलमेंट कारपोरेशन में (सं: वोल्फगेंग गमेलिन, केनिथ किंग एंड साइमन मैग्राथ) (एडिनबर्ग/जेनेवा/बॉन सेंटर फार अफ्रीकन स्टडीज़/नोरॉग/डी. एस. सी. सितंबर 2001) 253-64 (नोरॉग समाचार में लघु संस्करण, सं. 28 (जुलाई 2001) पृ. 55-57) राष्ट्रीय अनुसंधान तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, ज्ञान विकास पर संगोष्ठी में प्रस्तुत आलेख। बॉन : जर्मन फाउन्डेशन फार इंटरनेशनल डवलपमेंट (डी.एस.ई.) तथा नोरॉग (3-5 अप्रैल, 2001)

अनुसंधान अध्ययन/आलेख

नॉलेज, सोसायटी,एजुकेशन एंड एड, 'ज्ञान, मूल्य तथा नीति पर शिक्षा तथा विकास' पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आक्सफोर्ड : आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय (19-21 सितंबर, 2001)

एजुकेशन एंड पावर्टी, मुख्य व्याख्यान "पावर्टी कान्फ्रेंस ऑन एजुकेशन-ए रोड आउट आफ पावर्टी", स्टॉकहोल्म : स्वीडिश इंटरनेशनल डवलपमेंट एजेन्सी एंड उपासला विश्वविद्यालय, 17-18 अक्तूबर, 2001

डिटरमिनेंट्स आफ हाउसहोल्ड एक्सपेन्डिचर आन एजुकेशन इन रूरल इंडिया, इंडियन इकोनॉमेट्रिक सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई : मद्रास स्कूल आफ इकानॉमिक्स 14-16 जनवरी, 2002

पब्लिक सब्सीडीज इन दि एजुकेशन सेक्टर इन इंडिया, 'इंडिया : फिसकल पालिसीज टू असलेरेट इकानॉमिक ग्रोथ' पर सम्मेलन, नई दिल्ली : नेशनल इंस्टिट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी। अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (यू. के.) विश्व बैंक (21-22 मई, 2001) (ड्राफ्ट इन www. Fiscalconf.org.)

एजुकेशन एंड डवलपमेंट : लेसन फ्रॉम एशियन एक्सपिरियंस, इंडियन सोशल साइन्स रिव्यू (आई. सी.एस.एस.आर., नई दिल्ली) 3 (2) (जुलाई-दिसंबर, 2001) पृ. 219-66

पुस्तक समीक्षाएं

द ग्लोबल मार्केट फार हायर एजुकेशन (टी. मजरौल तथा जी. एम. सोतार) जेपा, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन 16(1) (जनवरी, 2002)

एजुकेशन एंड अर्निंग्स इन यूरोप : ए क्रास कंट्री एनालिसिस ऑफ द रिटर्स टू एजुकेशन (सी. हैमन) जेपा, 15(4) (अक्तूबर, 2001) : पृ. 538 -39

आर एंड डी, एजुकेशन तथा प्रोडक्टिविटी : ए रेट्रोस्पेक्टिव (ज्वी ग्रीलियस) जेपा 15 (3) (जुलाई, 2001) : पृ. 411-13

क्वालिटी ऑफ ग्रोथ (वी. थामस सं.), जेपा 15 (2) (अप्रैल, 2001): पृ. 285-87

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

नेशनल मीट आन स्टीरिंग चेंज इन एजुकेशन नई दिल्ली : सेंटर फॉर एजुकेशन मैनेजमेंट एंड डवपलमेंट तथा दिल्ली विश्वविद्यालय (9 मार्च, 2002)

नेशनल कोर ग्रुप मीटिंग आन रिव्यू एंड स्ट्रेटीज इन एजुकेशन, बंगलौर, नेशनल अलायंस फार राइट टू एजुकेशन (6 मार्च, 2002)

शेपिंग एजुकेशन इन कर्नाटक पर कार्यशाला बंगलौर, कर्नाटक सरकार, शिक्षा विभाग, (22 फरवरी, 2002)

नेशनल कंसलटेशन आन स्ट्रेटजी एंड एक्शन प्लान ऑन नाइन्टी थर्ड कांस्टीट्यूशनल अमेंडमेंट, नई दिल्ली : इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट/कंपेन अंगेस्ट चाइल्ड लेबर, 20 फरवरी, 2002)

उच्च शिक्षा के प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन (नई दिल्ली : जामिया मिलिया विश्वविद्यालय) (9 फरवरी, 2002) (आधार व्याख्यान)

तकनीकी शिक्षा बैठक : अकादमिक, सरकार तथा उद्योग : प्रतियोगितात्मक लाभ के लिए संयुक्त प्रयास, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थान तथा भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.), चेन्नई (28-29 जनवरी, 2002) व्याख्यान प्रस्तुत किया

विद्यालय शिक्षा तथा नागरिकता पर राष्ट्रीय विचारमंच, बंगलौर, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ एडवांस स्टडीज़ (24-25 जनवरी, 2002) आलेख प्रस्तुत किया

भारतीय इकोनॉमेट्रिक सोसायटी का 38वां वार्षिक सम्मेलन, चेन्नई, मद्रास स्कूल आफ इकानॉमिक्स (14-16 जनवरी, 2002) (आलेख प्रस्तुत किया)

भूमंडलीकरण तथा शिक्षा के लिए चुनौतियां, नई दिल्ली, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, 18-20 दिसंबर, 2001, आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया

93वें संशोधन पर सलाहकारी बैठक, नई दिल्ली, नेशनल अलायंस फॉर द फंडामेंटल राइट टू एजुकेशन (17 नवंबर, 2001)

नृजातीय बच्चों के लिए बेसिक गुणवत्ता शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला : बीजिंग : यूनेस्को तथा इनरूकेड नानजंग नार्मल यूनिवर्सिटी (30 अक्तूबर-3 नवंबर, 2001)

एजुकेशन- ए रोड आऊट ऑफ पॉवर्टी, पर पावर्टी सम्मेलन स्टॉकहोल्म स्वीडिश इंटरनेशनल डवलपमेंट एजेन्सी तथा उपसला यूनिवर्सिटी, 17-18 अक्तूबर, 2001, आधार व्याख्यान दिया तथा सत्र की अध्यक्षता की

महाराष्ट्र मानव विकास रिपोर्ट पर समीक्षा कार्यशाला, मुंबई, योजना विभाग, महाराष्ट्र सरकार तथा यू.एन.डी.पी. (12-13 अक्तूबर, 2001) (चर्चाकार)

शिक्षा और विकास : ज्ञान, मूल्य तथा नीतियों पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आक्सफोर्ड : आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कालेज, 9-21 सितंबर, 2001, आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की

नॉलेज सोसायटीज तथा हायर एजुकेशन पर प्री-आक्सफोर्ड संगोष्ठी आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कॉलेज, आक्सफोर्ड (18 सितंबर 2001)

इक्विटी थ्रू डाइवरसिटी : कामनवेल्थ कंट्रीब्यूशन टू एजुकेशन फार आल, पर प्री-आक्सफोर्ड संगोष्ठी, आक्सफोर्ड कॉलेज (राष्ट्रमंडल सचिवालय) 17-18 सितंबर, 2001, आलेख प्रस्तुत किया

नोरॉग आक्सफोर्ड की कार्यकारिणी बैठक में भाग लिया, क्वीन एलिजाबेथ हाउस, 22 सितंबर, 2001

ट्रेंड्स इन इम्पलायमेंट, अनइम्पलायमेंट तथा क्वालिटी ऑफ इम्पलायमेंट पर संगोष्ठी, नोएडा, वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, 23 जुलाई, 2001

भारत में विश्वविद्यालय वित्त पर बैठक, नई दिल्ली, माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग, मा. सं. वि. मंत्रालय, भारत सरकार, 13 जुलाई, 2001, आधार प्रस्तुतिकरण

भारत में शिक्षा : मजबूत नींव, पर बैठक नई दिल्ली, ओब्जर्वर फाउन्डेशन, 29 मई, 2001

कर्नाटक में शिक्षा के उप-आंचलिक अध्ययन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, बंगलौर डी.पी.ई.पी., कर्नाटक सरकार, (24-26 मई, 2001) (चर्चा में भाग लिया)

इंडिया : फिसकल पालिसीज टू असेलेरेट इकानॉमिक ग्रोथ नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी/अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (यू.के./विश्व बैंक, वित्त मंत्रालय के सहयोग से, भारत सरकार, (21-22 मई, 2001) आलेख प्रस्तुत किया

राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन, नई दिल्ली : नेशनल एलायंस फार राइट टू एजुकेशन, 10-11 अप्रैल, 2001

रीथिंकिंग ए नालेज नेटवर्क पर कार्यशाला, बॉन : नार्थन पालिसी रिसर्च रिव्यू एडवायजरी नेटवर्क आन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (नोरॉग) (6 अप्रैल, 2001)

डवलपमेंट नालेज, नेशनल रिसर्च एवं इंटरनेशनल को-आपरेशन पर संगोष्ठी, बॉन : जर्मन फाउन्डेशन फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट (डी.एस.ई.) तथा नोरॉग (3-5 अप्रैल, 2001)

सदस्यता

आजीवन सदस्य, दि इंडियन इकानॉमेट्रिक सोसायटी

सदस्य, कार्यकारिणी परिषद्, दि इंडियन इकानॉमेट्रिक सोसायटी (2001-02)

सदस्य, शासी निकाय, सोसायटी फॉर इकानॉमिक एंड सोशल रिसर्च, (दिल्ली 2001-)

सदस्य, कमेटी आन फिक्सेशन आफ फीस इन इंस्टीट्यूशन्स ऑफ टीचर एजुकेशन, नई दिल्ली : राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (2001-)

सदस्य, सलाहकारी बोर्ड, आर सदस्य, कार्यकारिणी समिति, आंध्र प्रदेश प्राथमिक शिक्षा समिति

सदस्य, आम परिषद, आंध्र प्रदेश प्राथमिक शिक्षा समिति

अनुसंधान परियोजना, नेशनल रिसोर्स सेंटर फार इनकलूसन- इंडिया, स्पास्टिक्स सोसायटी ऑफ इंडिया, मुंबई (2002)

सदस्य, शासी निकाय, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय (2002-)

सदस्य, पेसले संचालन समिति का सलाहकार मंडल तथा अनुसंधान समिति, आगा खां विश्वविद्यालय (2001-)

विदेश भ्रमण

जर्मनी भ्रमण : रीथिंकिंग ए नालेज नेटवर्क पर कार्यशाला, बॉन : नार्थन पॉलिसी रिसर्च रिव्यू एडवायसरी नेटवर्क ऑन एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (नोरॉग) (6 अप्रैल, 2001)

डवलपमेंट नॉलेज, नेशनल रिसर्च एंड इंटरनेशनल कोआपरेशन पर संगोष्ठी, बॉन : जर्मन फाउन्डेशन फॉर इंटरनेशनल डवलपमेंट (डी.एस.ई.) तथा नोरॉग (3-5 अप्रैल, 2001)

इंग्लैण्ड भ्रमण : द सिक्स्थ आक्सफोर्ड इंटरनेशनल कांफ्रेस आन एजुकेशन एंड डवलपमेंट, नॉलेज, वैल्यूज एंड पॉलिसी, आक्सफोर्ड : आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय कॉलेज (9-21 सितंबर, 2001) आलेख प्रस्तुत किया तथा सत्र की अध्यक्षता की।

नॉलेज सोसायटीज तथा हायर एजुकेशन पर प्री-आक्सफोर्ड संगोष्ठी, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी कालेज, आक्सफोर्ड (18 सितंबर, 2001)

प्री-आक्सफोर्ड कांफ्रेस आन इक्विटी थ्रू डाइवरसिटी : सबके लिए शिक्षा के हेतु राष्ट्रमंडल का योगदान, आक्सफोर्ड : यूनिवर्सिटी कालेज (राष्ट्रमंडल सचिवालय, 17-18 सितंबर, 2001) आलेख प्रस्तुत किया

नोरॉग की कार्यकारिणी समिति में भाग लिया, आक्सफोर्ड : क्वीन एलिजाबेथ हाउस (22 सितंबर, 2001)

चीन भ्रमण : इंटरनेशनल वर्कशाप ऑन क्वालिटी बेसिक एजुकेशन फॉर एथनिक्स चिल्ड्रन, बीजिंग : यूनेस्को तथा इनरुकेड नानजिंग नार्मल यूनिवर्सिटी (30 अक्तूबर- 3 नवंबर, 2001)

स्वीडन भ्रमण : पावर्टी कान्फ्रेंस ऑन 'एजुकेशन- ए रोड आऊट ऑफ पावर्टी ? स्टाकहोल्म : स्वीडीश इंटरनेशनल डवलपमेंट एजेंन्सी तथा उपासला विश्वविद्यालय, 17-18 अक्तूबर, 2001 आधार व्याख्यान दिया तथा सत्र की अध्यक्षता की।

सदस्यता(पत्र-पत्रिकाएं)

सदस्यता, संपादकीय बोर्ड, पर्सपेक्टिवस इन एजुकेशन (बड़ोदरा, इंडिया) (2001)

सह-संपादक बोर्ड, जर्नल ऑफ क्वानटेटिव इकानॉमिक्स (द इंडियन इकोनॉमेट्रिक सोसायटी, (2001-05)

सदस्य, अंतराष्ट्रीय सलाहकारी बोर्ड, कम्पयेर : जर्नल ऑफ कम्पेरेटिव एजुकेशन (कारफेक्स पब्लिशिंग, इंग्लैंड (2002-)

संपादन

जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नीपा, नई दिल्ली

वाई.पी. अग्रवाल

प्रकाशन

रिगेनिंग लास्ट अपरच्यूनिटी : द मलॉयस ऑफ स्कूल इनएफिशिएंसी : नीपा- मा.सं.वि. मंत्रालय नई दिल्ली

डी.पी.ई.पी. 2001: प्रोग्रेस टूवर्ड्स अचीवमेंट ऑफ यूनिवर्सल एक्सेज एंड रिटेंशन : द अनालिटिकल रिपोर्ट, नीपा-मा.सं.वि. मंत्रालय, नई दिल्ली

डी.पी.ई.पी. 2001: प्रोग्रेस टूवर्ड्स अचीवमेंट ऑफ यूनिवर्सल एक्सेज एंड रिटेंशन : डिस्ट्रिक्ट रिपोर्ट कार्ड, नीपा-मा.सं.वि. मंत्रालय, नई दिल्ली

डाइस 2001 : यूजर्स मैनुअल, नीपा, नई दिल्ली

"एजूकेशन इन दिल्ली" इनसायक्लोपीडिया आन स्कूल एजुकेशन में, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली (प्रकाशनाधीन)

डिजीटल प्रकाशन/सॉफ्टवेयर सी.डी. आर

प्रोग्रेस टूवर्ड्स अचीवमेंट ऑफ यूनिवर्सल एक्सेस एंड रिटेंशन : डी.पी.ई.पी. 2001, 02 जिल्द में, सी.डी.आर वर्जन, नीपा, नई दिल्ली

डाइस 2001 (जिला स्तर पर एक शैक्षिक प्रबंधन सूचना सॉफ्टवेयर)

डाइस (राज्यों के लिए शैक्षिक सूचना प्रबंधन सॉफ्टवेयर)

डाइस (राष्ट्रीय स्तर पर एक शैक्षिक सूचना प्रबंधन सॉफ्टवेयर)

प्रशिक्षण सामग्री (डिज़ीटल वर्जन सहित)

शैक्षिक योजना और प्रबंधन में सांख्यिकी विधि (डेपा कार्यक्रम के लिए संशोधित तथा विस्तृत संस्करण)

शैक्षिक प्रबंधन सूचना व्यवस्था (आइडेपा कार्यक्रम के लिए संशोधित सामग्री)

परियोजना योजना तथा अनुश्रवण : ए बिगनर्स गाइड, डिस्पैरीटीज़ एनालिसिस तथा मेसरमैंट

डाइस 2001 : गाइडलाइन्स फार इम्पलिमेंटेशन,

डाइस 2001 : इंस्ट्रक्शनल मैनुअल

डाइस : गाइडलाइन्स फार इम्पलिमेंटेशन एंड यूजर्स मैनुअल

एन.एफ.ई. डाटाबेस इन इंडिया : ए स्टेट्स रिव्यू एंड पर्सपेक्टिवस

गाइडलाइन्स फार स्कूल लेवल डाटा कलैक्शन फॉर 2001-02

महत्वपूर्ण परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं

महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में कोहार्ट अध्ययनों पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट को तैयार करने में मा.सं.वि. मंत्रालय को सहयोग

सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक श्रेणी छात्रों के लिए कोहार्ट अध्ययनों की रूपरेखा तैयार करने में उत्तर प्रदेश सरकार को सहयोग

ई.एफ.ए. मंडलो के लिए कोहार्ट अध्ययनों की रूपरेखा और क्रियान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को सहयोग

डी.पी.ई.पी. तमिलनाडु को प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए समान मूल्यांकन अध्ययन हेतु डाटा कंम्पयूटरीकृत के लिए सहयोग

डी.पी.ई.पी तक सर्वशिक्षा अभियान में प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विस्तार वाले जिलों/राज्यों में डाइस 2001 के क्रियान्वयन हेतु डी.पी.ई.पी. ब्यूरों को सहयोग

दल के नेता, फैक्ट फाइन्डिंग मिशन (डानिडा) नेपाल में बेसिक तथा प्राथमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन हेतु फ्रेमवर्क (जुलाई 2001)

दल के नेता, फैक्ट फाइन्डिंग मिशन (डानिडा) नेपाल में विकेंद्रीकृत योजना के आधारभूत स्तर उपागम हेतु जिला शिक्षा योजना फ्रेमवर्क (अगस्त 2001)

दल के नेता, फैक्ट फाइन्डिंग मिशन (डानिडा) नेपाल में विकेंद्रीकृत शिक्षा योजना हेतु मानव संसाधन विकास रणनीति (जुलाई 2001)

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा संगोष्ठी

यूनेस्को, ओ.ई.सी.डी. द्वारा विश्व शिक्षा संकेतक कार्यक्रम में भागीदारी, ब्यूनस आयर्स, 20-24 मार्च, 2002

भारत में एन.एफ.ई. डाटाबेस : समीक्षा तथा मूल्यांकन, विद्यालय स्तर आंकडा संग्रह के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत, 2001-2002

के. सुधा राव

प्रकाशन

पुस्तकें

एजुकेशनल पॉलिसीज इन इंडिया - एनालिसिस एंड रिव्यू ऑफ प्रॉमिस एंड परफारमेंस (सं.)

चायस बेसड क्रेडिट सिस्टम - ए पाथ टूवर्ड्स एनसुरिंग क्वालिटी - पांडिचेरी विश्वविद्यालय (प्रकाशनाधीन)

आटोनॉमस कालेजस : आलटर्ड इमेज एंड पर्सेपशन ऑफ ए डिग्री कालेज (प्रकाशनाधीन)

पुस्तकों में अध्याय

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशनाधीन विश्वकोष में ऑटोनोमस इंस्टीटयूशन

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा प्रकाशनाधीन विश्वकोष में आटोनॉमी इन एजुकेशन

अनुसंधान अध्ययन

क्वालिटी ऑफ डाक्टरल रिसर्च इन इंडियन यूनीवर्सिटीज, विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों से एकत्रित किये गये आंकडों के आधार पर

गिलम्पसेस ऑफ सेल्फ फाइनेन्सड कोर्सेस इन द यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज

अनुसंधान आलेख

थ्रस्ट एरिया फॉर डवलपिंग कॉलेज़स ड्यूरिंग टेन्थ फाइव इयर प्लान

क्वालिटी ऑफ डाक्टरल रिसर्च इन इंडियन यूनिवर्सिटीज

गिलम्पसेस आफ सेल्फ फाइनेन्सड कोर्सेज इन द यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज

पुस्तक समीक्षाएं

डायनैमिक रोल ऑफ एडल्ट एजुकेशन इन मार्चिंग टूवर्ड्स लर्निंग सोसायटी, एम.वी.लक्ष्मी रेड्डी द्वारा, जिल्द 40, अंक 6, 11-17 फरवरी, 2002, ए.आई.यू. द्वारा प्रकाशित

प्रशिक्षण/संसाधन सामग्री विकास

डॉक्टरल रिसर्च इन यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज

सेल्फ फाइनेंसिंग कोर्स इन सम सलेक्टेड यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज

महत्वपूर्ण परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, उपाचार्य विश्व भारती, शांति निकेतन, आकलन, प्रत्यायन तथा अनुश्रवण परिषद्

सदस्य, 'करिकलम डवलपमेंट फॉर कल्चरल हैरिटेज़ स्टडीज फॉर स्कूल चिल्ड्रन' इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

सदस्य, विभागीय सलाहकारी समिति, महिला अध्ययन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी.

सदस्य, कार्यक्रम सलाहकार समिति, डाइट, दरियागंज

सदस्य, सलाहकारी समिति, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

सदस्य, अकादमिक परिषद्, वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान

सदस्य, सलाहकारी समिति, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, गोवा विश्वविद्यालय

सदस्य, कला संकाय, बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर

सदस्य, सलाहकारी समिति, सी.पी.डी.एच.ई., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सदस्य, महिला विद्यार्थियों के लिए बोर्डिंग/होस्टल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु सहायता अनुदान योजना समिति, शिक्षा विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली,

सदस्य, विश्वविद्यालय के वर्तमान विद्यालयों के साथ-साथ नए अंतरशास्त्रीय अनुसंधान क्षेत्रों की भूमिका, ढांचा तथा अन्य आवश्यकताओं के परीक्षण हेतु समिति, इं. गां. मु. विश्वविद्यालय

सदस्य, सलाहकारी समिति, अकादमिक उत्कृष्टता तथा उपागम (एफ.ए.ई.ए.)

राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा सम्मेलन

आटोनामॅस कॉलेज, अक्रीडीशन तथा रैंकिंग सिस्टम, संगोष्ठी, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर द्वारा आयोजित, 11-12 अगस्त, 2001 (आलेख प्रस्तुत किया)

"फैक्ट, प्रोफाइल ऑन हैरीटेजस साइट्स ऑफ दिल्ली - इवालविंग इंप्लिमेंटेशन स्ट्रैटीज फॉर कल्चरल हैरीटेज एक्टीविटी," कार्यशाला, 6 दिसंबर, 2001, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली (पैनालिस्ट)

गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, राष्ट्रीय संगोष्ठी, 12-13 दिसंबर, 2001, नीपा

सम्मेलन, ग्लोबलाईजेशन एंड चैलेंजेस फॉर एजुकेशन, 18-20 दिसंबर, 2001, नीपा, सत्र की अध्यक्षता की

विद्यार्थी निधि तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा 'इंडो सेन्ट्रिक एजुकेशन' पर राष्ट्रीय समागम, 6 मार्च, 2002, राष्ट्रीय संग्रहालय, जनपथ, नई दिल्ली

'योगा इन इंडियन कल्चर' पर संगोष्ठी पूर्व परामर्शकारी बैठक, 18 मार्च, 2002, नई दिल्ली

के. सुजाता

विदेश भ्रमण

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान का भ्रमण (आई.आई.ई.पी., यूनेस्को, पेरिस, मई-जून, 2001)

प्राथमिक शिक्षा के प्रदर्शन में सुधार हेतु विशेषज्ञों की बैठक में भागीदारी, डाकार, सेनेगल, जुलाई, 2001

अध्ययन दौरे के भाग के रूप में राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ श्रीलंका का दस दिवसीस दौरा (अगस्त-सितंबर, 2001)

भ्रमणकारी अध्येता, प्राचार्य प्रशिक्षण केंद्र, मेलबार्न, आस्ट्रेलिया (नवंबर-दिसंबर, 2001)

भ्रमणकारी अध्येता, आस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट फॉर अबोरीजनल एंड टोरस स्ट्रेटस आइलैन्डर स्टडीज़, ए.सी.टी., आस्ट्रेलिया (जनवरी, 2002)

पुस्तकें

डिस्टैन्स एजुकेशन एट सैकेंडरी लेवल इन इंडिया (2002), अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, यूनेस्को, पेरिस द्वारा प्रकाशित

आलेख

ट्राइबल एजुकेशन इन इंडिया : एजुकेशन फार आल 2000 के लिए आलेख

एजुकेशन अमंग शेड़यूल ट्राइब्स, आर. गोविंद (सं), इंडिया एजुकेशन रिपोर्ट- ए प्रोफाइल ऑफ बेसिक एजुकेशन (2002) में, आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस तथा नीपा द्वारा प्रकाशित

एजुकेशन अमंग ट्राइब्ल्स, एन.सी.ई.आर.टी. विश्वकोष में, प्रकाशनाधीन

संपादन

एंट्रीप न्यूज़लेटर के दो अंकों का संपादन

दो खण्डों का संपादन :

1. रोल ऑफ नान-फार्मल एजुकेशन इन अचिविंग एजुकेशन फॉर आल, जुलाई-दिसंबर, 2001

2. फाइनेंसिंग आफ एजुकेशन : इशूज़ एंड इनोवेशन, जनवरी-जून, 2002

सुदेश मुखोपाध्याय

प्रशिक्षण सामग्री

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की भूमिका के रूपांतरण पर राष्ट्रीय बैठक के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड केस अध्ययन के आधार पर सामग्री का विकास, 2-3 मई, 2001, (नीपा द्वारा प्रकाशनाधीन)

संगोष्ठियों में भागीदारी

अंतर्राष्ट्रीय

प्लेनरी एंड मोडरेटर आन स्कूलिंग फॉर आल के लिए वक्ता, एशिया पैसिफिक रीज़नल फोरम आन लाइफ लांग लर्निंग, चियांग माई, थाइलैंड, यूनेस्को 9-13 सितंबर, 2001

'केयर' के लिए गुजरात में अध्यापक शिक्षा पर आलेख तैयार किया, इंडिया, दिसंबर, 2001

दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना तथा अनुश्रवण पर प्रशिक्षण कार्यशाला तथा उप-क्षेत्रीय अभिविन्यास कार्यक्रम में डॉ. आर. गोविंदा के साथ सहयोग (22 अक्तूबर-3 नवंबर, 2001)

नीपा के अतिरिक्त

'इंक्लूसिव एजुकेशन फॉर चिल्ड्रन विद डिसएबिलिटीज : प्रास्पैक्टस एंड चैलेंजस', 7-8 नवंबर, 2001, निपसेड तथा योजना आयोग द्वारा, भारत सरकार

'डिसएबिलिटी विज़न : अचीवमेंट स्ट्रैटजी' पर संगोष्ठी, आर. सी. आई. द्वारा आयोजित, इंडियन स्पाइनल इंजरिस सेंटर, नई दिल्ली, 29 जनवरी, 2001

प्रमिला मेनन

अनुसंधान अध्ययन

"कंटेन्ट अनालिसिस ऑफ ट्रेनिंग माडयूल फॉर विलेज एजुकेशन कमेटी" : सात डी.पी.ई.पी. राज्यों का अध्ययन, भाग I तथा II विषय पर अध्ययन पूर्ण किया

कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों में भागीदारी

अध्यापकों की नियुक्ति के लिए योग्यता पर राष्ट्रीय स्तर पर परामर्श बैठक में भागीदारी, इस परिचर्चा का उद्देश्य अध्यापकों की योग्यता तथा नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करना था।

ए.एस.पी.बी.ए.ई. तथा एन.आई.आर.ए.एन.टी.ए.आर. द्वारा आयोजित लैंगिक तथा शिक्षा नीति पर परामर्शकारी बैठक में भाग लिया, 31 मई - 1 जून, 2001

महत्वपूर्ण परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं

सीमेट की कार्यकारिणी समिति की बैठक में भाग लिया, 24 मई, 2001

अध्यापक शिक्षा की स्थिति की समीक्षा हेतु तथा छत्तीसगढ़ में एस.सी.ई.आर.टी. की भूमिका पर समीक्षा हेतु कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया। छत्तीसगढ़, रायपुर 20-21 सितंबर, 2001

अगरतला में राज्य स्तरीय शक्ति समिति की बैठक में भाग लिया, 27-28 सितंबर, 2001

सदस्य, मूल्यांकन दल, भारत सरकार, प्रारंभिक जिला शिक्षा योजना, सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत, चार जिले, पंजाब, चंडीगढ़, 30 अगस्त - 2 सितंबर, 2001

सदस्य, मूल्यांकन दल, प्रारंभिक जिला शिक्षा योजना, सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत भारत सरकार, 16 जिले उड़ीसा, भुवनेश्वर, 14-18 जनवरी, 2002

सदस्य, मूल्यांकन दल, प्रारंभिक जिला शिक्षा योजना, सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत भारत सरकार, चार जिले, त्रिपुरा, अगरतला, 26 फरवरी - 2 मार्च, 2002

विदेश भ्रमण

नीपा फैक्ट फाइन्डिंग मिशन के सदस्य के रूप में नेपाल का भ्रमण, 9-12 सितंबर, 2001

अरूण सी मेहता

कार्यशाला/संगोष्ठी

सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत नागालैंड सरकार के अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, शिक्षा निदेशालय नागालैंड सरकार द्वारा आयोजित, 16-18 अप्रैल, 2001 कोहिमा

डी.ई.ई.पी. की तैयारी हेतु जिला स्तर कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, शिक्षा आयुक्त द्वारा आयोजित, कर्नाटक सरकार, बंगलौर, 27-30 जून, 2001

ए.डब्ल्यू.एंड.बी. तथा जिला योजना की तैयारी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, सीमेट, पटना द्वारा आयोजित, जून 30 - 5 जुलाई, 2001

सर्व शिक्षा अभियान पर आयोजित दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति, लोक जुम्बिश परिषद्, जयपुर, 8-9 सितंबर, 2001 तथा 10-11 सितंबर, 2001

सर्वशिक्षा अभियान पर आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, शिक्षा निदेशालय, असम सरकार, गुवाहटी, 21-22 सितंबर, 2001 द्वारा आयोजित

सर्वशिक्षा अभियान पर आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, शिक्षा निदेशालय, हि. प्र. सरकार, शिमला, 28-29 सितंबर, 2001

उत्तरांचल डाइट संकाय तथा उत्तरांचल शिक्षा विभाग के शैक्षिक कर्मियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, शिक्षा निदेशालय, उत्तरांचल सरकार तथा नीपा, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, उत्तर प्रदेश शैक्षिक अकादमी, नैनीताल, 15-20 अक्तूबर, 2001

सर्वशिक्षा अभियान पर तमिलनाडु में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी, 17-19 जनवरी, 2002, शिक्षा निदेशालय, तमिलनाडु सरकार द्वारा आयोजित

बैठकें

कार्यक्रम सलाहकारी समिति, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली, 30 अप्रैल, 2001

मिजोरम तथा असम में सर्वशिक्षा अभियान बोर्ड की बैठक में भागीदारी, नई दिल्ली, जनवरी, 2002, मा.सं.वि. मंत्रालय, नई दिल्ली

प्रकाशन

पुस्तकें

इनवेस्टमेंट प्रायरटीज़ एंड कास्ट एनालिसिस : ए स्टडी आफ अपर प्राइमरी एजुकेशन इन इंडिया (एन.वी. वर्गीज़ के साथ) नीपा तथा विकास, नई दिल्ली, 2001

आलेख

एलिमेंटरी एजुकेशन इन इंडिया : करेन्ट इशूज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव, नीपा ओकेशनल पेपर सीरीज में प्रकाशित, फरवरी, 2002

इनफारमेशन रिक्वायरमेंट्स फॉर एजुकेशनल प्लानिंग : लिमिटेशन एंड गैप्स इन द एक्सिटिंग सिस्टम, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल चेंज, जिल्द XI अंक 4 तथा जिल्द XII अंक 1, जनवरी-मार्च तथा अप्रैल-जून, 1998 (मार्च, 2002 में प्रकाशित)

अन्य गतिविधियां

संयोजक, नीपा विचार मंच

पठन सामग्री

निम्नांकित पठन सामग्री तैयार की :

इंडिकेटर्स ऑफ मानिटरिंग अपर प्राइमरी एजुकेशन

इम्पैक्ट ऑफ प्राइमरी एजुकेशन आन लिटरैसी : एन एनालिसेस आफ सेन्सेस 2001 प्रीलीमनरी डाटा

कैन देयर बी आल्टरनेटिव इंडिकेटर्स ऑफ एनरालमैंट

सेन्सेस 2001 : प्रीलिमनरी पापुलेशन एनालिसेस

क्यूॅक कमेन्ट आन डिस्ट्रिक्ट वाइज सेन्सेस 2001, पापुलेशन एंड लिटरेसी रेट्स

एजुकेशन डवलपमेंट इन नार्थ ईस्ट रीज़न ऑफ इंडिया

सम रिफ्लेक्शन्स आन एस.एस.ए.

फ्राम इंडिकेटर्स ऑफ एनरोलमैंट टू अटेनडैंस

स्टेट्स ऑफ सैकेण्डरी एजुकेशन इन इंडिया

परामर्श

सदस्य, मूल्यांकन दल, 17 जिलों के मूल्यांकन के लिए लखनऊ, उत्तर प्रदेश का भ्रमण, 28 मई - 7 जून, 2001

सदस्य, मूल्यांकन दल, तमिलनाडु, 8-11 नवंबर, 2001, 22 जिला योजनाओं का मूल्यांकन

अध्यक्ष, मूल्यांकन दल, मिजोरम, 3-7 जनवरी, 2002

क्षेत्र भ्रमण

विद्यालय शिक्षा के संकेतकों की पहचान तथा विकास के लिये डी.पी.ई.पी. परियोजना के संबंध में हिसार (हरियाणा), धर्मपुरी (तमिलनाडु) तथा जोधपुर (राजस्थान) का भ्रमण

फैक्ट फाइन्डिंग मिशन के अंतर्गत काठमांडू का दौरा (विकेंद्रीकृत योजना) 19-27 अगस्त, 2001

डेपा भागीदारों के साथ शिक्षा कर्मी परियोजना, कोटपुतली का दौरा, 8 जनवरी, 2002

एस.एम.आई.ए. जैदी

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित

'शैक्षिक योजना में परिमाणात्मक तकनीक के प्रयोग' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 दिन, 3-12 अक्टूबर, 2001, सात राज्यों गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, उड़ीसा, राजस्थान, सिक्किम तथा अरूणाचलप्रदेश से 12 भागीदार

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रस्तुत आलेख

आलेख 'स्टेट्स आफ यू.ई.ई. : ए प्रोफाइल आफ नार्थ ईस्टर्न स्टेट्स टू बी कवरड अंडर सर्व शिक्षा अभियान' उत्तर पूर्व राज्यों के शिक्षा सचिवों की बैठक में प्रस्तुत किया, प्रारंभिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, 3 अप्रैल 2001

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में भागीदारी

"सर्व शिक्षा अभियान पर एशिया उप-क्षेत्रीय बैठक" में भारतीय दल के सदस्य के रूप में भागीदारी, यूनेस्को तथा नेपाल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 10-12 अप्रैल, 2001, काठमाण्डू, नेपाल

"सर्व शिक्षा अभियान पर दक्षिण मंडलीय" बैठक में भागीदारी, नीपा द्वारा शिक्षा विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से आयोजित 29-30 नवंबर 2001, बंगलौर

"सबके लिए शिक्षा पर उत्तर तथा उत्तर-पूर्व मंडलीय" बैठक में भागीदारी, शिक्षा विभाग तथा राज्य परियोजना कार्यालय डी.पी.ई.पी., पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से नीपा द्वारा आयोजित, 7-8 जनवरी 2001, कोलकत्ता

कार्यशालाओं में भागीदारी तथा परामर्श

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत शिक्षा की जिला योजना" पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी, शिक्षा विभाग, नागालैण्ड सरकार द्वारा आयोजित, 16-18 अप्रैल 2001, कोहिमा

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला प्रारंभिक शिक्षा योजना की तैयारी" पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, जनशिक्षा आयुक्त कार्यालय, कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित, 27-30 जून 2001, बंगलौर

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत डी.ई.ई.पी. की तैयारी" हेतु कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, लोक जुम्बिश परिषद द्वारा आयोजित, 8-11 सितंबर, जयपुर

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत डी.ई.ई.पी. की तैयारी" हेतु कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, एस.सी.ई.आर.टी. आसाम द्वारा आयोजित, 21-22 सितंबर 2001, गुवाहटी

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत डी.ई.ई.पी. की तैयारी" हेतु कार्यशाला, डी.पी.ई.पी. हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित, 28-29 सितंबर 2001, शिमला

"सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला योजना की तैयारी" हेतु कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति, तमिलनाडू सरकार, 18-19 जनवरी 2002, चेन्नई

डी.पी.ई.पी. तथा सर्वशिक्षा अभियान के लिए नई नियुक्ति पर आए राज्य परियोजना निदेशकों की बैठक में संसाधन व्यक्ति, प्रारंभिक शिक्षा तथा साक्षरता विभाग, मा.सं.वि, मंत्रालय द्वारा आयोजित, 6-7 मार्च 2002, नई दिल्ली

विदेश भ्रमण तथा अंतर्राष्ट्रीय परामर्श

सबके लिए शिक्षा एशिया उप-क्षेत्रीय बैठक में भागीदारी के लिए काठमाण्डू, नेपाल का भ्रमण। यह बैठक यूनेस्को तथा नेपाल सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई, 10-12 अप्रैल, 2001

शिक्षा की विकेंद्रीकृत योजना पर नीपा फैक्ट फाइडिंग मिशन के सदस्य के रूप में काठमाण्डू तथा नेपाल के कुछ अन्य जिलों का भ्रमण, 15-25 जुलाई 2001 (प्रथम चरण में), 19-27 अगस्त, 2001 (द्वितीय चरण में)

नलिनी जुनेजा

पुस्तकें/पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय

प्राइमरी एजुकेशन फॉर आल इन दि सिटी ऑफ मुंबई, इंडिया : द चैलेंजेस सेट बाय लोकल एक्टर्स, 2001 अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, यूनेस्को

प्रशिक्षण सामग्री

दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना और अनुश्रवण पर उपक्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला तथा अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए "यूजिंग स्कूल प्रोफाइल्स एंड क्लसटर प्रोफाइल्स फॉर इंप्रूविंग क्वालिटी ऑफ प्राईमरी स्कूल्स" दस्तावेज तैयार किया, नीपा तथा आई.आई.ई.पी. पेरिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित, 22 अक्तूबर से 3 नवंबर, 2001

विद्यालय प्रभाविकता में प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण अनुसंधान परियोजना के लिए सामग्री तैयार की, जिला दारांग, असम (आर. गोविंदा, सुदेश मुखोपाध्याय तथा नलिनी जुनेजा) प्रशिक्षण सामग्री के लिए स्वीकृत

जिल्द I : प्लानिंग फॉर स्कूल इंप्रूवमेंट-आउटलाइन्स एंड प्रोफाइल्स, स्कूल इम्प्रूवमेंट प्लान्स एंड क्लस्टर प्रोफाइल्स टू सपोर्ट लोकल एक्शन फॉर इम्प्रूवमेंट ऑफ स्कूल्स इन दारांग डिस्ट्रिक्ट

जिल्द II : एक्टिंग फॉर स्कूल इंप्रूवमेंट-माड्यूल्स टू सपोर्ट लोकल एक्शन फॉर इंप्रूवमेंट ऑफ स्कूल्स इन दारांग डिस्ट्रिक्ट

महत्वपूर्ण परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

6-14 आयु वर्ग समूह के बच्चों के लिए मुफ्त तथा अनिवार्य शिक्षा पर विधि कार्य समूह की सदस्या

आरंभिक शिक्षा को मूलभूत अधिकार बनाने हेतु सांविधानिक संशोधन बिल के केंद्रीय अनुवर्ती विधान प्रारूप की तैयारी हेतु प्रारूप समिति की संयोजक

सदस्य/संयोजक, सर्वशिक्षा अभियान, मेघालय, 16-21 जनवरी, 2002

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा सम्मेलनों में भागीदारी

गुड अर्बन गवरनेंस कंपेन, इंडिया लांच, यूनाइटेड नेशन्स सेंटर फॉर ह्यूमन सेटलमैन्ट्स के सहयोग से भारत सरकार द्वारा आयोजित (हैबीटेट) 4-6 सितंबर, 2001

प्राथमिक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सेंटर फॉर सिविल सोसायटी द्वारा आयोजित, 11-13 दिसंबर, 2001, इंडिया हैबीटेट सेंटर, नई दिल्ली

नेशनल कंसल्टेशन आन रीचिंग यंग चिल्ड्रन फ्रॉम अर्बन डिसएडवांटेज्ड कम्यूनिटीज़, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स, इंडिया हैबीटेट सेंटर, 14-16 मार्च, 2002

नीलम सूद

पुस्तक समीक्षाएं

दि फर्स्ट फाइव ईयर - ए क्रिटिकल पर्सपेक्टिव आन अरली चाईल्डहुड केयर एंड एजुकेशन इन इंडिया, मीना स्वामिनाथन द्वारा (सं) जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द xv , अंक 4, अक्तूबर, 2001

मूल्यांकन

सर्वशिक्षा अभियान के लिए निम्नांकित राज्यों के लिए भारत सरकार मूल्यांकन दल का नेतृत्व

मध्यप्रदेश - 4-6 सितंबर, 2001

कर्नाटक - 26-29 सितंबर, 2001

सदस्य, मूल्यांकन दल

केरल - 21-25 जनवरी, 2002

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

'लैंगिक तथा शिक्षा नीति' पर राष्ट्रीय परामर्श, (दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए आगत) ए.एस. पी.बी.ए.ई. तथा एन.आई.आर.ए.एन.टी.ए.आर. द्वारा आयोजित, 31 मई- 1 जून, 2001

'दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए दिल्ली में शिक्षा' पर कार्य समूह (दिल्ली में शिक्षा के लिए विज़न पेपर विकसित करने के लिए) एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा आयोजित, दिल्ली, 12 जुलाई, 2001

राष्ट्रीय परामर्श "रीचिंग यंग चिल्ड्रन फ्रॉम डिसएडवान्टेजड कम्यूनिटीज़" नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स द्वारा आयोजित, 14-16 मार्च, 2002

बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की आम बैठक के लिए प्रलेख पर चर्चा हेतु माननीय मा. सं.वि. मंत्री, की अध्यक्षता में बाल-विशेषज्ञों के साथ बैठक में भागीदारी, 5 सितंबर, 2001

अन्य गतिविधियां

"चिल्ड्रन इन डिफिकल्ट सरकमसेटान्ज" पर आधार व्याख्यान, जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18-19 फरवरी, 2002

परीक्षक, एम.एस.सी., चाइल्ड डवलपमेंट, जम्मू विश्वविद्यालय

जयश्री राय जलाली

आलेख

नार्थ ईस्ट एजुकेशन मिशन, संपादकीय पृष्ठ, द न्यूज़पेपर टूडे, इंडिया टूडे, 18 अप्रैल, 2001

मणिपुर इन फ्लेम्स, मेनस्ट्रीम, 14 जुलाई, 2001

रिसर्च मोनोग्राफ

"एलीमेंटरी एजुकेशन इन मणिपुर"

"डिसेन्ट्रलाइसिंग प्राइमरी एजुकेशन इन द कार्बी आंगलांग आटोनॉमस काउन्सिल ऑफ असम"

प्रशिक्षण सामग्री

"सजेस्टेड टूल फॉर मानिटरिंग स्कूल प्रोग्रेस"

एलिमेन्टरी एजुकेशन इन द नार्थ-इस्ट विद् स्पेशल रेफरेन्स टू मणिपुर, जून, 2001

संगोष्ठियों में भागीदारी

गवर्नेन्स आफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, नीपा, नई दिल्ली, 13-14 दिसंबर, 2001

ग्लोबलाइसेशन एंड चैलेंजस फॉर एजुकेशन, नीपा, नई दिल्ली, 18-20 दिसंबर, 2001

बैठकों में भागीदारी

'एजुकेशन फॉर दि फ्यूचर', अक्तूबर, प्रेस क्लब में क्रिएटिव फोरम द्वारा आयोजित

शोध कार्य निर्देशन

ए स्टडी आन इंस्पैक्शन ऑफ एडेड एलिमेन्टरी स्कूल्स इन जोनल आफिस, वानगाई, इम्फाल पश्चिमी जिला, मणिपुर, डेपा xxii शोधकार्य, नवंबर, 2001, 30 अप्रैल, 2002 एन. बीरामोगल सिंह, डेपा भागीदार के लिए

व्याख्यान

'प्रारंभिक शिक्षा पर कार्यक्रमों तथा परियोजनाओं का अनुश्रवण', डाइट कार्यक्रम, 10-21 दिसंबर, 2001.

पी.एच.डी.

डवलपमेंट ऑफ एलिमेंटरी एजुकेशन इन द नार्थ इस्ट - ए. हिस्टोरिको-कंपैरेटिव अध्ययन, इतिहास विभाग, नई दिल्ली

पी.एच.डी. पूर्व वायवा, 6 फरवरी, 2002

अनुसंधान परियोजनाएं

"डिसैंट्रलाइजिंग प्राइमरी एजुकेशन इन कारबी ऑनलांग आटोनोमॅस डिस्ट्रिक्ट ऑफ असम"

19 फरवरी से 2 मार्च, 2002-द्वितीयक आंकडों का संग्रह

3 मार्च 2002 से मार्च 2002 अंत तक- एस.सी.ई.आर.टी., डी.पी.ई.पी. कार्यालय, गोवाहटी तथा कार्बी ऑनलांग, डीपू का दौरा, 25 प्राइमरी विद्यालयों से प्राथमिक आंकड़ा संग्रह, जिला स्तरीय शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं से साक्षात्कार, घर-मालिक से बैठकें तथा साक्षात्कार, विद्यालय तथा गांव के घरो का भ्रमण तथा विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों के साथ साक्षात्कार

संसाधन व्यक्ति

शिक्षा संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश

नेहरु स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय के लिए उत्तर पूर्व के सभी विषयों पर संदर्भिका ग्रंथ

शैक्षिक मंचों में सदस्यता

कंपैरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया

दि क्रियेटिव फोरम

नेहरू मैमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

यज़ाली जोसेफिन

कार्यक्रम/सम्मेलन

'शिक्षा के भूमंडलीकरण और चुनौतियों' पर आयोजित सम्मेलन की संयोजक 18-20 दिसंबर, 2001

डेपा पाठ्यक्रम की प्रभारी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भागीदारी

- इंटरनेशनल कांफ्रेन्स आन 'इक्वालिटी इम्प्लायमेंट एंड इकानॉमिक आर्डर इन साउथ एशिया', कोनराड अदेनयार फाउण्डेशन तथा विश्व युवक केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (जर्मनी) 18-20 फरवरी, 2002

आलेख प्रकाशित/स्वीकृत

"ग्लोबलाइजेशन एंड डिज़ीटल एम्पावरमेंट इन इंडिया-चैलेंजज टू एजुकेशन" नोरॉग न्यूज (अंतर्राष्ट्रीय) सं. 29, दिसंबर, 2001

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रकाशित/स्वीकृत आलेख

शिक्षा और विकास पर छठे अंतर्राष्ट्रीय आक्सफोर्ड सम्मेलन में आलेख "ग्लोबलाइजेशन एंड डिज़ीटल एम्पावरमेंट इन इंडिया - चैलेंजस टू एजुकेशन", 19-21 सितंबर, 2001, आक्सफोर्ड

अनुसंधान परियोजनाएं

इंपैक्ट ऑफ कंवर्जेन्स ऑफ डी.पी.ई.पी. विद् ई.सी.सी.ई. : ए कंपैरेटिव स्ट्डी ऑफ गर्ल्स इनरालमेंट एंड रिटेंशन एट प्राइमरी स्कूल्स इन टू स्टेट्स

इंपैक्ट ऑफ स्ट्रक्चरल एडजेस्टमैंट प्रोग्राम्स (इकानॉमिक रिफार्म) आन यू.ई.ई. इन नार्थ ईस्टर्न रीज़न ऑफ इंडिया- ए स्पेशल फोकस आन गर्ल्स, नीपा द्वारा वित्तपोषित (जारी)

ए स्टडी ऑफ दि इंपैक्ट ऑफ डी.पी.ई.पी. आन डवलपमेंट ऑफ प्राइमरी एजुकेशन इन ट्राइबल एरियाज (डी.पी.ई.पी. द्वारा वित्त पोषित) जारी

शिक्षा मंचों में भागीदारी

सदस्य, आई.एफ.यू. डब्लयू-दिल्ली शाखा (अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय महिला संघ)

सदस्य, मूल्यांकन दल, सर्वशिक्षा अभियान:

बिहार सरकार

तमिलनाडु सरकार

मेघालय सरकार

बी.के. पांडा

जारी अध्ययन

शिक्षकों का प्रबंधन : मुद्दे तथा चुनौतियां - कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश का तुलनात्मक अध्ययन

आलेख प्रकाशित

एन अनालिसिस ऑफ टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस फालोअड इन आश्रम स्कूल्स ऑफ उड़ीसा - जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल चेंज में प्रकाशित, भारतीय शिक्षा संस्थान, पूणे, जिल्द सं xi, अंक 4, जिल्द xii, अंक 1, जनवरी - मार्च तथा अप्रैल - जून, 1998 (मई, 2001 में प्रकाशित)

प्राइमरी एजुकेशन इन द स्टेट ऑफ मणिपुर - संपादक द्वारा पुस्तक में प्रकाशन के लिए स्वीकृत (2001)

पुस्तक समीक्षाएं

"स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट इन स्कूल्स एंड कालेजस" द्वारा डेविड मिडलवुड तथा जैकी लुम्बी (सं), जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द xv, अंक 3, जुलाई, 2001

पुस्तक समीक्षाएं

पुस्तक "स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट इन स्कूल्स एंड कालेजस" की समीक्षा, द्वारा डेविड मिडलवुड तथा जैकी लुम्बी (सं), जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जिल्द xv, अंक 3, जुलाई, 2001

पुस्तक 'लर्निंग इन डेपरीवेशन' द्वारा डिल अफरोज़ क्वादर की समीक्षा, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन जिल्द xv, अंक 4, दिसंबर, 2001

संगोष्ठियां/सम्मेलन

'गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया' पर राष्ट्रीय आमंत्रण संगोष्ठी, 12-13 दिसंबर, 2001

'ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजस फॉर एजुकेशन' पर सम्मेलन, 18-20 दिसंबर, 2001

रश्मि दीवान

पुस्तकें प्रकाशित

इंप्रूविंग क्वालिटी ऑफ एजुकेशनल रिसर्च : क्वेस्ट ऑफ प्रैक्टिशनर्स एंड रिसर्चस, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, 2002

अनुसंधान आलेख/शोध पत्र

जनरेटिंग पोजिटीव वर्क एटीट्यूड फॉर प्रमोटिंग ओरगेनाइजेशनल इफेक्टिवनेस, न्यू फ्रंटियर्स इन एजुकेशन, जिल्द xxxi , अंक 3, जुलाई- सितंबर, 2001

नगरीय विद्यालयों में रूपान्तरणपरक प्रतिनिधित्व : भारतीय अनुभवों की झलकियां, परिप्रेक्ष्य, अंक 3, जुलाई 7, दिसंबर, 2000

आलेख प्रस्तुतिकरण

एक्सपैंडिंग दि स्पेकट्रम ऑफ हायर एजुकेशन : इज इट ए डिफिकल्ट प्रोपोज़ीशन इन दि एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन, ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजस फॉर एजुकेशन पर सम्मेलन में प्रस्तुत आलेख - 18-20 दिसंबर, 2001

प्रशिक्षण कार्यक्रम

विद्यालय प्रबंधन में विद्यालय प्रमुखों की भूमिका, 16-17 मई, 2001

बेसिक शिक्षा में व्यावसायिक नेटवर्किंग पर तकनीकी परामर्श, 27-28 अप्रैल, 2001

अर्द्ध शिक्षकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 1-2 फरवरी, 2002

प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सम्मेलनों में भागीदारी

प्रोग्रेस ऑफ लिटरेसी इन इंडिया : व्हाट दि सेनसेस 2001 रिविल्स, 5 अक्तूबर, 2002

दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना और अनुश्रवण पर उप-क्षेत्रीय अभिविन्यास तथा प्रशिक्षण कार्यशाला, 22 अक्तूबर- 3 नवंबर, 2001

कमलकांत बिस्वाल

प्रकाशन

प्रो. आर. गोविंद के साथ कंट्री पेपर "एजुकेशन फॉर आल : डवलपमेंट सिन्स डकार" प्रकाशित, नीपा द्वारा ई-9 मंत्री स्तर समीक्षा बैठक के लिए, बीजींग, चीन 21 से 23 अगस्त, 2001,

आलेख

"रोल ऑफ एन.एफ.ई. इन अचीविंग दि गोल ऑफ एजुकेशन फॉर आल इन इंडिया", आलेख, एंट्रीप न्यूज़लेटर, 6 (2), जुलाई-दिसंबर, 2001

प्रशिक्षण सामग्री

"प्रैक्टिकल एक्सरसायज़ आन स्कूल मैपिंग" इसका प्रयोग विद्यालय मानचित्रण तथा सूक्ष्म योजना के कार्यक्रमों में किया गया।

इसके अतिरिक्त "सोल्यूशंस टू दि प्रैक्टिकल एक्सरसायज़ आन स्कूल मैपिंग" पर सामग्री विकसित की

कई शेड्यूल्स का विकास (हाउसहोल्ड शेड्यूल) तथा हाउसहोल्ड शेड्यूल के लिए फार्मेट, इनका प्रयोग शिक्षा में सूक्ष्म योजना के कार्यक्रमों में किया गया

परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए आरंभिक शिक्षा के उप-समूह की रिपोर्ट की तैयारी में सहयोग, प्रो. बी. पी. खण्डेलवाल उप-समूह के अध्यक्ष थे।

सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत जिला आरंभिक शिक्षा (परिप्रेक्ष्य तथा वार्षिक कार्य योजना) के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य के रूप में निम्नांकित राज्यों का दौरा

कर्नाटक, बंगलौर (26-29 सितंबर, 2001)

महाराष्ट्र, पूणे तथा मुंबई (21-24 नवंबर, 2001)

मिज़ोरम, आईज़ोल (3-8 जनवरी, 2002)

मूल्यांकन रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी तथा योजना अनुमोदन पर बैठकों में भाग लिया

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा सम्मेलनों में भागीदारी

भारत में माध्यमिक शिक्षा में सुधार के परिप्रेक्ष्य पर बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2002

विद्यालय सुविधाओं तथा अध्यापक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, नीपा, नई दिल्ली, 25-27 फरवरी, 2002

संगोष्ठी "लिटरेसी इन इंडिया : व्हाट दि सेन्सेस 2001 रिविल्स" नीपा, नई दिल्ली , 5 अक्तूबर, 2001, इसके अतिरिक्त एक सत्र में रिपोर्टर की भूमिका निभाई

"कासेज ऑफ हाई ड्रापआउट रेट्स एट प्राइमरी लेवल ऑफ एजुकेशन इन सलेक्ट डी.पी.ई.पी. डिस्ट्रिक्ट इन उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, पश्चिमी बंगाल, उड़ीसा तथा असम, पर प्रधान अन्वेषणकर्त्ताओं की राष्ट्र स्तरीय बैठक में भाग लिया एड सिल के तकनीकी समर्थन समूह द्वारा प्रायोजित 27-29 अगस्त, 2001

आर.एस. त्यागी

प्रशिक्षण कार्यक्रम/संगोष्ठियां

वरिष्ठ राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए सांस्थानिक योजना और प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम, 3-14 सितंबर, 2001, आंध्र प्रदेश, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिज़ोरम, मेघालय, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल तथा नवोदय विद्यालय तथा केंद्रीय विद्यालय संगठनों से 37 भागीदार, 17 राज्य/संघ शासित प्रदेश

उत्तरांचल में डाइट संकाय तथा क्षेत्र स्तरीय शैक्षिक अधिकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (15-20 अक्तूबर, 2001) प्रशासन अकादमी, उत्तरांचल जिला शिक्षा अधिकारियों, डाइट संकाय, तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 28 भागीदार

'गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन' पर राष्ट्रीय आमंत्रण संगोष्ठी, 13-14 दिसंबर, 2001, कार्यक्रम संयोजक, यह कार्यक्रम प्रो. एम. मुखोपाध्याय के निर्देशन में किया गया। शिक्षा सचिवों/निदेशकों सहित 22 भागीदार

आलेख प्रस्तुत तथा सम्मेलनों/संगोष्ठियों कार्यशालाओं में भागीदारी

'आर्गेनाइजेशन एंड एडमिनिस्ट्रेशन - ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव' आलेख 'भारत में विद्यालयी शिक्षा का अभिशासन' पर राष्ट्रीय आमंत्रण संगोष्ठी में प्रस्तुत किया नीपा द्वारा आयोजित 13-14 दिसंबर, 2001

शिक्षा के भूमंडलीकरण और चुनौतियों पर नीपा द्वारा आयोजित सम्मेलन सें आलेख 'एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन - नीड फार रिफार्म इन दि एरा ऑफ ग्लोबलाइसेशन' प्रस्तुत किया, 18-20 दिसंबर, 2001

'परियोजना योजना तथा अनुश्रवण व्यवस्था' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया 6-10 अगस्त, 2001

पुस्तकें तथा पुस्तकों में अध्याय

'एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन तमिलनाडु', नीपा, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2001

'एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन गुजरात', स्ट्रकचर, प्रोसेस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस नीपा, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2001

'गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया', प्रो. मुखोपाध्याय के साथ सह-संपादन, नीपा, नई दिल्ली, 2001

"एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया" एम. मुखोपाध्याय तथा आर.एस. त्यागी (सं), गर्वनेंस आफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, नीपा, नई दिल्ली, 2001

'आर्गेनाइजेशन एंड एडमिनिस्ट्रेशन - ए कंपेरेटिव पर्सपेक्टिव', मुखोपाध्याय एम. तथा आर. एस. त्यागी (सं), गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया, नीपा, नई दिल्ली, 2001

आलेख प्रकाशित

'रिफार्मिंग प्लानिंग एंड मैनेजमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन, ए केस आफ बिहार' जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल चेंज जिल्द xi , अंक 4 तथा जिल्द xii, अंक 1, जनवरी-मार्च तथा अप्रैल-जून, 1998 (यह जर्नल मार्च, 2002 में प्रकाशित हुआ)

शैक्षिक प्रशासन में सतत सुधार की आवश्यकता, परिप्रेक्ष्य (हिंदी जर्नल), दिसंबर, 2001,नीपा, नई दिल्ली

अनुसंधान अध्ययन

शैक्षिक योजना और प्रबंधन में उत्तरांचल के डाइट प्राचार्यों तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों के प्रकार्य, नीपा द्वारा प्रायोजित, नीपा, 2001

परामर्श

उत्तरांचल के सात जिलों की वार्षिक कार्य योजना तथा बजट के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य, 5-9 नवंबर, 2001

असम के 14 जिलों की वार्षिक कार्य योजना तथा बजट के मूलयांकन हेतु भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य, 3-6 जनवरी, 2002

हिमाचल प्रदेश के 5 जिलों की वार्षिक कार्य योजना तथा बजट के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य, 21-25 जनवरी, 2002

नीरू स्नेही

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों में भागीदारी

'विज्ञान शिक्षा में पर्यावरण मुद्दों का समावेश' पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला में भागीदारी, पंजाब राज्य विज्ञान तथा तकनीकी परिषद चंडीगढ़, 16-20 अप्रैल, 2001

'शिक्षा में भूमंडलीकरण तथा चुनौतियां' विषय पर कार्यशाला, नीपा, 18-20 दिसंबर, 2001

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

"प्रमोटिंग प्रैक्टिकल इंटरवेंशन्स एंड पार्टीसेपेटरी अप्रोच इन साइन्स एजुकेशन विद रिसपेक्ट टू लोकल इनवायरमेन्टल कंसर्न्स एंड सोशियो कल्चरल इनपुट'' पुस्तक "ग्रीनिंग साइन्स एजुकेशन'' में, विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा विभाग, यूनेस्को द्वारा प्रकाशित, जून, 2001

महत्वपूर्ण परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

मूल्यांकन दल के सदस्य के रूप में हरियाणा तथा पंजाब राज्यों के लिए सर्वशिक्षा अभियान हेतु जिला प्रारंभिक शिक्षा योजना की तैयारी के लिए परामर्श सेवाएं

मधुमिता बंधोपाध्याय

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

"शिक्षा में भूमंडलीकरण तथा चुनौतियों" पर सम्मेलन, नीपा, 18-20 दिसंबर, 2001

"डी.पी.ई.पी. राज्यों में विद्यालयों की गुणवत्ता अनुश्रवण" पर राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम, 7-9 अगस्त, 2001, होटल कनिष्का, एड सिल तथा मा.सं. वि. मंत्रालय (विद्यालय सुधार योजना पर खुली चर्चा में भागीदारी)

"मेकांग - गंगा परियोजना" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, ताज मानसिंह, विदेश मंत्रालय, 18-20 जून 2001, (रिपोर्टर)

प्रकाशन

पुस्तकें/पुस्तकों में अध्याय

आलेख

'पालिसी ऑफ स्कूल एजुकेशन्स' पुस्तक 'एक्सपिरियंस ऑफ स्कूल एजुकेशन' में, सह-लेखक प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल, एन.सी.ई.आर.ई.टी. द्वारा प्रकाशित, नवंबर, 2001

गीता रानी

पुस्तक समीक्षाएं

वाले, वैन दि डोमिनक तथा के नीड (सं), पब्लिक स्पेन्डिंग एंड दि पुअर : थ्योरी एंड एविडेन्स, बाल्टीमोर तथा लंदन, जॉन हापकिन्स यूनिवर्सिटी प्रेस, विश्व बैंक के लिए, 1995, पृष्ठ 619 जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, जुलाई, 2001, जिल्द 15, अंक 3, पृष्ठ 403-404

पारिख, एस किरीत, इंडिया डवलपमेंट रिपोर्ट, 1999-2000 आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 1999, पृष्ठ 300, जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन में, अक्तूबर, 2001, जिल्द 15, अंक 4, पृष्ठ 521-523

प्रशिक्षण सामग्री

पठन सामग्री शीर्षक "मैथेड्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ स्टुडेन्ट लोन प्रोग्राम्स इन डवलपिंग एंड डवलपड कंट्रीज", 'स्टुडेन्ट लोन्स विद रेफरेन्स टू वीकर सेक्शन्स' पर आयोजित कार्यशाला में प्रचारित किया गया, 28 नवंबर 2001

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भागीदारी

'स्टूडेंट लोनस विद रेफरेन्स टू वीकर सेक्शनस' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'ए रिव्यू आफ दि मेथडस एंड प्रैक्टिस आफ स्टूडेन्ट लोन प्रोग्राम इन डवलपिंग एंड डवलपड कंट्रीज़ प्रस्तुत किया, 28 नवंबर, 2001

'फायनेसिंग ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया इन दि कांटेक्सट ऑफ ग्लोबलाइसेशन' अनुसंधान आलेख "शिक्षा में चुनौतियां तथा भूमंडलीकरण" पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया, 18-20 दिसंबर, 2001, नीपा

के. श्रीनिवास

आलेख

नीपा द्वारा दिनांक 18-20 दिसंबर 2001 के दौरान शिक्षा में चुनौती तथा भूमंडलीकरण पर आयोजित सम्मेलन में आलेख 'इंपलिकेशन ऑफ ग्लोबलाइजेशन फार नॉलेज, एजुकेशन एंड लर्निंग' प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण सामग्री

श्री लंका से आये शिक्षा अधिकारियों तथा प्राचार्यों के लिए प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु विद्यालय प्रबंधन में कंप्यूटर पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित की

आईडेपा - XVIII प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में संगणक अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित की

पी.एन. त्यागी

मानचित्र कक्ष विभिन्न परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर ग्राफिक्स सुविधाएं प्रदान करता है। मानचित्रण कक्ष आंकड़ा तथा सूचना की नई विधियां मानचित्रों, ग्राफ, डिसप्ले चार्ट, प्रमाणपत्र तथा तालिकाओं द्वारा विभिन्न प्रकाशनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अनुसंधान परियोजनाओं के के माध्यम से विकसित करता है।

यह कक्ष जेपा, परिप्रेक्ष्य, वार्षिक रिपोर्ट, विभिन्न राज्यों की शैक्षिक प्रशासन रिपोर्टों में चित्र प्रस्तुतिकरण में योगदान देता है।

अतिरिक्त कार्यभार

निदेशक के विशेष कार्य-अधिकारी, दिनांक 29 अप्रैल, 2000 से

आहरण और संवतिरण अधिकारी, दिनांक 9 मई, 2000 से

कौसर विजारत

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदी

"थ्रस्ट एरिया ऑफ डवलपमेंट ऑफ हायर एजुकेशन ड्यूरिंग टेन्थ फाइव ईयर प्लान", कार्यक्रम संयोजक (26-27 अप्रैल, 2001), राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला

"ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज अंडर दि डब्ल्यू. टी.ओ. रेजिम" (कार्यक्रम संयोजक) 11 सितंबर, 2001), कुलपतियों, अध्यक्षों तथा विशेषज्ञों की राष्ट्रस्तरीय बैठक

"ट्रेड इन एजुकेशन सर्विसेज अंडर दि डब्ल्यू. टी. ओ. रेजिम" सभी तकनीकी समिति की बैठकों में भाग लिया

"वूमेन बॉस एंड मेल सबोर्डिनेट" पर पैनल चर्चा में भाग लिया, ई.टी.वी., 20 अक्तूबर, 2001

'बुक ऑन लाइफ हिस्ट्री ऑफ साइन्टिस्ट' (उर्दू) पर अनुसंधान कार्य

'पायनियर ऑफ लिटरेसी' डाक्यूमेंट्री फिल्म श्रृंखला के लिए प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय, मा.सं.वि. मंत्रालय के लिए अनुसंधान कार्य

'ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजेस फार एजुकेशन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18-20 दिसंबर, 2001

"आइडेंटिटी क्राइसेज आफ वर्किंग वूमेन विद स्पेशल रेफरेन्स टू देयर ओन परसुट्स" कन्या महाविद्यालय, जालन्धर में राष्ट्रीय संगोष्ठी, 16-17 मार्च, 2002

मंजू नरूला

पुस्तक समीक्षाएं

भूषण सुधांशु (सं.) स्टेट, स्कूल एंड कम्युनिटी : रोल आफ स्टेट इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशनल मेंनेजमैंट एंड ट्रेनिंग इन ए चेंजिंग पर्सपेक्टिव, सीमेट, पटना, 2000, पृष्ठ 123, न्यू फ्रंटियर्स इन एजुकेशन, जिल्द XXXI, अंक 3, जुलाई-सितंबर, 2001

सम्मेलनों में प्रस्तुत आलेख

'ग्लोबलाइजेशन : क्रिटिकल इशूज इन इंडियन हायर एजुकेशन', शिक्षा में भूमंडलीकरण तथा चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 18-20 दिसंबर, 2001, नीपा, नई दिल्ली

'मैनेजिंग कैपिसिटी बिल्डिंग फार स्कूल प्रिंसिपल्स' माध्यमिक शिक्षा पर केन्द्रित राष्ट्रीय सम्मेलन 14-16 फरवरी, 2001, नीपा, नई दिल्ली

प्रशिक्षण सामग्री

'टाइम मैनेजमेंट' पर प्रशिक्षण सामग्री विकसित की

संगोष्ठियों / सम्मेलनों में भागीदारी

'सक्सेसफुल स्कूल 2001 : ए कांफ्रेन्स विद ए नेशनल प्रजेंस एंड इंटरनेशनल पर्सपेक्टिव, 24-26 अप्रैल, 2001, जागृति द्वारा आयोजित : शिक्षक केन्द्र, बंगलौर

'ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजेज फार एजुकेशन' पर सम्मेलन, 18-20 दिसंबर, 2001, नीपा, नई दिल्ली

भ्रमणकारी प्रशिक्षु के रूप में 'शैक्षिक योजना और प्रबंधन' पर विकसित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, आई.आई.ई.पी., पेरिस, फ्रांस, 21 जनवरी-10 अप्रैल, 2002

'फोकस सेकैन्डरी एजुकेशन' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 14-16 फरवरी, 2001, नीपा द्वारा आयोजित

सुनीता चुग

"एजुकेशनल स्टेट्स ऑफ चिल्ड्रन इन अर्बन स्लम्स विद रेफेरेन्स टू अवेलेबल एजुकेशनल फैसिलीटीज" : ए केस स्टडी आफ संजय कालोनी आफ ओखला। फेस- II, नई दिल्ली, विषय पर जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा पी. एच-डी प्रदान की गई।

एन.के. मोहन्ती

अनुसंधान आलेख / प्रलेख

प्रो.बी.पी. खण्डेलवाल, निदेशक, नीपा की अध्यक्षता में दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007) के लिए आरंभिक शिक्षा तथा प्रौढ़ शिक्षा पर कार्य समूह के लिए आरंभिक शिक्षा पर उप समूह की रिपोर्ट तैयार की।

प्रशिक्षण सामग्री

यूज आफ डिस्क्रिप्टिव स्टैटिस्टिक्स इन एजुकेशनल प्लानिंग

यूज आफ कोरीलेशन एंड रिग्रेशन एनालिसिस इन एजुकेशनल प्लानिंग

महत्वपूर्ण परामर्शकारी तथा सलाहकारी सेवाएं

भारत में आरंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के लिए उच्च प्राथमिक तथा सर्व शिक्षा अभियान पर नई योजनाओं के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को सलाहकारी सेवाएं प्रदान की

सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले के 17 ब्लाकों में आरंभिक शिक्षा योजना का मूल्यांकन किया

सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत लखनऊ, उत्तर प्रदेश के लिए भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य, 17 जिलों में आरंभिक शिक्षा योजना का मूल्यांकन, 29 मई, 2001 से 2 जून, 2001, रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी

सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के 8 जिलों में आरंभिक शिक्षा योजना के मूल्यांकन हेतु भारत सरकार के मूल्यांकन दल के सदस्य के रूप में इटानगर, अरुणाचल प्रदेश का दौरा, 16 जनवरी, 2002 से 20 जनवरी, 2002, रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपी,

भारत में आरंभिक शिक्षा के सार्वजनिकरण पर उच्च प्राथमिक तथा सर्वशिक्षा अभियान की नई योजनाओं पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली की सलाहकारी सेवाएं प्रदान की

संगोष्ठियां/सम्मेलन

नीपा, एन.सी.ई.आर.टी. तथा मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सर्वशिक्षा अभियान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया 19-20 जुलाई, 2001

वी.पी.एस. राजू

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों में भागीदारी

"प्रोग्रेस ऑफ लिटरेसी इन इंडिया - व्हाट दि 2001 सेन्सेस रिविल्स?" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 5 अक्तूबर, 2001, नीपा द्वारा आयोजित

'गवर्नेंस ऑफ स्कूल एजुकेशन इन इंडिया' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 12-13 दिसंबर, 2001

'ग्लोबलाइजेशन एंड चैलेंजस फार एजुकेशन' पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी, 18-20 दिसंबर, 2001, नई दिल्ली

परिशिष्ट I

नीपा परिषद् (31 मार्च 2002 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. श्री मुरली मनोहर जोशी
   मानव संसाधन विकास मंत्री
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

2. प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

पदेन सदस्य

3. प्रो. हरि गौतम
   अध्यक्ष
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली

4. सचिव
   माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा विभाग
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

5. सचिव
   वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लाक
   नई दिल्ली, (या उनके प्रतिनिधि)

6. सचिव
   कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग
   नार्थ ब्लाक
   नई दिल्ली (या उनके प्रतिनिधि)

7. सचिव
   योजना आयोग
   योजना भवन
   नई दिल्ली (या उनके प्रतिनिधि)

8. प्रो. जे. एस. राजपूत
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
   नई दिल्ली

राज्य शिक्षा सचिव

9. श्री देंगनुना
   शिक्षा सचिव तथा आयुक्त
   मिजोरम सरकार, सचिवालय परिसर
   आईजोल-796001

10. सचिव
    विद्यालय शिक्षा, पश्चिम बंगाल सरकार
    विकास भवन, छठा तल
    साल्ट लेक
    कोलकाता-700091

11. श्री प्रेम प्रशान्त
    शिक्षा सचिव तथा आयुक्त
    हरियाणा सरकार
    नया सचिवालय
    कक्ष सं. 129/2
    चंडीगढ़-160001

12. श्री आर.सी. कानाडे
प्रधान सचिव (विद्यालय शिक्षा)
महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय
मुंबई-400032

13. श्रीमती एम. छाया रतन
शिक्षा सचिव (विद्यालय शिक्षा)
आंध्र प्रदेश सरकार
जे.ब्लाक, ए.पी. सचिवालय
हैदराबाद-500022

14. सुश्री नूतन गुहा बिस्वास
शिक्षा आयुक्त तथा सचिव
अंडमान तथा निकोबार द्वीप
समूह प्रशासन पोर्ट ब्लेयर-744101

राज्य शिक्षा निदेशक

15. डा. जी.एन. तालुकदार
माध्यमिक शिक्षा निदेशक
असम सरकार, काहिलीपाड़ा
गुवाहाटी-781019

16. श्री अनिल के. श्रीवास्तव
माध्यमिक शिक्षा निदेशक
बिहार सरकार, नया सचिवालय
पटना-800015

17. श्री एस.सी. राय
माध्यमिक और उच्च माध्यमिक
शिक्षा निदेशक
हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला-171001

18. श्री बी.एल. आर्य
माध्यमिक शिक्षा निदेशक
राजस्थान सरकार
बीकानेर-305001

19. श्री आर. थिवामनी
विद्यालय शिक्षा निदेशक
तमिलनाडु सरकार, डी.पी.आई. परिसर
कालेज रोड, चेन्नई-600006

20. श्री जी. पनेरसेलवम
शिक्षा निदेशक
पांडिचेरी सरकार
सरम, पी.एच.बी. भवन
पांडिचेरी-605001

विख्यात शिक्षाविद्

21. डा. एस.वी. गिरि
कुलपति
सत्य साईं विश्वविद्यालय, पुट्टापरथी
प्रशांतनिलायम-515134
जिला अनंतपुर,
आंध्र प्रदेश

22. डा. उमा तुली
'अमरज्योति' सहायतार्थ न्यास
एन-192, ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ली-110048

23. प्रो. पी. एल. चतुर्वेदी
कुलपति
अजमेर विश्वविद्यालय
अजमेर (राजस्थान)

24. डा. एम.आई. खान
कुलपति
आगरा विश्वविद्यालय,
आगरा (उ.प्र.)

25. डा. के.जी. रस्तोगी
भूतपूर्व आचार्य, एन.सी.ई.आर.टी.
ई-923, सरस्वती विहार
दिल्ली-110034

26. कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय, रेड क्रास भवन
शिवाजी नगर
भोपाल-462016

कार्यकारी समिति के [illegible]

27. श्री सी. बालकृष्णन
संयुक्त सचिव (योजना)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शिक्षा विभाग
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

28. वित्त सलाहकार
मा.सं.वि. मंत्रालय, शिक्षा विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

29. शिक्षा सचिव
पश्चिम बंगाल सरकार
कोलकाता

30. निदेशक
सीमैट, एलेनगंज,
इलाहाबाद-211002

31. प्रो. सी. सुब्बा राव
अध्यक्ष
आंध्र प्रदेश उच्च शिक्षा राज्य परिषद्
पोस्ट बाक्स नं. 34, सैफाबाद
हैदराबाद-500 004

नी[illegible]काय

32. डा. जे.बी.जी. तिलक
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक वित्त एकक
नीपा

33. डा. (श्रीमती) पी. मेनन
अध्येता
प्रादेशिक प्रणाली एकक
नीपा

34. सुश्री वाई. जोसेफिन
सह-अध्येता
शैक्षिक प्रशासन एकक, नीपा

35. श्री पी.आर.आर. नायर *सचिव*
कुलसचिव
नीपा

परिशिष्ट II

नीपा कार्यकारी समिति (31 मार्च, 2002 के अनुसार)

1. प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल, *अध्यक्ष*
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

2. प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय
   संयुक्त निदेशक
   नीपा
   नई दिल्ली

3. श्री सी. बालकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग
   नई दिल्ली

4. वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. प्रधान सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग, योजना भवन
   नई दिल्ली

6. सचिव (विद्यालय शिक्षा)
   पश्चिम बंगाल सरकार
   विकास भवन, छठा तल
   साल्ट लेक
   कोलकाता - 700 091

7. श्री के. एम. त्रिपाठी
   निदेशक
   सीमैट, एलेनगंज
   इलाहाबाद - 211 002

8. प्रो. सी. सुब्बा राव
   अध्यक्ष
   आंध्र प्रदेश उच्च शिक्षा राज्य परिषद
   पोस्ट बाक्स न. 34, सैफाबाद
   हैदराबाद - 500 004

9. डा. (श्रीमती) उमा तुली
   प्रबंध निदेशक
   'अमर ज्योति'
   पुनर्वास तथा अनुसंधान केन्द्र
   कड़कड़डूमा, विकास मार्ग
   नई दिल्ली

10. डा. जे.बी.जी. तिलक
    वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
    शैक्षिक वित्त एकक
    नीपा, नई दिल्ली

11. सुश्री वाई. जोसेफिन
    सह-अध्येता
    शैक्षिक प्रशासन एकक, नीपा

12. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
    कुलसचिव
    नीपा

परिशिष्ट III

वित्त समिति (31 मार्च, 2002 के अनुसार)

1. प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल
   अध्यक्ष
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली

2. प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय
   संयुक्त निदेशक
   नीपा
   नई दिल्ली

3. श्री सी. बालकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

4. वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली

5. श्री जे. एम. पाठक
   सचिव (विद्यालय शिक्षा)
   महाराष्ट्र सरकार, मंत्रालय उपभवन
   मुंबई

6. डा. जे.बी.जी. तिलक
   वरिष्ठ अध्येता तथा अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त एकक
   नीपा
   नई दिल्ली

7. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
   कुलसचिव
   नीपा
   नई दिल्ली

परिशिष्ट IV

योजना और कार्यक्रम समिति (31 मार्च, 2002 के अनुसार)

1. प्रो. बी.पी. खण्डेलवाल
   अध्यक्ष
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली
2. प्रो. मर्मर मुखोपाध्याय
   संयुक्त निदेशक
   नीपा, नई दिल्ली
3. श्री सी. बालकृष्णन
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग
   नई दिल्ली
4. अतिरिक्त सचिव
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग
   नई दिल्ली
5. प्रधान सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग
   नई दिल्ली
6. कुलपति
   इं.गां.रा.मु. विश्वविद्यालय
   मैदानगढ़ी
   नई दिल्ली
7. अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा)
   गुजरात सरकार
   सरदार पटेल भवन
   गांधी नगर 382 010
8. शिक्षा सचिव
   हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला
9. श्री टी. एम. विजय भास्कर
   जन शिक्षा आयुक्त, कर्नाटक सरकार
   नया पब्लिक कार्यालय, नरुपाथुंगा रोड
   बैंगलौर 560 001
10. श्री अमृत प्रकाश
    शिक्षा निदेशक
    उत्तर प्रदेश सरकार, 18 पार्क रोड
    लखनऊ 226 001
11. प्रो. के.जी. मावानी
    कुलपति
    सौराष्ट्र विश्वविद्यालय
    विश्वविद्यालय रोड
    राजकोट 360 005
12. कुलपति
    जबलपुर विश्वविद्यालय
    जबलपुर
13. प्रो. कमल नारायण काबरा
    भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
    आई.पी. एस्टेट
    नई दिल्ली-110002
14. प्रो. राम सिंह
    सेवानिवृत्त डीन
    विधि संकाय
    इलाहाबाद विश्वविद्यालय
    इलाहाबाद

15. प्रो. वी. एस. गौतम
प्रबंधन अध्ययन विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
नई दिल्ली 110 016

16. प्रो. रवीन्द्र नाथ पाल
अध्यक्ष, राजनीति विभाग
पंजाबी विश्वविद्यालय
पटियाला 147 001

17. डा. जी.डी. शर्मा
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
उच्च शिक्षा एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

18. डा. आर. गोविंद
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक
नीपा, नई दिल्ली 110 016

19. डा. जे.बी.जी. तिलक
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक वित्त एकक
नीपा, नई दिल्ली

20. डा. वाई.पी. अग्रवाल
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
संक्रियात्मक अनुसंधान और
प्रबंधन प्रणाली एकक
नीपा
नई दिल्ली 110 016

21. डा. (श्रीमती) के. सुधा राव
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक नीति एकक
नीपा
नई दिल्ली 110 016

22. डा. (सुश्री) के. सुजाता
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय एकक
नीपा
नई दिल्ली-110 016

23. श्री पी.आर.आर. नायर, *सचिव*
कुलसचिव
नीपा
नई दिल्ली 110 016

परिशिष्ट V

संकाय तथा प्रशासनिक स्टाफ (31 मार्च, 2002 के अनुसार)

निदेशक
प्रो. बी. पी. खण्डेलवाल

संयुक्त निदेशक
मर्मर मुखोपाध्याय

शैक्षिक योजना एकक
के. बिस्वाल, सह-अध्येता
एन. स्नेही, सह-अध्येता
एन.के. मोहंती, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक प्रशासन एकक
सुदेश मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
वाई. जोसेफिन, सह-अध्येता
आर.एस. त्यागी, सह अध्येता
मंजू नरूला, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक वित्त एकक
जे. बी. जी. तिलक, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
गीता रानी, सह-अध्येता
ए. एन. रेड्डी, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक नीति एकक
के. सुधा राव, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
एम. बंधोपाध्याय, सह-अध्येता

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक
आर. गोविंद, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
नलिनी जुनेजा, अध्येता
नीलम सूद, अध्येता
रश्मि दीवान, सह-अध्येता
एस. के. मलिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

उच्च शिक्षा एकक
जी. डी. शर्मा, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
कौसर विजारत, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

प्रादेशिक प्रणाली एकक
प्रमिला मेनन, अध्येता
अरुण सी. मेहता, अध्येता
एस.एम.आई.ए. जैदी, अध्येता
जे. जलाली, सह-अध्येता

अंतर्राष्ट्रीय एकक
के. सुजाता, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
बी. के. पांडा, सह-अध्येता
वी. पी. एस. राजू, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंधन एकक
वाई. पी. अग्रवाल, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
सुनीता चुग, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

संगणक केन्द्र
के. श्रीनिवास, सिस्टम एनलिस्ट
एकता नाहर, कंप्यूटर प्रोग्रामर
(ई.ओ.एल. पर)

कुलसचिव
पी. आर. आर. नायर

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र
दीपक मकोल, पुस्तकालयाध्यक्ष
बी.डी. जोशी, व्यावसायिक सहायक

प्रकाशन एकक
एम.एम. आजवानी, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष
सुभाष शर्मा
हिंदी संपादक

मानचित्रण कक्ष
पी.एन. त्यागी, मानचित्रकार
(संगणक अनुप्रयोग)

प्रशासन और वित्त

जी.एस. भारद्वाज, प्रशासनिक अधिकारी
एस.आर. चौधरी, अनुभाग अधिकारी
पी. मणि, अनुभाग अधिकारी
आर.सी. शर्मा, अनुभाग अधिकारी
उज्जवल भट्टाचार्य, अनुभाग अधिकारी

परिशिष्ट VI

वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट

परिशिष्ट VI

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना

1.4.2001 से 31.3.2002 तक

2000-2001		प्राप्तियां	2001-2002	
		अर्थशेष		
0.00		हस्तगत रोकड़	0.00	
5000.00		अग्रदाय	5,000.00	
25,032,777.90	25,037,777.90	बैंक में रोकड़	14,440,235.52	14,445,235.52
		भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान		
20,100,000.00		योजनेतर	20,994,077.00	
32,500,000.00	52,600,000.00	योजना	21,997,394.00	42,991,471.00
1,379,410.00	1,379,410.00	छात्रावास किराया	1,341,560.00	1,31,560.00

और प्रशासन संस्थान

की प्राप्तियां और भुगतान लेखा

2000-2001		भुगतान	2001-2002	
		योजनेतर (व्यय)		
		अधिकारियों का वेतन		
458,187.00		प्रशासन	411,640.00	
100,004.00		वित्त तथा लेखा	107,000.00	
3,215,147.00		अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	3,368,351.00	
331,270.00		पुस्तकालय तथा प्रलेखन	535,272.00	
138,049.00	4,242,657.00	प्रकाशन	140,150.00	4,562,413.00
		संस्थागत वेतन		
2,896,847.00		प्रशासन	2,869,507.00	
408,520.00		वित्त तथा लेखा	400,040.00	
2,641,406.00		अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	2,686,989.00	
442,676.00		पुस्तकालय तथा प्रलेखन	448,405.00	
265,055.00		प्रकाशन	271,715.00	
250,325.00	6,904,829.00	छात्रावास	255,345.00	6,932,001.00
		भत्ते तथा मानदेय		
2,127,535.00		प्रशासन	2,341,893.00	
345,472.00		वित्त तथा लेखा	365,140.00	
3,012,756.00		अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	3,671,085.00	
452,752.00		पुस्तकालय तथा प्रलेखन	340,919.00	
315,711.00		प्रकाशन	354,055.00	
169,803.00	6,424,029.00	छात्रावास	186,388.00	7,259,480.00
258,317.00	258,317.00	समयोपरि भत्ता	227,161.00	227,161.00
274,000.00	274,000.00	चिकित्सा व्यय अग्रिम	108,000.00	108,000.00
777,560.00	777,560.00	चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	492,104.00	492,104.000
293,357.00	293,357.00	अवकाश यात्रा रियायत	12,480.00	12,480.00
243,102.00	243,102.00	तदर्थ बोनस	246,289.00	246,289.00
2,384,418.00	2,384,418.00	पी.एफ. पर ब्याज अंशदाता को भुगतान	2,360,624.00	2,360,624.00
33,759.00	33,759.00	भ.नि. जमा लिंक बीमा योजना	23,367.00	23,367.00

प्राप्त ब्याज

54,349.00		निवेश पर ब्याज	71,322.00	
3,261,238.57		पी.एफ. निवेश पर ब्याज	2,446,520.00	
406,309.06		बचत बैंक खाता पर ब्याज	446,342.72	
12,112.39		पी.एफ. खाते पर ब्याज	6,663.37	
11,575.00	3,745,584.02	ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज	46,331.00	3,017,179.09

प्रकाशनों की बिक्री

31,608.50	31,608.50	रायल्टी	43,443.00	43,443.00
428,514.00	428,514.00	चिकित्सा अग्रिम की वापसी	50,916.00	50,916.00

भुगतान

112,494.00	112,494.00	अवकाश वेतन तथा पेंशन योगदान	6,313.00	6,313.00
1,785,609.00	1,785,609.00	पेंशन तथा उपदान	4,272,395.00	4,272,395.00
		अकादमिक गतिविधियां		
18,000.00		विज्ञापन प्रभार	9,458.00	
2,80,372.00		मनोरंजन प्रभार	74,180.00	
239,190.00		विविध आकस्मिक्ताएं	580.00	
73,366.00		मुद्रण/जिल्द प्रभार	8,243.00	
23,825.00		डाक व तार प्रभार	105,558.00	
44,572.00		पैट्रोल, ऑयल तथा ल्यूब्रीकेंट प्रभार	23,432.00	
134,210.00		स्टेशनरी/स्टोर मद	4,113.00	
4389.00		टेलीफोन प्रभार	62,584.00	
83,873.00	901,797.00	वृत्तिका/पुस्तक तथा परियोजना अनुदान	82,012.00	370,160.00
		यात्रा भत्ता		
0.00	0.00	संकाय/कर्मचारी वर्ग तथा सदस्य	0.00	0.00
38,222.00	38,222.00	संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	3,400.00	3,400.00
		अनुसंधान अध्ययन		
12,659.00	12,659.00	व्यय	7,163.00	7,163.00
		अन्य प्रभार (आवर्ती)		
4,510.00		लेखा शुल्क	0.00	
1,500.00		कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	7,785.00	
3,164.00		बागवानी प्रभार	2,065.00	
31,062.00		बीमा	26,803.0	
74,278.00		वर्दी	40,646.00	
204,661.00		कानूनी प्रभार	0.00	
12,889.00		गाड़ियों का रख-रखाव	5,104.00	
70,308.00		उपकरणों का रख-रखाव	20,800.00	
110,458.00		फर्नीचर व साज-समान का रख-रखाव	22,740.00	
16,895.00		संस्थान भवन का रख-रखाव (इलैक्ट्र.)	6,000.00	
175,705.00		विविध भुगतान	169,015.00	
5,477.00		समाचार पत्र प्रभार	158,303.00	

प्राप्तियां

		विविध प्राप्तियां		
0.00		अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	141,077.00	
89,306.00		लाइसेंस शुल्क	98,034.00	
6,884.00		जल प्रभार	6,864.00	
600,946.00		कार्यक्रम प्राप्तियां	691,646.40	
393,668.00	1,090,804.00	विविध प्राप्तियां	3,22,963.00	1,260,584.40
71,879.00	71,879.00	**यथोनुपात पेंशन लाभ**	598,196.00	598,196.00
49,416.00	49,416.00	**अवकाश वेतन पेंशन अंशदान**	31,481.00	31,481.00
6,000.00	6,000.00	**पेंशन (वसूली)**	6,000.00	6,000.00
		अन्य विविध प्राप्तियां		
		सुरक्षित जमा	1,000.00	
		प्रतिभूति प्राप्तियां	25,000.00	26,000.00

भुगतान

5,129.00		किराया, दर तथा कर	2,497.00	
994,152.00	1,710,188.00	पानी तथा बिजली प्रभार	285,217.00	746,975.00
		अन्य विविध भुगतान		
1,000.00	1,000.00	प्रतिभूति वापसी	7,500.00	7,500.00
		वसूली योग्य पेशगियां		
120,000.00		त्योहार पेशगी	100,500.00	
0.00		कार पेशगी	0.00	
30,000.00		स्कूटर पेशगी	24,000.00	
3,000.00		साइकिल पेशगी	7,500.00	
0.00		पंखा पेशगी	0.00	
1,213,743.00		भवन निर्माण पेशगी	185,592.00	
0.00		कंप्यूटर पेशगी	0.00	
0.00	1,366,743.00	चक्रवात पेशगी	0.00	317,592.00
0.00	0.00	**विविध पेशगियां**	31,747.00	31,747.00
27,764,740.00		कुल व्यय (योजनेतर)	**27,987,164.00**	
		योजना (व्यय)		
		अधिकारियों का वेतन		
222,518.00	222,518.00	अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	190,520.00	190,520.00
		संस्थागत वेतन		
123,710.00		प्रशासन	144,255.00	
189,004.00		वित्त तथा लेखा	100,811.00	
653,707.00		अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	574,605.00	
68,100.00	1,034,521.00	प्रकाशन	69,900.00	889,571.00
		भत्ते तथा मानदेय		
68,119.00		प्रशासन	93,661.00	
40,789.00		वित्त तथा लेखा	46,035.00	
515,549.00		अनुसंधान तथा प्रशिक्षण	539,470.00	
50,834.00	675,291.00	प्रकाशन	55,796.00	734,962.00
2,063.00	2,063.00	समयोपरि भत्ता	15,596.00	15,596.00

प्राप्तियां

वसूली योग्य पेशगियां

127,500.00		त्यौहार पेशगी	110,750.00	
96,000.00		कार पेशगी	76,000.00	
75,732.00		स्कूटर पेशगी	67,140.00	
4,950.00		साइकिल पेशगी	1,950.00	
1,000.00		पंखा पेशगी	100.00	
270,800.00		भवन निर्माण पेशगी	319,700.00	
7,200.00		कंप्यूटर पेशगी	6,685.00	
3,600.00	586,782.00	चक्रवात पेशगी	3,600.00	585,925.00
271,734.00	271,734.00	विविध पेशगियां	33,440.00	33,440.00
7,661,731.52		कुल प्राप्तियां (योजनेतर)	**6,994,724.49**	

37,073.00	37,073.00	चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	31057.00	31057.00
1408.00	1408.00	अवकाश यात्रा रियायत	0.00	0.00
27,137.00	27,137.00	तदर्थ बोनस	22,203.00	22,203.00
		अकादमिक गविविधियां		
72,572.00		विज्ञापन प्रभार	200,800.00	
297,088.00		मनोरंजन प्रभार	299,478.00	
25,363.00		विविध आकस्मिक्ताएं	145,572.00	
69,098.00		मुद्रण/जिल्द प्रभार	281,585.00	
328,564.00		डाक व तार प्रभार	222,864.00	
242,836.00		पैट्रोल, आयल तथा ल्यूब्रीकेंट प्रभार	280,328.00	
1,186,104.00		स्टेशनरी/स्टोर प्रभार	1,408,197.00	
1,024,185.00		टेलीफोन/टेलीग्राम प्रभार	920,213.00	
131,465.00		वृत्तिका, पुस्तक तथा परियोजना अनुदान	157,195.00	
1,399,254.00	4,776,529.00	पत्रिकाएं	1,736,715.00	5,652,947.00
		यात्रा भत्ते		
832,333.00		संकाय तथा कर्मचारी वर्ग को यात्रा भत्ता	805,704.00	
1,444,449.00	2,276,782.00	भागीदारों को यात्रा भत्ता	746,461.00	1,552,165.00
220,102.00	220,102.00	**संसाधन व्यक्तियों को मानदेय**	187,077.00	187,077.00
441,222.00	441,222.00	**प्रकाशन (प्रकाशित)**	624,874.00	624,874.00
		अन्य प्रभार (अ) आवर्ती		
107,500.00		लेखा शुल्क	122,000.00	
4,795.00		कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	7,549.00	
27,071.00		बागवानी प्रभार	17,866.00	
0.00		मुकदमों पर खर्च	153,899.00	
88,268.00		गाड़ियों का रख-रखाव	59,787.00	
463,118.00		उपकरणों का रख-रखाव	555,630.00	
191,308.00		फर्नीचर व साज-समान का रख-रखाव	91,718.00	
1,496,171.00		संस्था भवन का रख-रखाव (सिविल)	1,621,055.00	
1,323,359.00		संस्था भवन का रख-रखाव (इलैक्ट्र.)	787,646.00	
28,387.00		समाचार पत्र प्रभार	28,737.00	
219,892.00		किराया, दर/कर	213,406.00	

		प्रायोजित कार्यक्रम/अध्ययन		
		आई.डी.ई.पी.ए./श्रीलंका कार्यक्रम (डा. सुश्री के. सुजाता)		
3,690,339.00	3,690,339.00	अनुदान	3,919,215.00	3,919,215.00
		डी.आई.एस.ई./ई.एम.आई.एस.		
		की स्थापना और संचालन (डा. अग्रवाल)		
1,294,943.00	1,294,943.00	अनुदान	880,000.00	880,000.00
		डाइट के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम		
		(डा. सुश्री मेनन)		
244,317.00	244,317.00	अनुदान	227,303.00	227,303.00
		डी.पी.ई.पी. योजना और प्रबंधन में		
		क्षमता निर्माण (डा. एन. वी. वर्गीज)		
1,500,000.00	1,500,000.00	अनुदान	1,000,000.00	1,000,000.00

407,986.00		पानी तथा बिजली प्रभार	3,690,083.12	
1,159,817.00	5,517,672.00	विविध पेशगियां	997,565.00	8,346,961.12
		(ब) गैर-आवर्त्ती		
465,067.00		फर्नीचर व साज-समान	242,208.00	
509,641.00		अन्य कार्यालय उपकरण	706,588.00	
211,017.00	1,185,725.00	स्टाफ कार	0.00	948,796.00
420,631.00	420,631.00	पुस्तकालय की पुस्तकें	276,887.00	276,887.00
		(स) अग्रिम भुगतान		
616,144.00		भवन का निर्माण (सिविल)	161,005.00	
0.00		भवन का निर्माण (इलैक्ट्र.)	134,835.00	
20,153,919.00	20,770,063.00	डी.डी.ए. भवन का निर्माण	134,835.00	295,840.00
39,431,594.00		कुल (योजना) व्यय	**19,769,456.00**	
		संस्थान के अनुसंधान अध्ययन		
		शिक्षा पर द्वितीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण		
		प्रशासन		
268,463.00		वेतन/मानदेय	0.00	
14,433.00		यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
108,391.00		आकस्मिकताएं	0.00	
		आई. आई. ई. पी. के सहयोग से माध्यमिक शिक्षा रिपोर्ट		
	0.00	यात्रा भत्ता	73,354.00	73,354.00

प्राप्तियां

		विश्वविद्यालयों और कालेजों में क्रमावर्त्ती विभागाध्यक्षता और गुणवत्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला **(24-1-01)**		
500,000.00	500,000.00	अनुदान	0.00	0.0
		डाइट की तकनीकी और आधारभूत क्षमता का मूल्यांकन (डा. आर. गोविन्दा)		
2,127,000.00	2,127,000.00	अनुदान	0.00	0.00
		आप्रेशन ब्लैक बोर्ड योजना का राष्ट्रीय मूल्यांकन (डा. आर. गोविन्दा)		
2,500,000.00	2,500,000.00	अनुदान	0.00	0.00

भुगतान

		भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों का प्रतिरूप तथा उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण (डा. जी.डी. शर्मा)		
20,348.00	20,348.00	वेतन	0.00	0.00
		विद्यालयी शिक्षा का प्रबंधन शिक्षा पर गृह अनुभवों का प्रतिरूप तथा विधि (डा. तिलक)		
15,770.00	15,770.00	वेतन	0.00	0.00
		नवयुग विद्यालय पर लघु अध्ययन (डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय)		
73,361.00		वेतन	0.00	0.00
1,305.00	74,666.00	विविध व्यय	0.00	0.00
		उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन		
20,400.00	20,400.00	व्यय	0.00	0.00
		भारत में विश्वविद्यालय वित्त एक रेखाचित्रण (डा. तिलक)		
29,365.00	29,365.00	व्यय	0.00	0.00

प्राप्तियां

		भारत में बेसिक शिक्षा में गैर-सरकारी संगठनों का योगदान (क.सं. 860.030.8) (डॉ. आर. गोविंदा)		
218,150.00	218,150.00	अनुदान	0.00	0.00
		सभी के लिए शिक्षा मूल्यांकन (पी) मा.सं.वि. मंत्रालय (डा. गोविन्दा)		
1,329,190.00	1,329,190.00	अनुदान	200,000.00	200,000.00

भुगतान

		नगरीय गरीबों की शिक्षा-दिल्ली की मलीन बस्ती का अध्ययन (डा. पांडा)		
10,881.00	10,881.00	व्यय	0.00	0.00
		विद्यालय शिक्षा में संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन (डा. मुखोपाध्याय)		
76,807.00	76,807.00	व्यय	22,116.00	22,116.00
		विश्वविद्यालय की योजना और प्रबंधन में सूचना तकनीक का प्रयोग (डा. शर्मा)		
31,045.00	31,045.00	व्यय	24,739.00	24,739.00
		नागपुर और इंदौर महानगर में प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण प्राप्त करने हेतु क्रियान्वन तकनीक (डा. श्रीमती जुनेजा)		
67,391.00		वेतन	49,478.00	
32,718.00		यात्रा/दैनिक भत्रा	0.00	
3,300.00	103,409.00	विविध आकस्मिकताएं	48,000.00	97,478.00
		उच्च शिक्षा में गुणवत्ता का आकलन : पैरामीटर तथा संकेतक		
52,729.00	52,729.00	व्यय	0.00	0.00
		वैकल्पिक तथा नवाचारी उच्च शिक्षा		
4,700.00	4,700.00	व्यय	0.00	0.00
		माध्यमिक शिक्षा की योजना और प्रबंधन (भोजन का आकलन) (डा. मुखोपाध्याय)		
47,857.00	47,857.00	व्यय	0.00	0.00
		शिक्षा में चुनौतियों तथा भूमंडलीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन		
0.00	0.00	व्यय	754,861.00	754,861.00
		माध्यमिक शिक्षा प्रबंधन के लिये वैधिक प्रावधान (प्रो. खण्डेलवाल)		
12,000.00	12,000.00	व्यय	0.00	0.00

प्राप्तियां

प्राथमिक शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और अधिकारिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (**08-10/12/1999**) (यूरोपीय आयोग) (डा. आर. गोविंद)	118,630.00	अनुदान		
		सर्व शिक्षा अभियान-परियोजना		
693,971.00	693,971.00	अनुदान	1,000,000.00	1,000,000.00
		सर्व शिक्षा अभियान कार्यशाला		
1,000,000.00	1,000,000.00	अनुदान	0.00	0.00

		भुगतान		
		माध्यमिक शिक्षा बोर्डों की भूमिका (डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय)		
35,922.00	35,922.00	व्यय	56,923.00	56,923.00
		मलीन तथा गैर-मलीन क्षेत्रों में प्राथमिक विद्यालयों का अधिगम स्तर (डा. अग्रवाल)		
11,368.00	11,368.00	व्यय	31,536.00	31,536.00
		राज्य स्तर पर शैक्षिक प्रशासन में नवीन प्रवृत्तियां (प्रो. खण्डेलवाल)		
21,386.00	21,386.00	व्यय	0.00	0.00
		माध्यमिक स्तर पर गुणवत्ता सुधार के लिए रणनीति विकसित करना - शिक्षा में सहायता अनुदान का प्रावधान, राज्य की भागीदारी तथा विद्यालयों का प्रदर्शन [डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय]		
0.00	0.00	व्यय	30,893.00	30,893.00
		भारत में माध्यमिक शिक्षा के कानूनी प्रबंधन पर अध्ययन		
0.00	0.00	व्यय	23,000.00	23,000.00
		उत्तरांचल में डाइट तथा बी.एस.ए. के कार्य अधिकारियों की योजना तथा प्रबंधन पर वैधानिक अध्ययन(डा. त्यागी)		
0.00	0.00	व्यय	38,065.00	38,065.00
		आंध्र प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश सरकार की शिक्षा नीति		
0.00	0.00	व्यय	20,000.00	20,000.00
		दिल्ली में पाली विद्यालय - समस्याएं तथा आयाम		
0.00	0.00	व्यय	33,744.00	33,744.00
		माध्यमिक शिक्षा के वित्तपोषण पर अध्ययन		
0.00	0.00	व्यय	20,000.00	20,000.00
		उत्तर पूर्व कार्यक्रम पर व्यय		
0.00	0.00	व्यय	7,180.00	7,180.00

[redacted]

शिक्षा की गुणवत्ता की योजना (आई.आई.ई.पी.) (क.सं. **00.30.23**) पर गहन प्रशिक्षण व कार्यशाला के लिये मात्रात्मक अनुसंधान (डा. अग्रवाल)				
अनुदान		108,945.00		
		उच्च शिक्षा में मानवाधिकार अध्ययन (डा. के. सुधा राव)		
0.00	0.00	अनुदान	240,000.00	240,000.00

भुगतान

		सहायता योजना		
0.00	0.00	व्यय	0.00	0.00
	(2)	अनुसंधान अध्ययनों पर व्यय		
959,940.00		का योग	**1,233,889.00**	
40,391,534.00		महायोग (योजना) व्यय	**21,003,345.12**	
		प्रायोजित कार्यक्रम/अध्ययन-आइडेपा/श्री लंका कार्यक्रम		
573,648.00		वेतन	330,449.00	
1,387,901.00		कार्यक्रम व्यय	326,148.00	
672,838.00		भागीदारों को सीधा भुगतान	468,231.00	
1,450,310.00		भोजन/आवास प्रभार	2,500,821.00	
171,349.00		स्टेशनरी	85,129.00	
478,048.00		आकस्मिकताएं	432,311.00	
20,400.00	4,754,494.00	पूंजीगत मदें	342,500.00	4,485,589.00
72,500.00	72,500.00	स्टाफ को अग्रिम	107,400.00	107,400.00
		डाइस/ई.एम.आई.एस. की स्थापना और संचालन (डा. अग्रवाल)		
371,052.00		वेतन	493,681.00	
54,160.00		यात्रा/दैनिक भत्ता भुगतान	150,561.00	
117,000.00		कंप्यूटर (पूंजीगत मद)	218,568.00	
65,105.00		स्टेशनरी	158,320.00	
69,215.00	676,532.00	आकस्मिकताएं	168,660.00	1,189,790.00

आप्तियां

प्रारंभिक शिक्षा में अनुसंधान, नेटवर्किंग
तथा आदान-प्रदान द्वारा क्षमता निर्माण
में बढ़ोत्तरी के लिये एंट्रीप बैठक सहयोग
(यूरोपियन आयोग **19.4.2000**) (डा. सुजाता)
अनुदान 140,930.00

आंध्र प्रदेश के आश्रम विद्यालयों के प्रमुखों
के लिये अभिविन्यास कार्यक्रम
(22-27.5.2000) (डा. सुजाता)
अनुदान 58,200.00

भुगतान

		डाइट के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. मेनन)		
227,303.00	227,303.00	व्यय	168,743.00	168,743.00
		योजना और प्रबंधन में क्षमता निर्माण (डी.पी.ई.पी.)(डा. एन.वी. वर्गीज़)		
922,097.00		वेतन	617,665.00	
181,019.00		स्टाफ को यात्रा (दैनिक भत्ता)	299,048.00	
0.00		भागीदारों को यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
0.00		कार्यक्रम व्यय	0.00	
0.00		प्रशिक्षण सामग्री	0.00	
0.00		स्टेशनरी	0.00	
162,287.00	1,265,403.00	आकस्मिकताएं	286,993.00	1,203,706.00
		अनुदान की वापसी	1,074,300.00	1,074,300.00
		पुस्तकालयों के लिये डाइट कार्यक्रम (सुश्री मल्होत्रा)		
43,486.00	43,486.00	व्यय	19,600.00	19,600.00
		विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में क्रमावर्ती विभागाध्यक्षता तथा गुणवत्ता पर एक दिवसीय कार्यशाला (24.01.01)		
240,197.00	240,197.00	व्यय	50,881.00	50,881.00
		मानव मूल्यों तथा उच्च शिक्षा में जीवन कौशलों पर एक दिवसीय कार्यशाला		
0.00	0.00	व्यय	181,892.00	181,892.00
		मानव मूल्य तथा शिक्षा में जीवन कौशल (प्रो. मुखोपाध्याय) (28.1.02)		
0.00	0.00	व्यय	32,979.00	32,979.00
		शिक्षार्थी अधिगम अध्ययन (दिल्ली) (युनिसेफ) (डा. वाई.पी. अग्रवाल)		
0.00	0.00	वेतन	0.00	
0.00	0.00	विविध आकस्मिक व्यय	0.00	
270,000.00	270,000.00	अव्ययित वापसी	0.00	0.00

प्राप्तियां

		विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिये बेसिक शिक्षा की प्रोन्नति हेतु कार्यशाला **(30-31/5/2000)** (क.सं. **860.010.0**) डा. सुदेश मुखोपाध्याय		
अनुदान		86,839.00		
		भारत में प्राथमिक शिक्षा के लिये ए.एल.ए. **93/14** ई.सी. सेक्टर समर्थन कार्यक्रम (यूरोपियन आयोग) (डा. गोविन्दा)		
300,000.00	300,000.00	अनुदान	0.00	0.00

भुगतान

		डाइट की तकनीकी और आधारभूत क्षमता का आकलन (डा. आर. गोविन्दा)		
178,503.00		वेतन	144,169.00	
50,000.00		संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	107,794.00	
7,457.00		स्टाफ को यात्रा/दैनिक भत्ता	215,700.00	
300,000.00		राज्यों को अनुदान	0.00	
171,141.00	707,101.00	आकस्मिकताएं	228,807.00	696,470.00
		आप्रेशन ब्लैक बोर्ड का राष्ट्रीय मूल्यांकन (डा. आर. गोविन्दा)		
358,436.00		वेतन	88,903.00	
68,928.00		भागीदारों को यात्रा/दैनिक भत्ता	215,940.00	
0.00		संसाधन व्यक्तियों को मानदेय	0.00	
15,822.00		स्टाफ को यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
4,743,173.00		विभिन्न राज्यों/संस्थानों को अनुदान	1,461,105.00	
439,921.00	5,626,280.90	आकस्मिकताएं	187,787.00	1,953,735.00
		भारत में बेसिक शिक्षा में गैरसरकारी संगठनों की भूमिका तथा योगदान(क.सं. 860.163.9)		
69,750.00		वेतन	0.00	

प्राप्तियां

		कालेजों को स्वायत्तता और इसका क्रियान्वयन **(29-30/6/2000)** [डा. (श्रीमती) सुधाराव]		
0.00	0.00	अनुदान	449,418.00	449,418.00
		प्राथमिक विद्यालयों की गणुवत्ता सुधार हेतु क्षमता निर्माण (यूनेस्को) **(29-30/6/2000)** [डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय]		
31,154.00	31,154.00	अनुदान	0.00	0.00
		भारतीय उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र की वित्त और प्रबंधन भागीदारी पर अनुसंधान अध्ययन (योजना आयोग) (डा. आज़ाद)		
125,600.00	125,600.00	अनुदान	125,600.00	125,600.00

भुगतान

0.00		स्टाफ़ को यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
33,658.00	103,408.00	आकस्मिकताएं	0.00	0.00
		सबके लिये शिक्षा : आकलन (पी) (मा.सं.वि. मंत्रालय) (डा. गोविन्दा)		
173,355.00		वेतन	0.00	
1,868,419.00	2,041,774.00	आकस्मिकताएं	429,756.00	429,756.00
		बांग्लादेश के उच्च शिक्षा अधिकारियों के यात्रा तथा कार्यक्रम व्यय (युनेस्को - ढाका) (क.सं. 865.273.9)		
189,265.00		कार्यक्रम व्यय	0.00	
0.00		सांस्कृतिक कार्यक्रम व्यय	0.00	
3,130.00	192,395.00	विविध आकस्मिकताएं	0.00	0.00

परिशिष्ट

वित्तीय प्रबंधन के विशेष संदर्भ में भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण (आई.सी.एस.एस.आर.)				
अनुदान	44,200.00			
विक्लांग बच्चों के लिये बेसिक शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु सम्मिलित विद्यालयी शिक्षा माड्यूल के विकास हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला यूनेस्को प्रायोजित (क.सं. **860086.0**)				
अनुदान	55,704.00			
		प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु राष्ट्रीय क्षमता निर्माण पर हस्तपुस्तिका (करार सं. **860.046.0**) (यूनेस्को प्रायोजित) [डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय]		
69,180.00	69,180.00	अनुदान	36,055.00	36,055.00

भुगतान

		सर्व शिक्षा अभियान - परियोजना		
572,024.00	572,024.00	व्यय	283,455.00	283,455.00
		सर्व शिक्षा अभियान - कार्यशाला		
759,782.00	759,782.00	व्यय	0.00	0.00
		उच्च शिक्षा में मानवाधिकार पर अध्ययन (मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा प्रायोजित) डॉ. (श्रीमती) सुधाराव		
269,968.00		वेतन	0.00	
40,000.00		स्टाफ को यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
425.00		मानदेय/संसाधन व्यक्तियों को यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
77,121,00	387,514.00	स्टेशनरी प्रभार	14,547.00	129,150.00
		शिक्षा की गुणवत्ता की योजना हेतु परिमाणात्मक अनुसंधान विधियों पर सघन प्रशिक्षण कार्यशाला (आई.आई.ई.पी) (क.सं. 00.30.23) (डा. वाई.पी. अग्रवाल)		
10,000.00		कार्यक्रम व्यय	0.00	
48,000.00		कंप्यूटर प्रभार	0.00	
42,832.00		मनोरंजन/छात्रावास प्रभार	0.00	
35,469.00	136,301.00	विविध व्यय	0.00	0.00
		प्रारंभिक शिक्षा में अनुसंधान, नेटवर्किंग और विनिमय के माध्यम से क्षमता वृद्धि में एंट्रीप सहयोग बैठक (19.4.2000 युरोपियन आयोग) (डा. के. सुजाता)		
140,930.00	140,930.00	व्यय	0.00	0.00

प्राप्तियां

		यूनेस्को कार्यक्रम, मुंबई (भारत) शहर में सभी के लिये प्राथमिक शिक्षा : स्थानीय शिक्षाकर्मियों की चुनौतियां (डा. एन. जुनेजा)		
92,240.00	92,240.00	अनुदान	0.00	0.00
		दसवीं पंचवर्षीय योजना के प्रमुख क्षेत्र **26-27/4/2001** (मा.सं.वि. मंत्रालय प्रायोजित)		
		अनुदान	300,000.00	300.000.00
		सबके लिए शिक्षा - भारत में अनुवर्ती गतिविधियां (यूनेस्को - मा.सं.वि.मंत्रालय)		
		अनुदान	745,120.00	745,120.00
		विश्वविद्यालयों में शोध तथा अन्य समकक्ष कार्यों की गुणवत्ता **(28-29/6/2001)**		
		अनुदान	403,341.00	403,341.00
		विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत व्यापार तथा शिक्षा		
		अनुदान	555,000.00	555,000.00
		उच्च शिक्षा में सिद्धांतों तथा उत्तरदायित्वों पर कार्यशाला		
		अनुदान	500,000.00	500,000.00
		निर्णय कार्य में महिलाएं पर कार्यशाला		
		अनुदान	300,000.00	300,000.00
		दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना तथा अनुश्रवण पर उपक्षेत्रीय अभिविन्यास तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूनेस्को - आई.आई.ई.पी.)		
		अनुदान	752,000.00	752,000.00

		भुगतान		
81,334.00	81,334.00	आंध्र प्रदेश के आश्रम विद्यालयों के प्रमुखों के लिये अभिविन्यास कार्यक्रम **(22-27.5.2000)** (डा. के. सुजाता) व्यय	0.00	0.00
102,174.00	102,174.00	भारत में प्राथमिक शिक्षा के लिये ए.एल.ए. **93/14** ई.सी. सेक्टर समर्थन कार्यक्रम (यूरोपियन आयोग) (डा. गोविन्दा) व्यय	145,692.00	145,692.00
86,839.00	86,839.00	विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिये बेसिक शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु कार्यशाला **(30-31/5/2000)** (क.सं. **860.010.0**) (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय) व्यय	0.00	0.00
449,418.00	449,418.00	कालेजों को स्वायत्तता तथा क्रियान्वयन **(29-30/6/2000)** (डा. श्रीमती सुधा राव) व्यय	0.00	0.00
15,067.00	15,067.00	प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु क्षमता निर्माण (युनेस्को) (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय) व्यय	0.00	0.00
29,155.00	29,155.00	भारतीय उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र की वित्त और प्रबंधन में भागीदारी पर अनुसंधान अध्ययन (योजना आयोग) (डा. आज़ाद) व्यय	212,081.00	212,081.00

प्राप्तियां

स्थायी पंचायत विकास तथा ग्राम स्वराज के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों की योजना तथा प्रबंधन को सुदृढ़ करने हेतु कार्यशाला/ संगोष्ठी (एन.सी.आर. आई. - हैदराबाद) (जी.डी.शर्मा)		
अनुदान	163,000.00	163,000.00
शैक्षिक सुधार व समर्थन संगठनों द्वारा परिवर्तन का प्रबंधन - वित्तीय सहायता के अंतर्गत पर संगोष्ठी		
अनुदान	250,000.00	250,000.00
भारत में समान यू. एन. आंकड़ा आधार का अद्यतन		
अनुदान	28,080.00	28,080.00
गुणवत्ता के प्रबंधन हेतु डाइट की क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रो. एम. मुखोपाध्याय)		
अनुदान	1,500,000.00	1,500,000.00
वंचित युवाओं के लिए वैकल्पिक तथा नवाचारी शिक्षा पर अध्ययन		
अनुदान	250,000.00	250,000.00
मानद विश्वविद्यालयों पर पुस्तक का विकास		
अनुदान	50,000.00	50,000.00
ई.एम.आई.एस. (एस.एस.ए.)		
अनुदान	624,000.00	624,000.00
16,329,532.00 कुल प्राप्तियां प्रायोजित कार्यक्रम	**14,498,132.00**	

भुगतान

		प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु राष्ट्रीय क्षमता निर्माण पर हस्तपुस्तिका (क.सं. **860.046.0**) (यूनेस्को प्रायोजित) (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय)		
46,120.00	46,120.00	व्यय	21,900.00	21,900.00
		मुंबई शहर में 'सबके लिए प्राथमिक शिक्षा' पर यूनेस्को योगदान (डा. नलिनी जुनेजा)		
0.00	0.00	व्यय	92,240.00	92,240.00
		दसवीं पंचवर्षीय योजना के प्रमुख क्षेत्र **26-27/4/2001** (मा.सं.वि. मंत्रालय प्रायोजित)		
0.00	0.00	व्यय	302,891.00	302,891.00
		सबके लिए शिक्षा - भारत में अनुवर्ती गतिविधियां (यूनेस्को - मा.स.वि. मंत्रालय)		
0.00	0.00	व्यय	487,488.00	487,488.00
		विश्वविद्यालयों में शोध तथा समकक्ष अध्ययनों की गुणवत्ता (**28-28/6.01**)		
0.00	0.00	व्यय	417,645.00	417,645.00
		एन.सी.टी. - **II** परियोजना		
0.00	0.00	व्यय	20,686.00	20,686.00
		भारत में व्यावसायीकरण बिरला - अंबानी रिपोर्ट के संदर्भ में शैक्षिक विकास पर संगोष्ठी		
0.00	0.00	व्यय	65,867.00	65,867.00
		विश्वव्यापार संगठन के अंतर्गत व्यापार तथा शिक्षा		
0.00	0.00	व्यय	1,005,559.00	1,005,559.00
		उच्च शिक्षा में सिद्धांतों तथा जवाबदेही के व्यवहार पर कार्यशाला		
0.00	0.00	व्यय	44,167.00	44,167.00
		निर्णात्मक भूमिका में महिला विषय पर कार्यशाला		
0.00	0.00	व्यय	23,577.00	23,577.00
		दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा की योजना तथा अनुश्रवण पर उपक्षेत्रीय अभिविन्यास तथा प्रशिक्षण कार्यशाला		
0.00	0.00	व्यय	83,682.00	83,682.00

प्राप्तियां

	प्रेषित धन	
1,215,677.00	आयकर (वेतन)	10,10,520.00
6,521,010.00	भविष्यनिधि अंशदान तथा स्टाफ से अग्रिम की वसूली	6,369,815.00
1,100.00	भ.नि. अंशदान/प्रतिनियुक्ता से वसूली	0.00
48,420.00	प्रतिनियुक्ता की भ.नि. पेशगी	48,420.00
155,400.00	पे रोल बचत योजना	12,950.00
98,694.00	सामूहिक बचत लिंग बीमा	89,200.00
322,710.00	स्टाफ का जीवन बीमा	352,199.00
710,843.00	सोसायटी वसूली	777,534.00
3,614.40	सी.जी.ई.जी.आई.एस. (प्रतिनियुक्ता)	2,417.60
1,500.00	कंप्यूटर अग्रिम	0.00
35,870.00	आयकर (पार्टी)	38,345.00
1,760.00	प्रतिनियुक्ताओं से संबंधित सोसायटी वसूली	0.00
10,994.00	प्रतिनियुक्ता से संबंधित यूनियन फण्ड	10,992.00
110,756,633.82	महायोग	**87,641,955.61**

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

भुगतान

		भारत में यू.एन. समान आंकड़ा आधार का अद्यतन		
0.00	0.00	व्यय	8,192.00	8,192.00
19,027,531.90		**प्रायोजित कार्यक्रम (कुल व्यय)**		**14,939,113.40**
		प्रेषित धन		
	1,215,677.00	आयकर (वेतन)		1,010,520.00
	6,521,010.00	भविष्यनिधि अंशदान तथा स्टाफ से अग्रिम की वसूली		6,369,815.00
	1,100.00	भ.नि. अंशदान/प्रतिनियुक्ता से वसूली		0.00
	48,420.00	प्रतिनियुक्ता की भ.नि. पेशगी		48,420.00
	155,400.00	पे रोल बचत योजना		12,950.00
	98,694.00	सामूहिक बचत लिंग बीमा		89,200.00
	322,710.00	स्टाफ का जीवन बीमा		352,199.00
	710,843.00	सोसायटी वसूली		777,534.00
	3,614.40	सी.जी.ई.जी.आई.एस. (प्रतिनियुक्ता)		2,417.00
	1,500.00	प्रतिनियुक्ता का कंप्यूटर अग्रिम		0.00
	35,870.00	आयकर (पार्टी)		38,345.00
	1,760.00	प्रतिनियुक्ताओं से संबंधित सोसायटी वसूली		0.00
	10,994.00	प्रतिनियुक्ता से संबंधित यूनियन फण्ड		10,992.00
		रोकड़ बाकी		
5,000.00		अग्रदाय	5,000.00	
		बैंक में रोकड़		
1,638,507.03		1) भारतीय स्टेट बैंक	12,847,596.52	
432,434.49		2) सिंडिकेट बैंक (181)	390,518.37	
7,554,576.00		3) सिंडिकेट बैंक (179)	1,091,863.60	
4,814,718.00	14,445,235.52	4) सिंडिकेट बैंक (178)	664,962.00	14,999,940.49
110,756,633.82		**महायोग**		**87,641,955.61**

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान का निर्धारित शर्तों का पूरी तरह पालन करते हुए अपेक्षित प्रयोजनों में उपयोग किया गया है।

ह/-

(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-

(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

रोकड़ बाकी का विवरण (31 मार्च 2002)

शीर्ष	*अर्थशेष*	*अनुदान*	*अन्य प्राप्तियां*	*योग*	*भुगतान*	*शेष*
योजनेतर	5,922.93	20,994,077.00	6,994,724.49	27,994,724.42	27,987,164.00	7,560.42
योजना	2,606.19	21,997,394.00	0.00	22,000,000.19	21,003,345.12	996,655.07
प्रायोजित कार्यक्रम	14,436,706.40	14,498,132.00	0.00	28,934,838.40	14,939,113.40	13,995,725.00
योग	**14,445,235.52**	**57,489,603.00**	**6,994,724.49**	**78,929,563.01**	**63,929,622.52**	**14,999,940.49**

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

31 मार्च, 2002 के अनुसार सौपें गये कार्यक्रमों/अध्ययनों का लेखा प्रपत्र

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
1	अनौपचारिक शिक्षा की प्रयोगात्मक परियोजना-मूल्यांकन अध्ययन (शिक्षा मंत्रालय)	14923.36	0.00	14923.36	0.00	14923.36
2.	अनौपचारिक शिक्षा सहित प्रारंभिक स्तर की शिक्षा के लिए प्रायोगिक और नवाचारी कार्यक्रम और जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली	(-)(13087.70)	0.00	(13087.70)	0.00	(13087.70)
3.	मौजूदा सुविधाओं का अधिकाधिक प्रभावी उपयोग	13037.00	0.00	13037.00	0.00	13037.00
4	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा	(780128.86)	3919215.00	3139086.14	4592989.00	(1453902.86)
5	उच्च शिक्षा में समता, गुणवत्ता और लागत का अध्ययन	1043.00	0.00	1043.00	0.00	1043.00
6	शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीक का प्रयोग	(-) (26031.00)	0.00	(26031.00)	0.00	(26031.00)
7	शैक्षिक प्रौद्योगिक योजना का मूल्यांकन अध्ययन	182136.00	0.00	182136.00	0.00	182136.00
8	ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों के लिए माध्यमिक स्तर पर छात्रवृत्ति का मूल्यांकन अध्ययन (मा.सं.वि.मं.)	60645.00	0.00	60645.00	0.00	60645.00
9	केरल में डाइट कार्यक्रम	22417.00	0.00	22417.00	0.00	22417.00
10	पुस्तकालयों के लिए डाइट कार्यक्रम	38241.00	0.00	38241.00	19600.00	18641.00
11	भारत में चुनिंदा विश्वविद्यालयों का कार्य-विवरण (वि.वि.अ.आ.)	75348.00	0.00	75348.00	0.00	75348.00
12	महिलाओं की स्थिति का निदानात्मक विश्लेषण	127283.00	0.00	127283.00	0.00	127283.00
13	शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े जिलों के महाविद्यालयों का विकास (वि.अ.आ.)	51081.00	0.00	51081.00	0.00	51081.00
14	आधार रेखा अध्ययन-(केरल) आधार रेखा अध्ययन-(कर्नाटक)	(-) (40177.00)	0.00	(40177.00)	0.00	(40177.00)
15	डी.आई.एस.ई. की स्थापना और संचालन (यूनिसेफ) (डा. अग्रवाल)	2188435.00	880000.00	3068435.00	1189790.00	1878645.00
16	डाइट के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (मेनन)	125819.00	227303.00	353122.00	168743.00	184379.00
17.	भारतीय विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान के स्तर और गुणवत्ता की स्थिति की रिपोर्ट (वि.अ.आ.)	(-) (13383.00)	0.00	(13383.00)	0.00	(13383.00)

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
18.	राष्ट्रीय अध्यापक आयोग-II	20686.40	0.00	20686.40	0.00	20686.40
19.	डी.पी.ई.पी. की योजना और प्रबंधन में दक्षता विकास (डा. वर्गीस)	2726322.00	1000000.00	3726322.00	2278006.00	1448316.00
20.	श्रीलंका के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर एशियाई विकास बैंक प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	8192.00	0.00	8192.00	0.00	8192.00
21.	उच्च शिक्षा पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला (अ.शै.यो.सं.-यूनेस्को-नीपा) (डा. जी.डी. शर्मा)	30388.00	0.00	30388.00	0.00	30388.00
22.	शैक्षिक योजना, प्रबंधन, प्रशिक्षण अनुसंधान के राष्ट्रीय संस्थानों का एशियाई नेटवर्क (5-9 दिसंबर 95) (डा. वर्गीस)	260351.50	0.00	260351.50	0.00	260351.50
23.	शैक्षिक संकेतकों की गुणवत्ता (मा.सं.वि.मं) संविदा सं. 840.972.4/159(161) (डा. ए.सी. मेहता)	714.00	0.00	714.00	0.00	714.00
24.	वि.अ.आ. की ओर से महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. श्रीमती सुधा राव)	100014.00	0.00	100014.00	0.00	100014.00
25.	शैक्षिक रूप से पिछड़े जिलों के लिए सघन क्षेत्र कार्यक्रम का अध्ययन (डा. पी. मेनन)	49713.00	0.00	49713.00	0.00	49713.00
26.	ई-9 सम्मेलन (मा.सं.वि.मं.)	(-) (6361.00)	0.00	(6361.00)	0.00	(6361.00)
27.	शिक्षार्थी संप्राप्ति (दिल्ली डी.पी.ई.पी.) (डा. अग्रवाल)	109691.00	0.00	109691.00	0.00	109691.00
28.	प्राथमिक शिक्षा आकलन और समीक्षा प्रणाली (डा. अग्रवाल)	105976.00	0.00	105976.00	0.00	105976.00
29.	अं.शै.यो.सं.-पेरिस (संविदा सं. 97.30.91) (डा. आर. गोविंदा)	306907.00	0.00	306907.00	0.00	306907.00
30.	डाइट के आधारभूत और तकनीकी ढ़ांचे का मूल्यांकन (डा. आर. गोविंदा)	1119947.00	0.00	1119947.00	696470.00	423477.00
31.	आई.टी.डी.ए. पाडेरू के सभी मंडलों में विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार का समवर्ती आकलन (डा. के. सुजाता)	58594.00	0.00	58594.00	0.00	58594.00
32.	आपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना का राष्ट्रीय मूल्यांकन (डा. आर. गोविंदा)	5800027.00	0.00	5800027.00	19553735.00	3846292.10
33.	भारत में उच्च प्राथमिक विद्यालयों (प्रा.शि.सा.) का अध्ययन (डा. एन.वी. वर्गीस)	367084.00	0.00	367084.00	0.00	367084.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
34.	भारत में बुनियादी शिक्षा के क्षेत्र में अ-सरकारी संगठनों की भूमिका (क.सं. 860.163.9)	200020.00	0.00	200020.00	0.00	200020.00
35.	प्राथमिक विद्यालयों की आधारभूत संरचना और सुविधाओं पर आंकड़ा आधार (क.सं. 840.851.8)	28163.00	0.00	28163.00	0.00	28163.00
36.	वि.अ.आ. कार्यक्रम के अंतर्गत संगणक अनुप्रयोग पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम (डा. सुधा राव)	102943.00	0.00	102943.00	0.00	102943.00
37.	सबके लिए शिक्षा का आकलन (पी) (मा.सं.वि.मं.) (डा. गोविंद)	151372.00	200000.00	351372.00	429756.00	(78,384.00)
38.	सर्व शिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि.मं.) दो दिवसीय कार्यशाला	(-)(16837.00)	1000000.00	983163.00	283455.00	699708.00
39.	-तदैव- एस.एस.ए. दो दिवसीय कार्यशाला	240218.00	0.00	240218.00	0.00	240218.00
40.	उच्च शिक्षा में मानवाधिकार पर अध्ययन (मा.सं.वि.मं.) (डा श्रीमती सुधा राव)	(-) (91290.00)	240000.00	148710.00	129150.00	19560.00
41.	उच्च प्राथमिक शिक्षा पर कार्यशाला (डा. श्रीमती सुधा राव)	471500.00	0.00	471500.00	0.00	471500.00
42.	'शिक्षा की गुणवत्ता की योजना हेतु परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां' पर कार्यशाला, (आई.आई.ई.पी.) (डा. अग्रवाल) (क.सं. 00.30.23)	(-)(27356.00)	0.00	(27356.00)	0.00	(27356.00)
43.	आंध्र प्रदेश के आश्रम विद्यालयों के प्रमुखों हेतु अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम (22 से 27 मई 2000)	(-)(23134.00)	0.00	(23134.00)	0.00	(23134.00)
44.	भारत में प्राथमिक शिक्षा समर्थन ए.एल.ए. 93/4 .ई.सी. सेक्टर कार्यक्रम एंट्रिप केन्द्र विंन्दु गतिविधियां)	197826.00	0.00	197826.00	-	145692.00
45.	कालेजों को स्वायत्ता तथा इसक क्रियान्वयन पर बैठक (29-30 जून, 2000)	(-)(449418.00)	449418.00	0.00	0.00	0.00
46.	प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार हेतु क्षमता निर्माण (डा. श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय)	16087.00	0.00	16087.00	0.00	16087.00
47.	भारतीय उच्च शिक्षा के वित्त और प्रबंधन में निजी क्षेत्र की भागीदारी पर योजना आयोग का अध्ययन (डा. जे.एल. आजाद)	96445.00	125600.00	222045.00	212081.00	9964.00
48.	भारत में वित्तीय प्रबंधन की व्यवस्था के विशेष संदर्भ में उच्च शिक्षा में वित्तीय सहायता (प्रथम चरण) आई.सी.एस.एस.आर.	44200.00	0.00	44200.00	0.00	44200.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
49.	विशेष शिक्षा की जरूरत वाले बच्चों के लिये बेसिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये एकीकृत विद्यालय शिक्षा हेतु प्रशिक्षण माड्यूल विकसित करने के लिये राष्ट्रीय कार्यशाला (क.सं. 860.086.0) (श्रीमती सुदेश मुखोपाध्याय)	55704.00	0.00	55704.00	0.00	55704.00
50.	प्राथमिक विद्यालयों की गुववत्ता सुधार हेतु राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण हेतु हस्तपुस्तिका (क.सं. 860.046.0)	23060.00	36055.00	59115.00	21900.00	37215.00
51.	विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में चक्रावृत्ति हैडशीप पर कार्यशाला (24-1-01)	259803.00	0.00	259803.00	50881.00	208922.00
52.	भारत के मुंबई शहर में सबके लिये प्राथमिक शिक्षा-स्थानीय अभिनेताओं द्वारा निर्धारित लक्ष्य के संबंध में यूनेस्को का योगदान (डा. नलिनी जुनेजा)	92240.00	0.00	92240.00	0.00	92240.00
53.	उच्च शिक्षा स्तर पर मानवीय मूल्यों और जीवन कौशल की शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला	0.00	0.00	0.00	181892.00	(181892.00)
54.	दसवीं पंचवर्षीय योजना के प्रमुख क्षेत्र मा.सं.वि.मं. द्वारा प्रायोजित (26-17 अप्रैल 2003)	0.00	300000.00	300000.00	302891.00	(2891.00)
55.	सबके लिए शिक्षा - भारत में अग्रवर्ती गतिविधियां (यूनेस्को - मां.सं.वि.मं. प्रायोजित)	0.00	745120.00	745120.00	487488.00	257632.00
56.	भारतीय विश्वविद्यालयों में पीएचडी और समकक्ष शोध अध्ययनों की गुणवत्ता (28 - 29 जून 2001)	0.00	403341.00	403341.00	417645.00	14304.00
57.	भारत में शिक्षा का व्यावसायीकरण पर बिड़ला - अंबानी रिपोर्ट के विशेष संदर्भ में भारत में शैक्षिक विकास पर संगोष्ठी	0.00	0.00	0.00	65867.00	(65867.00)
58.	विश्व व्यापार संगठन के अधीन व्यापार और शिक्षा	0.00	555000.00	555000.00	1005559.00	(450559.00)
59.	उच्च शिक्षा में दायित्व के सिद्धांत और कार्यव्यवहार पर संगोष्ठी	0.00	500000.00	500000.00	44167.00	455833.00
60.	निर्णय कार्य में महिलाएं पर कार्यशाला	0.00	300000.00	300000.00	23577.00	276423.00
61.	दक्षिण एशिया में सबके लिए शिक्षा कार्यक्रम की योजना और अनुश्रवण पर उप-क्षेत्रीय अभिविन्यास प्रशिक्षण और कार्यशाला	0.00	752000.00	752000.00	83862.00	668318.00
62.	पंचायत और ग्राम स्वराज के स्थापित्व के लिए उच्चशिक्षा संस्थानों का योजना और प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण पर संगोष्ठी	0.00	163000.00	163000.00	0.00	163000.00
63.	वित्तीय सहायता के अंतर्गत संगठन संमर्थन के द्वारा परिवर्तन को प्रबंधन पर संयोष्ठी	0.00	250000.00	250000.00	0.00	250000.00
64.	भारत में समान सं.रा. आंकड़ा आधार का अद्यतन	0.00	28080.00	28080.00	8192.00	19888.00

क्र.सं.	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थशेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
65.	डाइट प्रबंधन के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रो. एम. मुखोपाध्याय)	0.00	1500000.00	1500000.00	0.00	1500000.00
66.	शिक्षित बेरोजगारों के लिए उच्च शिक्षा के वैकल्पिक और नवाचारी पाठ्यक्रम	0.00	250000.00	250000.00	0.00	250000.00
67.	मानित विश्वविद्यालयों पर पुस्तक का विकास	0.00	50000.00	50000.00	0.00	50000.00
68.	इ एम आइ एस परियोजना	0.00	624000.00	624000.00	0.00	624000.00
69.	मानवीय मूल्यों और जीवन शैली की शिक्षा (29.1.02) प्रो. मुखोपाध्याय	0.00	0.00	0.00	32979.00	(32979.00)
योग		**14457392.00**	**14498132.00**	**28955524.80**	**14939113.40**	**14016411.40**

विशिष्ट परियोजना के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सभी अपेक्षित शर्तों को पूरा करते हुये निर्धारित प्रयोजनों के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग किया गया है।

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना

2001-2002 का

2000-2001	व्यय	2001-2002
4,465,175.00	अधिकारियों का वेतन	4,752,933.00
7,939,350.00	संस्थागत वेतन	7,821,572.00
	भत्ते तथा मानदेय, समयोपरि भत्ता, चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	
8,615,351.00	अवकाश वेतन तथा पेंशन सहित	8,802,520.00
0.00	यात्रा भत्ता	0.00
1,785,609.00	पेंशन तथा उपदान	4,272,395.00
	पी.एफ. नियोक्ता का अंशदान	
	अंशदान के खाते में शोधित/देय	
2,384,418.00	पी. एफ पर ब्याज	2,360,624.00

और प्रशासन संस्थान

आय-व्यय लेखा (31 मार्च, 2002)

2000-2001		आय	2001-2002	
52,600,000.00		**भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान**	42,991,471.00	
16,329,532.00		**(अ) धनदाता एजेंसियों से प्राप्त अनुदान**	14,498,132.00	
		पूंजीकृत अनुदान को घटाकर		
465,067.00		फर्नीचर व साज-समान	242,208.00	
509,641.00		कार्यालय के अन्य उपकरण	706,588.00	
137,400.00			561,068.00	
211,017.00	50,993,644.00	स्टाफ कार/टाईप राइटर्स	0.00	41,765,788.00
420,631.00	16,192,132.00	पुस्तकालयों की पुस्तकें	276,887.00	13,937,064.00
		छात्रावास किराया		
1,379,410.00		वर्ष के दौरान प्राप्तियां	1,341,560.00	
12,300.00		वर्ष के दौरान प्रोद्भूत प्राप्तियां	9,150.00	
750.00	1,390,960.00	पिछले साल से घटाकर	11,550.00	1,339,160.00
		प्राप्त ब्याज		
54,349.00		निवेश पर	71,322.00	
406,309.06		एस.बी. खाता पर	446,342.72	
11,575.00	472,233.06	ब्याजवाली पेशगियों पर	46,331.00	563,995.72
		विविध प्राप्तियां		
31,608.50		रायल्टी	43,443.00	
89,306.00		मकान किराया (लाइसेंस शुल्क)	98,034.00	
6,884.00		पानी का शुल्क	6,864.00	
322,798.00		विविध प्राप्तियां	322,963.00	
70,870.00		अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	141,077.00	
600,946.00		कार्यक्रम प्राप्तियां	691,646.00	
71,879.00		पेंशन हितलाभ	598,196.00	
49,416.00	1,243,707.50	अवकाश वेतन तथा पेंशन	31,481.00	1,933,704.40

2000-2001	व्यय	2001-2002
270,239.00	बोनस	268,492.00
258,324.00	अध्येता वृत्ति और पुरस्कार	190,477.00
441,220.00	प्रकाशन व्यय	624,874.00
7,955,108.00	अकादमिक गतिविधियां	7,575,272.00
972,599.00	अनुसंधान अध्ययन	1,241,052.00
7,227,860.00	अन्य प्रभार (आवर्ती)	9,093,936.12
	(कार्यालय व्यय)	
	(47,004,147.12)	
18,955,031.90	धन प्रदान करने वाली एजेंसी का व्यय	14,831,713.40
15,058,640.52	व्यय से अधिक आय	1,051,684.37
-	व्यय से अधिक आय	
0.00	(धनदाता एजेंसी)	0.00
76,328,927.42	**योग**	**62,887,544.89**

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

2000-2001		आय	2001-2002	
		भविष्य निधि निवेश पर ब्याज		
3,273,350.96		वसूली	2,453,183.37	
0.00	3,273,350.96	वर्ष के लिए प्रोद्भोत	0.00	2,453,183.37
	2,762,899.90	आय से अधिक व्यय		894,649.00
76,328,927.42		योग		**62,887,544.89**

ह/-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान

ह/-
(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना

तुलन पत्र

देयताएं

पूंजीकृत अनुदान		
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष राशि	82,633,221.17	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	1,786,751.00	
परिवर्धन (समायोजन द्वारा)	20,528,919.00	
बट्टे खाते में डाली गई पूंजीकृत निवेश को घटाकर	3,553,195.00	101,393,696.17
उपहार और दान		
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष राशि	188,937.76	
वर्ष के दौरान परिवर्धन/प्राप्तियां	9,498.00	198,435.76

और प्रशासन संस्थान

(31 मार्च, 2002)

परिसंपत्तियां

भूमि तथा भवन		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	47,021,411.55	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	20,528,919.00	67,550,330.55
उपकरण तथा मशीनरी, फर्नीचर व साज-समान टाइपराइटर, कंप्यूटर, स्टाफ कार इत्यादि		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	30,117,288.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	1,509,864.00	
बट्टे खाते को घटाकर	3,553,195.00	28,073,957.00
पुस्तकालय की पुस्तकें		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	5,683,459.38	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	276,887.00	
उपहार और दान के द्वारा बढ़ोत्तरी	9,498.00	
बट्टे खाते की पुस्तकों की कीमत घटाकर	0.00	5,969,844.38
धनदाता एजेंसियों से वसूली राशि निर्धारित		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	1,507,889.96	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	2,280,778.96	
वर्ष के दौरान घटाकर	1,337,673.86	2,430,308.56
अपलिखित राशि	20,686.40	
विविध पेशगियां (धनदाता एजेंसी)		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	72,500.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	107,400.00	
वर्ष के दौरान समायोजन घटाकर	0.00	179,900.00
भविष्य निधि निवेश		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	22,200,000.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,975,167.00	26,175,167.00
विभिन्न देनदार		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	59,334.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	0.00	
वर्ष के दौरान समायोजन घटाकर	25,000.00	34,334.00
के.लो.नि. विभाग के पास जमा		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	436,252.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	295,840.00	
संशोधन जोड़कर	0.00	
समायोजन घटाकर	0.0	732,092.00

देयताएं

व्यय से अधिक आय		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	23,222,695.12	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	1,051,684.37	
संशोधन जोड़कर	0.00	
संशोधन घटाकर (300+750)	1,050.00	
समायोजित घटाकर	20,528,919.00	
बट्टे खाता घटाकर	20,686.40	
आय से अधिक व्यय	0.00	3,723,724.00
धनदाता अभिकरणों को देय बचत राशि (प्रायोजित कार्यक्रम)		
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष राशि	16,017,096.36	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	14,498,132.00	
संशोधन घटाकर	0.00	
वर्ष के दौरान व्यय को घटाकर	14,831,713.40	
अधिक व्यय को जोड़कर	2,280,778.86	
वर्ष के दौरान प्राप्ति घटाकर	1,337,673.86	16,626,619.96

परिसंपत्तियां

डी.डी.ए. के पास जमा राशि		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	375,000.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	20,153,919.00	
समायोजन घटाकर	20,528,919.00	0.00
कर्मचारियों को पेशगी/अन्य पेशगी		
वसूली योग्य पेशगियां		
त्यौहार पेशगी	71,650.00	
संशोधन धटाकर	300.00	
मोटर कार पेशगी	40,000.00	
स्कूटर पेशगी	104,199.00	
साइकिल पेशगी	7,500.00	
पंखा पेशगी	0.00	
भवन निर्माण पेशगी	1,619,135.00	
कंप्यूटर पेशगी	8,800.00	
बाढ़ पेशगी	300.00	1,851,284.00
चिकित्सा अग्रिम		**65,920.00**
विविध पेशगियां		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	45,466.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	31,747.00	
वर्ष के दौरान समायोजन घटाकर	33,440.00	43,773.00
अधिक पेंशन भुगतान की वसूली		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	24,467.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	0.00	
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि को घटाकर	6,000.00	18,467.00
छात्रावास से प्राप्त आय		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	14,475.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	9,150.00	
प्राप्तियां घटाकर	11,550.00	
संशोधन घटाकर	750.00	11,325.00

देयताएं

भविष्यनिधि		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	24,649,766.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	8,732,381.00	
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि	5,017,458.00	28,364,689.00
विभिन्न लेनदार		
पिछले तुलन-पत्र के अनुसार शेष राशि	23,500.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	1,000.00	
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि को घटाकर	7,500.00	17,000.00
योग		**150,326,164.98**

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

परिसंपत्तियां

शेष रोकड़		
हस्तगत रोकड़	0.00	
अग्रदाय	5,000.00	
बचत खाता (एस.बी.आई)	12,847,596.52	
बचत खाता (सिंडिकेट बैंक)	664,962.00	
बचत खाता (सिंडिकेट बैंक)	1,091,863.60	
बचत खाता (सिंडिकेट बैंक)	390,518.00	
जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. लेखा	2,189,522.00	17,189,462.49
	150,326,164.98	

ह/-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

वर्ष 2001-2002 के लिए

जी.पी.एफ./सी.पी.एफ. की प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

2000-2001	प्राप्तियां	2001-2002	2000-2001	भुगतान	2001-2002
2,057,565.00	अर्थशेष	2,449,766.00	4,454,192.00	जी.पी.एफ. पेशगियां और निकासी	4,627,458.00
6,692,452.00	जी.पी.एफ. अंशदान और पेशगियों की वापसी	5,988,757.00	477.00	सी.पी.एफ. पेशगियां और निकासी	390,000.00
320,000.00	सी.पी.एफ. अंशदान और पेशगियों की वापसी	383,000.00	4,550,000.00	2001-2002 में किया गया निवेश	3,975,167.00
2,009,680.00	जी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	1,987,818.00	2,449,766..00	अंत शेष	2,189,522.00
218,543.00	सी.पी.एफ. पर अदा किया गया ब्याज	207,548.00			
99,975.00	सरकारी अंशदान	101,865.00			
56,220.00	सरकारी अंशदान पर ब्याज	63,933.00			
11,454,435.00	योग	**11,182,147.00**	**11,454,435.00**	योग	**11,182,147.00**

ह/-
(एस.आर. चौधरी)
अनुभाग अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/-
(बी.पी. खण्डेलवाल)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान की लेखा परीक्षा रिपोर्ट : 2001-2002

1. प्रस्तावना

1.1 राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) पहले शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के राष्ट्रीय स्टाफ कालेज के नाम से जाना जाता था। मई, 1979 में इसकी स्थापना एक स्वायत्त संस्था के रूप में हुई और सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत इसे पंजीकृत किया गया। संस्थान का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक योजना और प्रशासन के विविध क्षेत्रों में अध्ययन, नए विचारों और तकनीकों के सृजन, केंद्र और राज्य सरकारों के वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासकों के लिए सेवाकालीन, सेवापूर्व प्रशिक्षण, सम्मेलन, कार्यशाला और संगोष्ठियां आदि आयोजित करके, शैक्षिक योजना और प्रशासन के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए अनुदान देकर, अनुसंधान को बढ़ावा देकर और समन्वय करके तथा इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संबंधित साहित्य, पत्रिकाएं और पुस्तकें तैयार करके, और उन्हें प्रकाशित करके शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक शीर्षस्थ संस्थान बने रहना है।

1.2 लेखा परीक्षा का कार्य

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) (कार्य, अधिकार और सेवा शर्तें) के तहत पांच वर्षों (2001-02 से 2005-2006) के लिए संस्थान की लेखा परीक्षा सुपुर्द की गई है।

2. वित्त

संस्थान को मुख्यत: केंद्र सरकार से अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। वर्ष 2001-02 के दौरान संस्थान को मा. सं. वि. मंत्रालय भारत सरकार से 429.9 लाख रुपए (219.97 लाख रुपए योजनागत और 209.94 लाख रुपए योजनेतर मद में) का अनुदान प्राप्त हुआ।

3. लेखा पर टिप्पणियां

3.1 परिसंपत्तियों का अवमूल्यन

संस्थान ने अपने प्रकाशन स्टाक की रु. 6.45 लाख रुपए की लागत को अपने तुलन पत्र लेखा में परिसंपत्तियां शीर्ष के अंतर्गत नहीं दर्शाया जबकि अनुमोदित लेखा प्रपत्र के अनुसार इसे परिसंपत्तियां शीर्ष के अंतर्गत दर्शाना चाहिए। परिणामस्वरूप रु. 6.45 लाख रुपए की परिसंपत्ति का अवमूल्यन हो गया। संस्थान ने अप्रैल 2003 में बताया कि रोकड़ प्रणाली के आधार पर लेखा तैयार किया जाता है और प्रकाशन पर होने वाले व्यय को व्यय मद में दर्शाया गया है। यह उत्तर लेखा परीक्षा के अनुसार नहीं है। यह राशि लेखा प्रपत्र के अनुसार परिसंपत्तियां मद में दर्शायी जानी चाहिए। परिणामस्वरूप रु. 6.45 लाख रुपए की परिसंपत्ति का अवमूल्यन हो गया।

3.2 राशियों का लेखाकरण

संस्थान ने दिखाया था कि वर्ष 2001-02 में आयकर के रूप में रु. 10.49 लाख (कर्मचारियों से रु. 10.11 लाख और पार्टी से रु. 0.38 लाख) वसूले गए और आयकर विभाग को प्रेषित किए गए। परंतु लेखा परीक्षा से पता चला कि संस्थान ने रु. 10.67 लाख का आयकर वसूला और आयकर विभाग को भेजा। इसके फलस्वरूप प्राप्ति और भुगतान लेखा में रु 0.18 लाख कम दर्शाया गया ।

3.3 आय और व्यय लेखा

निम्नांकित राशि को आय और व्यय लेखा के अंतर्गत सावधानी से निम्नांकित शीर्षों के अंतर्गत नहीं दशार्या गया। (रुपए में)

	खातों में दशार्या	दर्शाना चाहिए था
यात्रा भत्ता	42,72,395.00	0.00
पेंशन तथा ग्रेजुएटी	23,60,624.00	42,72,395.00
कर्मचारियों का भविष्यनिधि अंशदान हिस्सेदारी/भविष्यनिधि पर ब्याज का भुगतान/देय	0.00	23,60,624.00

इस खाते में आवश्यक संशोधन किए जायें।

3.4 टिप्पणियों का निवल प्रभाव

पिछले अनुच्छेदों में लेखा टिप्पणियों का कुल निवल प्रभाव यह पड़ा कि दिनांक 31-03-02 को परिसंपत्तियों में रु. 6.45 लाख कम दर्शाया गया। वर्ष 2002 की दिनांक 31 मार्च को समाप्त प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा में रु.0.18 लाख कम दर्शाया गया।

4. सामान्य टिप्पणियां

4.1 तुलन पत्र में पिछले वर्ष के अंकों को न दर्शाना

तुलन पत्र के देयताएं और परिसंपत्तियां लेखा में पिछले वर्ष के अंक दर्शाए नहीं गए थे।

4.2 लेखा में पारदर्शिता

संस्थान ने 'महत्वपूर्ण लेखा नीति, तथा लेखा पर नोट्स' के अनुरूप सुधार नहीं किया। महत्वपूर्ण लेखा नीति में किसी मद का रोकड़, अचल संपत्ति अथवा संपत्ति मूल्यांकन के आधार पर लेखा परीक्षण किया जाता है। 'लेखा पर नोट्स' में संगठन को वैधानिक नियमानुसार अधिक आय पर आयकर की छूट, आकस्मिक देयताएं

इत्यादि दर्शायी जाती हैं। इस प्रकार के स्पष्टीकरण से लेखा विवरण में पारदर्शिता व्यक्त होती है।

4.3 परिसंपत्तियों का ह्रास

परिसंपत्ति लेखा में अर्जित परिसंपत्ति का खाता मूल्य दर्शाया जाता हैं। इसमें पुरानी, अनुपयोगी तथा बेकार परिसंपत्तियों को निकाला नहीं जाता और इसके सापेक्ष पूंजीगत लेखा में उसके अवमूल्यन को दर्शाया नहीं जाता है। फलस्वरुप, पूंजी और परिसंपत्ति खाता में अपेक्षाकृत अधिक दर्शाया गया है। इससे इसका सही विवरण प्रकट नहीं हो रहा है।

4.4 रोकड़ आधार पर खाता का परिचालन

संस्थान में खाता का परिचालन रोकड़ प्रणाली पर आधारित है। लेखा प्रणाली को उपार्जित आधार पर करने की आवश्यकता है जिससे आय और व्यय खाता तथा तुलन-पत्र लेखा संस्थान के वित्तीय स्थिति का सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत कर सकें।

4.5 बैंक समाधान विवरण

संस्थान के दिनांक 31 मार्च, 2002 के बैंक समाधान विवरण से पता चलता है कि :

(i) रु. 14,16,925.00 के चैक जारी किये गये परंतु बैंक में जमा नहीं किये गये।

(ii) रु. 400.00 जमा में कम दिखाये गये।

(iii) रु. 32,44,077 के चैक बैंक में जमा कराये गये परंतु बैंक ने उन्हें दर्ज नहीं किया।

(iv) बैंक द्वारा रु. 100.00 का संग्रह प्रभार लगाया तो गया परन्तु उसे रोकड़ पुस्तिका में दर्ज नहीं किया गया।

(v) बैंक द्वारा रोकड़ पुस्तिका में रु. 200.00 का नामशेष दर्शाया गया। परन्तु इसे दर्ज नहीं किया गया।

4.6 अव्ययित अनुदान

(i) वर्ष के प्रारंभ में संस्थान के पास रु. 8,529.12 (योजना : रु. 2,606.19 तथा योजनेतर रु. 5,922.93) का अव्ययित अनुदान था। मंत्रालय की अनुमति के बिना अव्ययित शेष रु. 8,529.12 को वर्ष 2001-02 में शामिल कर लिया गया।

(ii) 31 मार्च 2002 को संस्थान के पास रु.1004215.49 की अनुदान राशि (योजना : रु. 996655.07 और योजनेतर : रु.7560.42) हुई थी। यह राशि तुलन पत्र में मा. सं. वि. मं. को देय राशि के रूप में और दिखाया जाना चाहिए परंतु ऐसा नहीं किया गया।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 08-08-2003

ह/-
महानिदेशक, लेखा परीक्षा और
केंद्रीय राजस्व

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के 31 मार्च, 2002 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के प्राप्ति और भुगतान लेखा/आय और व्यय लेखा तथा 31 मार्च, 2002 के तुलन-पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं तथा संलग्न लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभियुक्तियों के आधार पर अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरी राय में तथा मेरी जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरण एवं संस्थान की बहियों में दर्शाए गए विवरणों के अनुसार ये लेखे और तुलनपत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं तथा संस्थान के कार्यकलापों का सही और उचित स्वरूप प्रस्तुत करते हैं।

ह/-

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 08-08-2003

महानिदेशक, लेखा परीक्षा और
केंद्रीय राजस्व

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No .....
Date.....